सुविचार

समृद्धि व्यक्तित्व की देन है, भाग्य की नहीं।

चाणक्य

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 12 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 26 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

जूनियर एनटीआर के बाद राम चरण संग...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,595.49
निफ्टी	:	21,782.50

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	76.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

प्रमोद कृष्णम 6 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

NEW DELHI : कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पार्टी के नेता और कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को एक बयान जारी इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा कि अनुशासनहीनता और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयान देने की शिकायतों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रमोद कृष्णम को तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पार्टी से निष्कासन के बाद प्रमोद कृष्णम ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- मैं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे कांग्रेस से मुक्ति देने का फरमान जारी किया। क्या कांग्रेस में रहने का मतलब है कि हमें चमचागिरी करना और झूठ बोलना जरूरी है।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी

MUMBAI : मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ई- मेल में कहा गया है, "अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को तुरंत सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए नहीं तो मैं हर अमेरिकी दूतावास को उड़ा दूंगा।" पुलिस के अनुसार, शनिवार अपराह्न करीब 3.50 बजे दूतावास को यह ई-मेल प्राप्त हुआ। ई-मेल भेजने वाले ने खुद को भगोड़ा अमेरिकी नागरिक बताया है। उसने कहा है कि उसके खिलाफ अमेरिका में 19 आपराधिक आरोप दर्ज हैं। इस व्यक्ति ने ई-मेल में कहा, "मेरी अमेरिकी नागरिकों को मारने की भी योजना है।"

इसरो में निकली 10वीं-12वीं पास के लिए वैकेंसी

NEW DELHI : दसवीं और बारहवीं पास वालों के लिए इसरो में नौकरी पाने का बेहतरीन मौका सामने आया है। इनके लिए ऑफिसिस वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी हो गई है। इनके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। आज ही चेक करें कि आप इसके लिए योग्य हैं या नहीं इसरो ने यह वैकेंसी यू आर राव सैटेलाइट सेंटर के लिए निकाली हैं इनके तहत कुल 224 पद पर कैंडिडेट्स की भर्ती होगी। इसके लिए आवेदन 10 फरवरी से शुरू किया गया है। फॉर्म भरने की लास्ट डेट 1 मार्च 2024 है। इसके माध्यम से साइंटिस्ट, इंजीनियर, लाइब्रेरी असिस्टेंट, फायरमैन, ड्राइवर, ड्रॉट्समैन, फायरमैन, कुक, ड्राइवर आदि के पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए केवल ऑनलाइन अप्लाई किया जा सकता है। इसरो की ऑफिशियल वेबसाइट से आप सारी डिटेल पता कर सकते हैं।

जेएसएससी पेपर लीक मामले में रांची पुलिस की कार्रवाई, अवर सचिव सहित तीन व्यक्ति गिरफ्तार

अभ्यर्थियों के दिए गए ब्लैंक चेक, एडमिट कार्ड व कई मोबाइल भी बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : जेएसएससी पेपर लीक मामले में रांची पुलिस की एसआईटी ने कार्रवाई की है। एसआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए झारखंड विधानसभा के एक अवर सचिव समेत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कई कागजातों के साथ-साथ ब्लैंक चेक भी बरामद किये गये हैं। जानकारी के मुताबिक मामले की जांच कर रही एसआईटी को झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मो शमीम के बारे में यह पुख्ता जानकारी मिली थी कि वह और उसके दो बेटे पेपर लीक मामले में संलिप्त हैं। जिसके बाद एसआईटी उनपर लगातार नजर रखे हुए थी। सूचना कन्फर्म होने पर एसआईटी ने शमीम के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी के दौरान शमीम के ठिकानों से कई अभ्यर्थियों के द्वारा दिये गए ब्लैंक चेक, दर्जनों एडमिट कार्ड के साथ-साथ कई मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

- एसआईटी ने शमीम के ठिकानों पर एक साथ की छापेमारी
- अवर सचिव के दो बेटे पेपर लीक में शामिल

बड़ा नेटवर्क शामिल, एसआईटी का हुआ है गठन

जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा में हुए प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया है। रांची के सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है। एसआईटी में चार पुलिस निरीक्षक समेत कई पुलिसकर्मी शामिल हैं। रांची एसएसपी ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया था। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पेपर लीक मामले में कार्रवाई लगातार जारी है। मामले में बड़ा नेटवर्क शामिल है। गौरतलब है कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा 28 जनवरी 2024 को हुई थी। लेकिन परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था। इस घटना के बाद तत्कालीन सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी बना था, लेकिन उनका ट्रांसफर हो जाने के कारण अब फिर से एसआईटी गठन किया गया है।

सांसद धीरज साहू से दूसरे दिन भी पूछताछ

RANCHI : कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू रविवार को एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। इसके बाद ईडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू की। इससे पहले शनिवार को भी ईडी ने धीरज साहू से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास से बरामद बीएमडब्ल्यू कार के बारे में पूछताछ की थी। धीरज साहू पूछताछ के बाद जब ईडी कार्यालय से बाहर निकले तो पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के आवास से मिली कार हेमंत सोरेन की नहीं है। हालांकि, सांसद धीरज साहू ने मीडिया के अधिकांश सवालों का जवाब नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद धीरज साहू को ईडी ने समन कर 10 फरवरी को 11 बजे रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था।

दिल्ली कूच पर अड़े किसान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर सील इंटीनेट-एसएमएस पर रोक

13 फरवरी को प्रस्तावित दिल्ली चलो मार्च के लिए जुटे किसान।

AGENCY AMBALA : संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के 13 फरवरी को दिल्ली कूच से पहले हरियाणा और पंजाब के शंभू, खनौरी समेत सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं। वहीं सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर भी सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। पंजाब से आने वाले किसानों को रोकने के लिए अंबाला के शंभू बॉर्डर और फतेहाबाद में बैरिकेड्स और लोहे की कीलें लगा दी गई हैं। हरियाणा के 7 जिलों में रविवार सुबह 6 बजे से मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क एसएमएस बंद कर दिए गए हैं। यह रोक अंबाला, हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद और पुलिस जिला डबवाली समेत सिरसा जिले रहेगी। यह आदेश 13 फरवरी की रात 12 बजे तक लागू रहेंगे। हरियाणा के सोनीपत, झज्जर, पंचकूला, अंबाला, कैथल, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और जींद समेत 12 जिलों में धारा 144 लागू की गई है। इसके साथ पंजाब और दिल्ली के रूट भी डायवर्ट कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने पैरामिलिट्री की 64 कंपनियों को हरियाणा भेज दिया है। जिनमें बीएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं। किसान-मजदूर मोर्चा के कोऑर्डिनेटर सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि अमृतसर में पंजाब सरकार के सीनियर अफसरों से मीटिंग हुई। जिसमें कहा गया कि 12 फरवरी को चंडीगढ़ में केंद्र के 3 मंत्रियों के साथ मीटिंग होगी। हरियाणा में इंटरनेट बंद करना उचित नहीं है। उन्होंने देश भर के किसान-मजदूरों को अपील की कि 13 फरवरी को दिल्ली कूच करें और आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। हम अपनी मांगें मनवाकर रहेंगे। हम बातचीत से नहीं भागेंगे। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि हमें बातचीत के लिए कह रहे हो तो हरियाणा के हालात क्यों बिगाड़ रहे हो। पहले ही बैरिकेडिंग क्यों की जा रही है। किसानों की बातों का हल न हो तो बैरिकेडिंग करनी चाहिए।

आंदोलन से जुड़े अपडेट्स

- चंडीगढ़ में भी धारा 144 लगा दी गई है। जुलूस प्रदर्शन के साथ ट्रैक्टर रैली निकालने पर भी खास रोक लगाई गई है।
- दिल्ली के गाजीपुर से सटे बॉर्डर के इलाके में दिल्ली पुलिस ने धारा 144 लगा दी है। यहां से यूपी के किसान एंट्री कर सकते हैं।
- सोनीपत में पेट्रोल पंप संचालकों को डीसी ने आदेश दिए कि किसी भी ट्रैक्टर में 10 लीटर से ज्यादा डीजल न डालें।
- किसानों को रोकने के लिए बीएसएफ ने भी मोर्चा संभाल लिया है। शंभू बॉर्डर पर लोहे की कीलें जड़ने के साथ-साथ कंटीली तारें लगा दी गई है।

कांग्रेस-विपक्षी पार्टियों पर पीएम ने जमकर निशाना साधा, बोले

विपक्ष ने भी माना, 2024 में 400 के पार, फिर एक बार मोदी सरकार

AGENCY JHABUA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश के झाबुआ का दौरा किया और राज्य के लिए 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मध्य प्रदेश में विधानसभा के नतीजों से आप पहले ही बता चुके हैं कि लोकसभा के लिए आपका मूड क्या रहने वाला है।।इसलिए इस बार विपक्ष के बड़े-बड़े नेता पहले से ही कहने लगे हैं- 2024 में 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कमल चिह्न 370 से ज्यादा सीट जीतेगा।

- झाबुआ जितना मध्य प्रदेश से जुड़ा है उतना ही गुजरात से भी
- झाबुआ में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने नहीं, बल्कि आपका सेवक बनकर आया हूं
- पीएम मोदी बोले- हमारे लिए जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं

हाथ उठाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों के हितों के लिए काम कर रही है, जबकि विपक्षी कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाने का काम करती है। उन्होंने कहा, लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, झाबुआ जितना मध्य प्रदेश से जुड़ा है उतना ही गुजरात से भी जुड़ा है। झाबुआ और इस पूरे इलाके की गुजरात से केवल सीमा ही नहीं लगती बल्कि दोनों तरफ के लोगों के दिल भी मजबूती से जुड़े हुए हैं।।गुजरात में रहते हुए मुझे यहां के जनजीवन से, यहां की परंपराओं से करीब से जुड़ने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं झाबुआ में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने नहीं, बल्कि आपका सेवक बनकर आया हूं। हमारी डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से भाजपा को 370 लोकसभा सीट जीतने के लिए पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा।

जनजातीय समाज के सम्मान की गारंटी

पीएम ने कहा कि हमारे लिए जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं, देश का गौरव है। आपका सम्मान और विकास मोदी की गारंटी है। बच्चों और युवाओं के सपने मोदी का संकल्प है। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब गांव-गांव घर-घर जाकर कहता था कि मुझे भिक्षा में वचन दो कि आप अपनी बेटी को पढ़ाओगे। 40-45 डिग्री तापमान, गर्म हवाओं में मैं झाबुआ के बगल में दाहोद के जंगल में छोटे गांवों में जाकर बेटियों की अंगुली पकड़कर स्कूल ले जाने का काम करता था। हमारे लिए आपके वोट नहीं, आपकी जिंदगी मायने रखती है। मैंने आदिवासियों के जीवन के लिए सिकलसेल अभियान शुरू किया। यह नीयत का ही फल है कि हमने मप्र को बीमारू राज्य से विकसित राज्य बना दिया है। देश में जो सबसे वंचित, सबसे पिछड़े हैं, हमारी सरकार में वे प्राथमिकता पर हैं।

बिहार में फ्लोर टेस्ट आज विधायकों की तगड़ी बाड़ेबंदी

जदयू की बैठक में नहीं पहुंचे चार विधायक

AGENCY PATNA : बिहार में नीतीश सरकार का सोमवार को फ्लोर टेस्ट है। इससे पहले यहां सियासी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी, आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस, लेफ्ट और हम पार्टी ने अपने-अपने विधायकों की तगड़ी बाड़ेबंदी की है। कांग्रेस विधायक हैदराबाद से पटना पहुंच गए हैं। कांग्रेस के विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि हमलोग पहले तेजस्वी यादव के आवास जाएंगे। इसके बाद पार्टी के सभी विधायक अपने-अपने घर के निकल जाएंगे। मंत्री विजय चौधरी के आवास पर जेडीयू विधायकों की बैठक डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में 4 विधायक नहीं पहुंचे हैं। चारों विधायक बीमा भारती, संजीव सिंह, दिलीप राय और सुदर्शन शनिवार को भी मंत्री श्रवण कुमार के बंगले पर आयोजित भोज में नहीं पहुंचे थे।

पुल में फंसा एयर इंडिया का एक हवाई जहाज

PATNA : बिहार के औरंगाबाद में रविवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब नेशनल हाईवे-19 पर बारुण थाना क्षेत्र के रेलवे ब्रिज के ऊपरी बैरिकेड में एक हवाई जहाज का मुख्य हिस्सा फंस गया। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। जाम के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बड़ी बात यह है कि बारुण में कई घंटों तक चचाओं का बाजार गर्म रहा। किसी ने हवाई जहाज के एनएच पर गिरने की बात कही तो किसी ने हवाई जहाज के एनएच से गुजरने के दौरान पुल में फंस जाने की बात कही। कुछ ही देर में यह अफवाह पूरे जिले में फैल गई। हर चौक-चौराहों पर चर्चा थी कि बारुण में एक हवाई जहाज गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

चंपाई सोरेन कैबिनेट की दूसरी बैठक आज, सिर्फ दो मंत्री होंगे शामिल

एमएसएमई एक्ट व 23 से बजट सत्र का आ सकता प्रस्ताव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कैबिनेट की बैठक 12 फरवरी को है। चंपाई सोरेन सरकार की यह दूसरी कैबिनेट की बैठक होगी। मंत्रिमंडल विस्तार नहीं होने की वजह से इस बैठक में भी मुख्यमंत्री समेत मंत्री आलमगीर आलम व सत्यानंद भोक्ता ही भाग लेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार 16 फरवरी को है। बताया जा रहा है कि कैबिनेट की बैठक में विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से आयोजित करने का प्रस्ताव आ सकता है। इसके साथ ही एमएसएमई एक्ट का प्रस्ताव आ सकता है। बता दें कि दो फरवरी को नयी सरकार बनते ही चंपाई सोरेन ने पहली कैबिनेट की बैठक बुलायी थी। इसमें तीन प्रस्ताव पर मुहर लगी थी।

सरकार बनते ही की थी कैबिनेट की पहली बैठक

दो फरवरी को नयी सरकार बनते ही झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। चंपाई सोरेन सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में हुई थी। पहली बैठक में 3 प्रस्तावों पर मुहर लगी थी। ये तीन प्रस्ताव इस तरह हैं-हेमंत सोरेन सरकार में 9 से 29 फरवरी तक बुलाए गए बजट सत्र को विलोपित किया गया। राजीव रंजन को फिर से झारखंड का महाधिवक्ता बनाया गया और 5 व 6 फरवरी को झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया था। कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद सीएम चंपाई सोरेन ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि पिछले 4 सालों में जो कार्य हेमंत सरकार ने किए हैं, वो सराहनीय हैं।

एमएसएमई पॉलिसी को दिया जायेगा का कानून का रूप : राज्य सरकार पूर्व में एमएसएमई पॉलिसी लागू कर चुकी है। अब इसे कानून का रूप दिया जा रहा है। सोमवार के एमएसएमई एक्ट का प्रस्ताव आ सकता है। इस प्रस्ताव के तहत उद्योग लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाये गये कानून तीन वर्षों तक एमएसएमई पर लागू नहीं होगा। लाइसेंस के लिए वे सेल्फ सर्टिफिकेशन करेंगे। उसे ही सरकार मान लेगी।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर : 14 को मोदी करेंगे उद्घाटन, 18 से आम श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा

अयोध्या जैसी झलक, बनारस गंगा तट जैसी अनुभूति

AGENCY NEW DELHI : अबू धाबी संयुक्त अरब अमीरात (यूएइ) की राजधानी है, जहां पहला हिंदू मंदिर बन कर तैयार है। भारत के बाहर यह दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। इस मंदिर की योजना दो नेताओं- संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनायी थी। आबू धाबी का यह मंदिर इस बात का प्रमाण है कि विगत कुछ वर्षों में भारत-यूएइ के द्विपक्षीय संबंध किस प्रकार आगे बढ़े हैं। रेगिस्तान की सुनहरी रेत के इस शहर में इस मंदिर के निर्माण की परिकल्पना 1997 में तब की गयी थी। दो संस्कृतियों को आपस में जोड़ने का यह सपना तब से आकार लेने की कोशिश में लगा रहा। इसको एक कदम और आगे बढ़ने का मौका तब मिला, जब अगस्त 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर पहली बार वहां पहुंचे। उनकी उपस्थिति में वहां की सरकार ने इस मंदिर निर्माण की अनुमति दी। अबू धाबी में बनकर तैयार भव्य स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन की तारीख करीब है। 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे और 18 फरवरी से यह आम श्रद्धालुओं के खुल जायेगा। अबू धाबी में इस्लाम आधिकारिक धर्म है। आबादी करीब 90 लाख है, जिसमें करीब 20 लाख भारतीय हैं।

स्वामीनारायण मंदिर में स्तंभों पर बनीं रामायण की कथाएं।

42 देशों के राजनयिक कर चुके हैं दीदार

मंदिर का दीदार करने में अमेरिका, यूके, जर्मनी, जापान, इस्राइल, इटली, कनाडा, आयरलैंड, बहरीन, आर्मेनिया, बांग्लादेश, घाना, चाड, चिली, यूरोपीय यूनियन, फिजी, अर्जेंटीना, साइप्रस, चेक गणराज्य, डोमिनिकन गणराज्य, मिस्र, गाम्बिया समेत अन्य देशों के राजदूत शामिल हैं। यूएइ के सहिष्णुता मंत्री शेख नहयान मुबारक अल नहयान ने कहा कि मंदिर का शिल्प कौशल अद्भुत है, और यह स्थान वैश्विक सद्भाव फैलाने में करेगा मदद। जापान के राजदूत अकीओ इसोमाटा ने कहा था कि मुझे नक्काशी में सहिष्णुता का दर्शन दिखायी देता है। यूके के उप राजदूत जोनाथन नाइट ने कहा कि इतने सारे अलग-अलग धर्म एक साथ आकर कुछ ऐसा बना रहे हैं, जो पीढ़ियों तक चलेगा।

सरकार ने 10 फरवरी तक 18.38 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट-टैक्स वसूला

HALDWANI : सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के प्रोविजनल आंकडे जारी किए हैं। आंकड़ों के मुताबिक सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष (2023-24) में 10 फरवरी तक ₹18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूला है। 10 फरवरी 2024 तक का यह कलेक्शन पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि के मुकाबले 2.71 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है। एक साल पहले यानी 10 फरवरी 2023 तक सरकार ने 15.67 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स वसूला था। वहीं इस साल का कलेक्शन सरकार की ओर से रिवाइज किए गए टारगेट का 80.23 प्रतिशत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के टारगेट को 18.23 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ कर दिया था।

हल्द्वानी हिंसा का मास्टर माइंड मलिक गिरफ्तार

बनभूलपुरा अभी भी सील, इंटरनेट सेवाएं बहाल

AGENCY HALDWANI : हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से यह खबर आ रही है। जबकि इससे पहले पुलिस ने 5 लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। इनमें 2 पूर्व पार्षद और सपा नेता भी शामिल हैं। रविवार को चौथे दिन हिंसा प्रभावित क्षेत्र को छोड़ बाकी शहर में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। हालांकि बनभूलपुरा इलाका अभी भी सील है। वहीं वहीं कर्फ्यू के चौथे दिन प्रशासन ने इस इलाके में दूध,सब्जियां और दवाओं की सप्लाई शुरू कराई है। पुलिस उपद्रवियों की अरेस्टिंग और अवैध असलहों की रिकवरी के लिए बनभूलपुरा इलाके में डोर टु डोर सर्च ऑपरेशन चला रही है। स्थानीय प्रशासन ने इस ऑपरेशन के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 4 अतिरिक्त टुकड़ियों की मांग की है। प्रशासन चरणबद्ध तरीके से इस इलाके में भी कर्फ्यू में ढील देने की योजना बना रहा है।

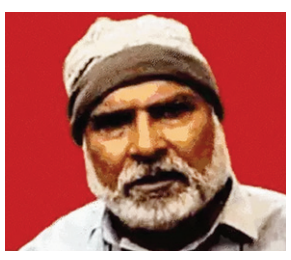

BRIEF NEWS

अनियंत्रित बाइक पलटने से चालक की मौत

GODDA : जिले के पथरगामा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात 11 बजे सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक सरैयाहाट निवासी वीरेंद्र मंडल का 28 वर्षीय पुत्र अमन मंडल बताया जाता है। जानकारी के अनुसार अमन मंडल का ससुराल पथरगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत डहरलंगी पड़ता है। वह घर सरैयाहाट से गोड्डा मेला देखकर देर रात ससुराल डहरलंगी जा रहा था। इस बीच जोकेला के समीप मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पथरगामा पुलिस के अवर निरीक्षक दिनेश कुमार मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी कश्यप गौतम ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरा खुलासा हो पाएगा।

भाजपाइयों ने बाबा तिलका मांझी को उनकी जयंती पर किया याद

DHANBAD : भारतीय जनता पार्टी ने संताल आदिवासी के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका मांझी की जयंती पर उन्हें याद किया। धनबाद के सरायढेला स्थित गोलबिल्डिंग के पास बने उनके स्मृति स्थल पर भाजपाइयों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान दर्जनों भाजपा नेता एवं कार्यक्रम मौजूद थे। इस दौरान भाजपा नेता संजय झा ने उन्हें याद करते हुए कहा कि बाबा तिलका मांझी ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। उन्होंने अपने क्रांतिकारी कार्यों से ब्रिटिश हुकूमत के छक्के छुड़ा दिए थे। 1783 में अंग्रेज शासन के खिलाफ विद्रोह प्रारंभ करने वाले बाबा तिलका मांझी ने अंग्रेज अधिकारी क्लीवलैंड को तीर से मार गिराया था। ऐसे योद्धा को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

धनबाद में एकल अभियान के तहत हाफ मैराथन

DHANBAD : हाफ मैराथन में रविवार को जिले भर से आए सैकड़ों युवक-युवतियों ने भाग लिया। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने झंडा दिखाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। लुबी सर्कुलर रोड स्थित धनबाद क्लब से शुरू हुई यह दौड़ गोविन्दपुर थाना क्षेत्र स्थित आमघाट फॉरेस्ट रिसॉर्ट पर समाप्त हुई। दौड़ में शामिल प्रतिभागियों को टी-शर्ट, मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान धनबाद विधायक राज सिन्हा ने खेल और खिलाड़ियों के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए वनबंधु परिषद से संचालित एकल अभियान के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वनवासी एवं पिछड़े क्षत्रों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए एकल की तरह से धनबाद में 1260 विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में एकल अभियान से देश के चार लाख गांवों को जोड़ने की योजना है।

दर्जनों लोगों ने कांग्रेस छोड़ आजसू का थामा दामन

HAZARIBAGH : चंदौल पंचायत के मोहडर में आजसू पार्टी का मिलन समारोह आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा और संचालन आजसू के वरिष्ठ नेता उमेश दांगी ने किया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रत्याशी रोशन लाल चौधरी उपस्थित थे। इस दौरान दर्जनों लोगों ने कांग्रेस पार्टी को छोड़कर आजसू पार्टी का दामन थामा।

अनियंत्रित ट्रेलर ने दो लोगों को रौंदा, दोनों की हुई मौत

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रात भर रखा सड़क जाम

PHOTON NEWS PAKUR : पाकुड़ के हिरणपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसा में दो लोगों की मौत हो गई। घटना बीते शनिवार देर रात को बिंदाडीह गांव से सटे डांगापाड़ा-महेशपुर मुख्य सड़क में पत्थर (गिट्टी) लोड एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने दो लोगों को रौंद डाला। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पहुंची और छानबीन में जुट गई।

घटनास्थल पर खड़ी ट्रेलर। ● फोटोन न्यूज

कैसे हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, बिंदाडीह गांव के रहने वाले 25 वर्षीय देबू सोरेन और 45 वर्षीय रामेश्वर मरांडी सड़क पार रहे थे। इसी दौरान शहरग्राम की ओर से पत्थर लोड ट्रेलर तेज रफ्तार से हिरणपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और दोनों व्यक्ति को रौंदते हुए एक पक्की नाली में घुस गया। इस सड़क हादसे में दोनों की मौके पर मौत हो गई। जिसके बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने किया सड़क जाम: घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने रातभर सड़क जाम कर दिया। सुबह भी सड़क जाम रही, वे मुआवजे की मांग कर रहे थे। रविवार सुबह घटनास्थल पर बीडीओ दिलीप टुडू सहित स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को आश्वासन देने के बाद सड़क जाम हटाया गया।

ग्रामीणों को दिया गया आश्वासन : वहीं दोनों शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया। इस बाबत बीडीओ दिलीप टुडू ने बताया कि मृतकों के परिजनों को पारिवारिक योजना के लाभ दिया जाएगा। ग्रामीणों को आश्वासन देकर सड़क जाम को मुक्त करा दिया गया है।

नमिता देवी हत्याकांड में चार आरोपी धराए, हथियार बरामद

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू में हुए नमिता देवी हत्याकांड में पुलिस ने चार आरोपियों के गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में भास्कर पांडेय, रितेश कुमार, महताब खान और बबलू कुमार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन हथियार भी बरामद किया गया है। आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा, एक देसी पिस्टल, खोखा और बाइक जब्त किया गया है। मालूम हो कि सात फरवरी को मेदिनीनगर शहर के सदिक चौक के समीप होटल मुकेश भोजनालय में नामिता देवी की गोली मारकर हत्या की गयी थी। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी है।

गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

नमिता देवी हत्याकांड में छह लोगों पर नामजद प्राथमिकी : जानकारी के अनुसार नमिता देवी हत्याकांड में छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मामले में मृतक के पुत्र विक्की पासवान ने प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिसमें शहर थाना क्षेत्र के रितेश कुमार चंद्रवंशी उर्फ मामा, मोंटी पांडेय, महताब खान, सद्दाम कुरैशी, वसीम खान व सूरज चंद्रवंशी उर्फ सूरज वर्मा को आरोपी बनाया गया है। आवेदन के अनुसार, पहले के हुए किसी विवाद में नमिता देवी की गोली मारकर हत्या की गयी है।

पूर्व सुनियोजित थी हत्या : एसडीपीओ

मालूम हो कि बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे सदीक मोड़ के समीप होटल मुकेश भोजनालय में दो अपराधियों ने नमिता देवी की गोली मार कर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये थे। मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि घटना को अंजाम देने में दो अपराधी शामिल थे। उनके पास पिस्तौल थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच में पता चला कि अपराधी होटल में नमिता के पास गये और नजदीक से गोली मार दी। हत्या पूर्व सुनियोजित थी।

रामगढ़ रउता वन क्षेत्र में 11 प्लांट पर लग सकता है ताला, खाली होगी जमीन

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने जंगल की जमीन पर अवैध बंदोबस्ती कायम करने वाले प्लाट मालिकों पर गाज गिरा दी है। अब वन विभाग पूरे एक्शन में आने वाला है। ऐसी उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द ही वन विभाग अपने क्षेत्र में स्थापित उद्योगों को हटाकर अपनी जमीन हासिल कर लेगा।

वन विभाग ने जो रिपोर्ट रामगढ़ डीसी के समक्ष प्रस्तुत किया है, उससे यह स्पष्ट है कि रउता वन क्षेत्र में जमीन को हड़पने के लिए एक बड़ा माफिया वर्ग काम कर रहा था। इसका खुलासा तब हुआ जब तत्कालीन डीएफओ विजय शंकर दुबे ने पूरे मामले की जांच शुरू की थी। उन्हीं के द्वारा 11 प्लांट मालिकों के खिलाफ लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने ही इस बात का पता लगाया था कि सभी 11 प्लांट अवैध जमाबंदी के आधार पर स्थापित किए गए हैं। भूमि

विभागीय नक्शे से हुई थी मापी, लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत दर्ज हुआ था मामला

डीएफओ नीतीश कुमार ने बताया कि रउता वन क्षेत्र की मापी विभागीय नक्शे के आधार पर की गई थी। रउता मौजा के खाता संख्या 29 के कुल 86 प्लॉट कुल रकबा 807.24 एकड़ भूमि खतियान में गैर मजूरवा खास दर्ज है। इसमें 45 प्लॉटों रकबा 758.59 एकड़ किस्म जंगल झाड़ी दर्ज है। इन 45 प्लाटों में 26 प्लॉट का कुल रकबा 575.78 एकड़ है। यह वन विभाग के द्वारा अधिसूचित एवं सीमांकित वन है। इसी को आधार बनाकर तत्कालीन डीएफओ विजय शंकर दुबे ने लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

जमाबंदी पर आया फैसला, अब अतिक्रमण पर आएगा आदेश

डीएफओ नीतीश कुमार ने बताया कि लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत यह मामला तब तक आगे नहीं बढ़ सकता था जब तक उस क्षेत्र में अवैध जमाबंदी के मामले पर जिला प्रशासन का स्पष्ट आदेश जारी न हो जाए। रामगढ़ डीसी ने बेहद ही स्पष्ट आदेश जारी किया है। अब लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत वन विभाग में दर्ज मामले पर आदेश जारी होगा। यहां अवैध तरीके से वन विभाग की जमीन को अतिक्रमण कर कई बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को स्थापित कर दिए गए थे।

देवघर व तालझारी में की छापेमारी, नौ साइबर अपराधी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

PHOTON NEWS DEOGHAR : संताल परगना में पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। देवघर जिले के तीन थाना क्षेत्र और बासुकिनाथ के तालझारी में छापेमारी कर साइबर अपराध के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों को जेल भेज दिया गया है। इनके पास से दो कार, काफी संख्या में मोबाइल, सिमकार्ड, एटीएम कार्ड, पासबुक व नकद बरामद किये गये हैं।

जानकारी के अनुसार, साइबर पुलिस ने गुप्त सूचना पर जसीडीह थानांतर्गत राजाडीह सहित पाथरौल थाना क्षेत्र के गौनेया व पथरडीह ओपी क्षेत्र के समलापुर गांव में छापेमारी कर साइबर ठगी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 14 मोबाइल सहित 19 सिम कार्ड, एक पासबुक, चार एटीएम कार्ड व 10 हजार रुपये नकद बरामद किये गये हैं। साइबर थाने की पुलिस ने खागा थाना क्षेत्र के सोनातर गांव निवासी भीम दास सहित पाथरौल थाना क्षेत्र के गौनेया गांव निवासी उत्तम कुमार दास, पथरडीह ओपी क्षेत्र के समलापुर गांव निवासी समाउन अंसारी व बिहार के जमुई जिले के चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के कांसरायडीह गांव निवासी रंजीत दास को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने इन सभी को जेल भेज दिया। इनके पास से बरामद मोबाइल व सिम कार्ड खंगालने पर पुलिस को पूरे भारत के आठ साइबर अपराध के लिंक मिले हैं।

तालझारी के बहराकुंडा से पांच पकड़े गये

तालझारी के बहराकुंडा के पास छापेमारी कर पुलिस ने साइबर अपराध में संलिप्त पांच लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सरैयाहाट थाना क्षेत्र स्थित चंद्रा गांव के शुभम कुमार यादव (23), विकास कुमार यादव (19), पंकज कुमार यादव (19), आमघटा गांव के चंदन कुमार (25) एवं तालझारी थाना स्थित तरुण गांव के सुनील यादव (19) हैं। इनके पास से 14 स्मार्टफोन, चार डेबिट कार्ड, आठ सिम कार्ड और दो कार बरामद किये गये हैं।

पुलिस के अनुसार, बहराकुंडा गांव के समीप जमा होकर कुछ लोगों द्वारा साइबर अपराध करने की सूचना मिली थी। एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जरमुंडी के दिशा-निर्देश में पुलिस निरीक्षक दयानंद साह के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के लिए टीम ने बहराकुंडा गांव के पास गयी, तभी पुलिस की गाड़ी को देखते हुए कुछ लड़के भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने पांच लोगों को पकड़ लिया। सभी की तलाशी लेने पर उनके पास से 14 स्मार्टफोन, 04 डेबिट कार्ड, 08 सिम कार्ड बिना नंबर की ब्लू रंग की बैलेनो कार एवं सफेद रंग की टाटा पंच कार बरामद किये गये।

एजुकेशन वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में आर्ट क्राफ्ट व साइंस एग्जीबिशन

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : एजुकेशन वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, इलाही नगर, पुंदाग के परिसर में विद्यार्थियों के लिए विज्ञान सह आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में नर्सरी से दसवीं क्लास तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी कल्पना और नई सोच को उजागर करते हुए अलग-अलग विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। विज्ञान से संबंधित चंद्रयान, न्यूक्लियर पावर प्लांट,रेनवाटर हार्वेस्टिंग, इलेक्ट्रॉनिक बोट, सिरवेज ट्रीटमेंट, स्ट्रक्चर ऑफ स्पर्म, वॉटर पॉल्यूशन, इलेक्ट्रिक प्लांट, फूड एडल्टरेशन जैसे मॉडल प्रस्तुत किए। वहीं, साहित्य विधा से ग्राम पंचायत, वर्षा ऋतु की विशेषता, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से संबंधित मॉडल विद्यार्थियों ने पेश किए। क्राफ्ट के माध्यम से बच्चों ने चित्रकारी, फोटो फ्रेम फ्लावर पॉट, वॉल हैंगिंग बनाया। प्राचार्य शम्से ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सृजनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। मुख्य अतिथि सदर अंजुमन इस्लामिया हाजी मुख्तार अहमद, वार्ड पार्षद झिरी लिंडा, शमीम अली, मोहम्मद असलम पूर्व पार्षद, साजिद उमर, सहजाद बबलू, राकेश समाजसेवी मौजुद थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के शिक्षक राजेंद्र कुमार रवानी, सैयद हुसैन, फातिमा शाहीन, कहकशां तब्बुस्सम, शम्श बेलाल समेत कई लोग का योगदान रहा।

मस्जिद ए यासीन में जलसा ए संग बुनियाद का आयोजन

आज के हालात में मुसलमानों को शिक्षा की सख्त जरूरत : हफीजुल

PHOTON NEWS RANCHI : जलसा ए संग बुनियाद मस्जिद ए यासीन, मस्जिद कमेटी व नौजवान ए इस्लाम के द्वारा परवेज कॉलोनी खिजूर टोला, बिशुनपुर और अंजुमन इस्लामिया खिजूर टोला के द्वारा परवेज कॉलोनी में आयोजित किया गया। संग ए बुनियाद में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री हफीजुल हसन अंसारी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान, काजी ए शरियत अनवर कासमी, अब्दुल्लाह अजहर कासमी, मुफ्ती मोहम्मद जाहिद कासमी, शफीक अनवर मुख्य रूप से मौजूद थे।

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

काजी ए शरीयत मुफ्ती अनवर कासमी ने कहा कि यह इजलास नई मस्जिद ए यासीन की तामीर के लिए हुआ है। यहां इस मस्जिद ए यासीन की तामीर में लोगों के मोहब्बत उमड पड़ी है। लोगों ने अपने हैसियत के हिसाब से मस्जिद की तामीर में खुलकर साथ दिया है । पहली ईट 51000 बबलू खान, काजी इमरान ने दूसरी ईट 40000 ,तीसरी ईट नासिर खान ने 3000, इस तरह से चौथी 25000 , पांचवी 15000 में लोगों ने लेकर मस्जिद की तामीर में मदद की। इस मौके पर पूर्व मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि मुसलमान के लिए यह समय इम्तिहान का वक्त है। पहले अपने बच्चे को दीनी तालीम दे। अरबी पढ़े फिर दुनिया की पढ़ाई करे। आयोग के अध्यक्ष हयातुल्लाह खान ने कहा कि मस्जिद की तामीर से आसपास के इलाकों में दीनी समझ आएगी। मस्जिद के साथ यहां शिक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

मस्जिदे यासीन के अध्यक्ष सिराज आलम ने कहा कि इस मस्जिद में आने वाले समय में पढ़ाई, खेलकूद और स्वास्थ्य पर भी काम किया जाएगा। इस मौके पर मस्जिद ए यासीन के अध्यक्ष मास्टर सिराज आलम, सचिव आतिफ हसन, नायब सदर शैख अरमान ,सह सचिव नौशाद आलम, कोषाध्यक्ष नासिर खान और बबलू खान, मस्जिद कमेटी के सदस्य मुख्तार आलम, सुफियान आलम, अब्दुल खालिक, हाफिज सनाउल्लाह, नियाज अहमद, आफताब आलम, साकिब अहमद, परवेज इमाम खान मोतावली, खीजूर टोला अंजुमन इस्लामिया सदर जावेद इकबाल, अंजुमन इस्लामिया खीजूर टोला सचिव मोहम्मद मुमताज समेत मस्जिदे यासीन कमिटी और परवेज कॉलोनी के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आदिवासी समाज को एकजुट और जागरूक होने की जरूरत : विधायक

सभा को संबोधित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LOHARDAGA : कुडू प्रखंड के चीरी पतरा में रविवार को राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, आदिवासी छात्र संघ व आदिवासी सरना समाज के तत्वावधान में एक दिवसीय बैठक सह चिंतन शिविर व वनभोज कार्यक्रम सम्पन्न हो गया।

चिंतन शिविर के मुख्य अतिथि आदिवासी छात्र संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष सह विशुनपुर विधायक चमरा लिंडा तथा विशिष्ट अतिथि राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा व आदिवासी छात्र संघ के प्रदेश स्तरीय नेता थे। चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए विधायक चमरा लिंडा ने कहा कि आदिवासी समाज को एकजुट तथा जागरूक होने की जरूरत है। समाज बिखरा हुआ है। नतीजन समाज को मिलने वाला हक तथा अधिकार नहीं मिल पा रहा है। सभा को कई अन्य ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष शिवराम कच्छप, रांची महानगर सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष संतोष तिर्की, कैरो जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव, कैरो प्रखंड प्रमुख श्रीराम उरांव, कुडू प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी मुखिया, रामेश्वर लोहरा केन्द्रीय सरना समिति लोहरदगा अध्यक्ष रघु उरांव, नागपुरी प्रोफेसर डॉक्टर रामकुमार तिर्की, आदिवासी छात्र संघ लोहरदगा अध्यक्ष अवधेश उरांव, महासचिव फूलचंद उरांव, उपाध्यक्ष विनोद उरांव, जिला राजी पड़हा बेल विजय उरांव सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे।

चेरो राजा मेदिनी राय की याद में आयोजित दो दिवसीय आदिवासी महाकुंभ मेले का आगाज

मेले को राजकीय दर्जा देना सरकार की उपलब्धि : मिथिलेश

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू के चेरो राजा मेदिनी राय की याद में आयोजित दो दिवसीय आदिवासी महाकुंभ मेले का उद्घाटन रविवार को मेदिनीनगर के दुबियाखाड़ में किया गया। मेले का आयोजन पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग एवं राजा मेदिनीराय स्मृति न्यास सह मेला समिति की ओर से किया गया। मेले का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, पलामू के उपायुक्त शशि रंजन, उपविकास आयुक्त रवि आनंद, प्रशिक्षु आईएएस रवि कुमार और मेला समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया। मेले का समापन 12 फरवरी को होगा। मेला परिसर में पलामू जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

मेले में पुस्तक का विमोचन करते पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर व अन्य। ● फोटोन न्यूज

गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि 1991 से यह मेला आयोजित किया जा रहा है। वर्षों से आदिवासी लोग इस मेले के माध्यम से अपनी संस्कृति, सभ्यता की पहचान को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी के प्रयास से यह शुरू किया गया था और झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार की सक्रियता से यह संभव हो पाया है कि यह मेला राजकीय मेले का रूप ले पाया। यह सरकार की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पलामू प्रमंडल के लोगों की भावनाओं को तत्कालीन मुख्यमंत्री ने समझा और आदिवासियों के सपनों को पूरा करने का काम किया। आने वाले वर्षों में राजकीय मेले का परिदृश्य और भी बेहतर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राजा मेदिनी राय की प्रतिमा शिवाजी मैदान में लगाई जाएगी।

मेले को बेहतर करने में सभी का है सहयोग : मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेले की शुरूआत करने वालों ने काफी सराहनीय कार्य किया है। इस मेले को राजकीय मेला का दर्जा देने के कारण आदिवासी समाज आपको हमेशा सम्मान देने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज शुरूआत से ही काफी कष्ट का सामना करते आ रहे हैं। मेले के माध्यम से आदिवासियों को उनका हक, अधिकार देकर उनके सपनों का झारखंड बनाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मेला आयोजन की बेहतर तैयारी के लिए पलामू जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इसकी व्यापक तैयारी में पदाधिकारियों की सराहनीय भूमिका रही है। साथ ही सभी लोगो ने मिलकर इसे बेहतर बनाया है।

पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि अगले वर्ष राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेले का राज्यभर में व्यापक प्रचार- प्रसार किया जाएगा। सुदूरवर्ती गांवों और कस्बों में रह रहे आदिम जनजाति परिवारों तक प्रशासन पहुंचकर योजनाओं का लाभ दे रही है।

पंडित दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही नरेंद्र मोदी सरकार : बाबूलाल

PHOTON NEWS GIRIDIH : भाजपा ने रविवार को पूरे प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में बूथ स्तर पर मनाया। प्रदेश, जिला मंडल, बूथ के पार्टी पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र में दीनदयाल उपाध्याय के चित्र एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की।

दीनदयाल के चित्र पर माल्यार्पण करते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को गिरिडीह जिलांतर्गत राजधनवार में आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल असाधारण प्रतिभा के धनी महामानव थे। उन्होंने विश्व की अनेक विचारधाराओं पूंजीवाद, साम्यवाद, समाजवाद के बीच एकात्म मानववाद का सर्व ग्राह्य दर्शन दिया, जिसने आज विश्व को नई दिशा दी है। दीनदयाल के एकात्म चिंतन में व्यष्टि से समष्टि का चिंतन है। उनके अंत्योदय के चिंतन ने भारत को सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी विकास को सुनिश्चित किया।

देश की नरेन्द्र मोदी सरकार का सबका साथ, सबका विकास अंत्योदय का पर्याय है। मोदी सरकार गांव गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़ों को समर्पित है। विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चाहे जनधन हो, शौचालय निर्माण हो, पेंशन योजना हो, प्रधानमंत्री आवास हो, आयुष्मान कार्ड हो, गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, किसान सम्मान निधि हो, सभी अंत्योदय आधारित हैं।

BRIEF NEWS

आदिवासियों ने कब्जा की गई धार्मिक जमीन की बाउंड्री तोड़ी

RANCHI : पुरानी रांची के सरना स्थल के सामने स्थित 2 एकड़ 90 डिसमिल जमीन की बाउंड्री को आदिवासी समुदाय के लोगों ने तोड़ दी। बाउंड्री वॉल तोड़ने के बाद वहां सरना झंडा गाड़ दिया। उनका आरोप है कि यह आदिवासियों की धार्मिक जमीन है। लेकिन नियमों को ताक पर रखकर जमीन के धंधेबाज इस पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। वे दिन-रात काम लगाकर जमीन पर बाउंड्री करवा रहे हैं। बाउंड्री करने से पहले ही उनको बताया गया था कि यह आदिवासियों की धार्मिक जमीन है। लेकिन वो नहीं समझे। इसकी शिकायत पुलिस-प्रशासन से भी की गयी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इस संबंध में गीताश्री उरांव ने कहा कि इस जमीन को बचाने के लिए आदिवासी 2015 से संघर्ष कर रहे हैं। जमीन के धंधेबाज इस जमीन पर कब्जा जमाने के लिए 9 साल से लीपा-पोती का खेल खेल रहे हैं। सामाजिक कार्यकताओं ने कई बार बैठक की। इसके बाद भी समस्या का हल नहीं निकला। जब लोगों का सब्र टूटा तो रविवार को हजारों आदिवासियों ने अवैध रूप से कब्जा की गयी धार्मिक जमीन के बाउंड्री को तोड़ दिया और उस सरना झंडा गाड़ दिया।

महावीर मंडल की बैठक आज

RANCHI : रांची के निवारणपुर स्थित श्री श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष सुशील दुबे ने कहा कि जिले के सभी अखाड़ाधारी महावीर मंडल और सभी राम भक्तों की 12 फरवरी को बैठक बुलाई गई है। बैठक में रांची के सांसद संजय सेठ विधायक सीपी सिंह और नवीन जायसवाल उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार रामनवमी मेला स्थल के सौंदर्यीकरण के नाम पर रामनवमी मेला स्थल को खत्म कर पार्क बनावा रही है। सैकड़ों वर्षों से चली आ रही रामनवमी मेला को खत्म करने की गहरी साजिश रची जा रही है। इसी उद्देश्य को लेकर वस्तुस्थिति से अवगत कराने और विचार-विमर्श करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है।

कुलपति से मुलाकात करेंगे जनजाति सुरक्षा संघ के सदस्य

RANCHI : जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक आरोग्य भवन बरियातू रोड में जिला संयोजक जगन्नाथ भगत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बताया गया कि डा. हरि उरांव द्वारा लिखित चईजका कथा डंडी पुथी (कविता संग्रह) नामक पुस्तक रांची युनिवर्सिटी में स्नातकोत्तर में पढ़ाई हो रही है। जिसे लेकर कुछ भ्रांतियां हैं और मंच के सदस्य इस विषय को लेकर आरयू के कुलपति डा. अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर इस संबंध में चर्चा करेंगे। बैठक में जगन्नाथ भगत, सोमा उरांव, शंकर बाइक, दुर्गा उरांव, मनोज भगत, अंजली लकड़ा, सनी उरांव, मेघा उरांव, अजय कुमार भोक्ता, राजू उरांव समेत अन्य उपस्थित रहे।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

राजभवन की बगिया का दर्शन करने पहुंचे 104722 लोग

RANCHI : राजभवन उद्यान इन दिनों आम लोगों के लिए खुला है। उद्यान में फूलों का दीदार करने छठे दिन रविवार को 104722 लोग पहुंचे। इस दौरान लोगों फूलों और झरने के साथ सेल्फी ली। उद्यान परिसर में बच्चों ने चिल्ड्रेन पार्क में बने झूले का आनंद लिया। साथ ही म्यूजिकल फाउंटेन का भी लुत्फ उठाया। इस दौरान राजभवन के अंदर प्रवेश करने के लिए लंबी लाइन लगी रही। सभी को जांच करने के बाद अंदर जाने दिया गया। हवाई जहाज और लड़ाकू विमान के साथ युवा और बच्चे ग्रुप फोटो भी खिंचवा रहे थे।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, सामान जलकर खाख

PHOTON NEWS RANCHI : राहे प्रखंड क्षेत्र के चैनपुर गांव में रविवार सुबह छह बजे शार्ट सर्किट से एक खपरैल के मकान में आग लग गयी। इस अगलगी में रामेश्वर महतो के घर में सारे सामान जलकर राख हो गये। घटना के संबंध में राशेश्वर महतो ने बताया कि सुबह 6 बजे आग की लपटें उठती देखी। जब तक कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरे घर में फैल गया था। बताया कि सूचना पाकर बुंडू से दमकल गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पूरा घर और उसमें रखे सामान जलकर राख हो गये थे। राशेश्वर महतो ने इस आगलगी में 5 लाख के नुकसान की आशंका जतायी है।

12 जिलों में गर्जन और वज्रपात का ALERT

13-14 को कहीं-कहीं हो सकती हल्की बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : भले ही राजधानी रांची में आंशिक बादल छाया रहा लेकिन दोपहर में तापमान में कुछ खास कमी दर्ज नहीं की गई। वहीं शाम ढ़लते ही ठंड का असर महसूस किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूवार्नुमान की माने तो 12 फरवरी को राज्य के उत्तरी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, साहिबगंज और निकटवर्ती मध्य हिस्से यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी में कहीं कहीं मेघगर्जन और वज्रपात होने की संभावना है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 13 और 14 फरवरी को राज्य में कहीं कहीं मेघगर्जन और वज्रपात होने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि इन हिस्सों में 14 फरवरी तक कहीं कहीं हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। जबकि 16 और 17 फरवरी से आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कहा कि रांची व आसपास के जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक वर्षा होने के संकेत हैं।

13 और 14 को इन जिलों में होगी बारिश

13 फरवरी को उत्तर पश्चिम पलामू, गढ़वा, लातेहार, दक्षिण में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां के अलावा मध्य में रांची, बोकारो, गुमला समेत अन्य जगहों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। वहीं 14 फरवरी को राज्य के उत्तर यानी देवघर, दुमका व संथाल परगना, दक्षिण व मध्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान रांची का अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री और न्यूनतम 12 से 14 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

सबसे कम देवघर का रहा तापमान

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस देवघर का रिकार्ड किया गया। राजधानी रांची की बात करें तो अधिकतम 26.2 डिग्री जबकि न्यूनतम 11.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रांची में तैनात 14 पुलिस पदाधिकारियों की हुई ट्रांसफर-पोस्टिंग, अरगोड़ा थानेदार बने आनंद

रमाकांत ओझा सुखदेव नगर व रामकुमार वर्मा को बनाया गया कांके का थाना प्रभारी,

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने जिले के 14 इंस्पेक्टरों का तबादला किया है। रामकुमार वर्मा को कांके का थाना प्रभारी बनाया गया है। जबकि आनंद कुमार मिश्रा को अरगोड़ा थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार विजय कुमार सिंह को खलारी थाना प्रभारी, ब्रह्मदेव प्रसाद को नामकुम थाना प्रभारी, राजेश कुमार सिंह को धुर्वा थाना प्रभारी, रमाकांत ओझा को सुखदेव नगर थाना प्रभारी, मनोज कुमार को टाटीसिल्वे थाना प्रभारी, उत्तम कुमार उपाध्याय को डेली मार्केट थाना प्रभारी, शशि भूषण चौधरी को रातू थाना प्रभारी, हरिदेव प्रसाद को जगन्नाथपुर थाना का प्रभारी, उमाशंकर को चुटिया थाना प्रभारी, तुलेश्वर प्रसाद कुशवाहा को जगन्नाथपुर यातायात थाना प्रभारी, रवि कुमार सिंह को गोंदा यातायात थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा पास्कल टोप्पो को तमाड़ अंचल भेजा गया है। इस संबंध में रविवार को एसएसपी ने आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि अलग-अलग थानों के प्रभारी बनाए जाने वाले सभी पुलिस इंस्पेक्टर के पद पर थे और वर्तमान में रांची पुलिस केंद्र में पदस्थापित थे। इस ट्रांसफर पोस्टिंग के बाद 14 थानों कांके, अरगोड़ा, खेलारी, नामकुम, धुर्वा, सुखदेवनगर, टाटीसिल्ले, डेलीमार्केट, रातु, जगरनाथपुर, चुटिया, जगरनाथपुर (यातायात), गोंदा और तमाड़ अंचल को नए थानेदार मिल जाएंगे।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा।

पत्रकार अजय सिंह की रहस्यमयी मौत की जांच की मांग

RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने लातेहार पुलिस से मांग की है कि वह पत्रकार अजय सिंह की मौत की घटना का खुलासा करें। कहा कि यह हत्या थी या एक्सीडेंट? यह बात साफ होने से संशय के बादल हट जायेंगे। प्रतुल ने कहा कि जब तक इस घटना से पर्दा नहीं हटेगा, तब तक अफवाहों का बाजार गर्म रहेगा, जो उचित नहीं है। उन्होंने लातेहार के पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि वह जल्द मामले की गहराई तक छानबीन करें और पूरी घटना को जनता के सामने स्पष्ट करें।

कोल इंडिया मैराथन 2024 : महिला वर्ग में सोनिका व पुरुष में अक्षय ने मारी बाजी

PHOTON NEWS RANCHI : कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में रविवार को रांची में कोल इंडिया मैराथन का आयोजन किया गया। मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम से मैराथन दौड़ सुबह 4:30 बजे शुरू हुई। कांके रोड होते हुए यह पुनः मोरहाबादी में आकर संपन्न हुई। फुल मैराथन (42 किमी) में पहले तीन स्थान पर अक्षय कुमार, हेमंत कुमार और अजय कुमार रहे। महिला वर्ग में सोनिया, रिणु और भारती पहले तीन स्थानों पर रही। इसके अलावा हाफ मैराथन (21 किमी) में पुनीत यादव, हेमंत सिंह और लोकेश चौधरी टॉपर तीन स्थानों पर आए। महिला वर्ग से पहला स्थान रेणु सिंह, दूसरा रेशमा और तीसरा छवि यादव को मिला। 10 किमी की रेस में महिला वर्ग में पहले तीन स्थानों पर रुबी कश्यप, पूनम और प्रिणू यादव रहीं।

लाइफ सेविंग टेक्निक का प्रशिक्षण दिलाएगी सरकार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार वाटर स्पोर्ट्स और लाइफ सेविंग टेक्निक का प्रशिक्षण दिलाएगी। पर्यटन निदेशालय ने इसकी तैयारी भी कर ली है। चयनितों को निःशुल्क आवासीय ट्रेनिंग मार्च 2024 के पहले सप्ताह में दी जायेगी। इसके जरिये उन्हें भी लाभ होगा, जिनका बोट संचालन का लाइसेंस का डेट ओवर हो चुका है। जिलों में जिला खेल पदाधिकारियों के माध्यम से ऐसे योग्य कैंडिडेट की तलाश की जा रही है, जिनकी उम्र 18-50 वर्ष की है। ऐसे स्थानीय नाविक या वर्तमान में बिना लाइसेंस के नौका चला रहे नाविकों को भी खोजा जा रहा है, जिन्हें लाइफ सेविंग टेक्निक (वाटर स्पोर्ट्स ऑपरेटर्स के लिए), वाटर स्पोर्ट्स और पावर बोट हैंडलिंग-टिलर से संबंधित जानकारी दी जाये। खेलगांव सहित कांके (रांची) तथा पतरातू डैम (रामगढ़) में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स, पणजी (गोवा) की मदद से जरूरी ट्रेनिंग दी जायेगी। वाटर स्पोर्ट्स, लाइफ सेविंग टेक्निक के लिए रुचि रखने वाले जिले के जिला खेल और पर्यटन पदाधिकारी के पास संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं।

जयपाल सिंह मुंडा व कांशीराम को भी पीएम दें भारत रत्न : विजय शंकर

PHOTON NEWS RANCHI : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव झारखंड छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एवं कांशीराम को भी भारत रत्न देने की मांग की है। श्री नायक ने कहा कि 03 जनवरी 1903 को जन्मे मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा भारतीय आदिवासियों और झारखंड आंदोलन के एक सर्वोच्च नेता थे। साथ ही साथ एक जाने माने राजनीतिक ,पत्रकार, लेखक, संपादक शिक्षाविद और 1925 में ऑक्सफोर्ड ब्लू का खिताब पाने वाले हॉकी के एकमात्र पहले भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। उनकी कप्तानी में 1928 के ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। श्री जयपाल सिंह मुंडा औपनिवेशिक भारत में सर्वोच्च सरकारी पद पर थे। श्री नायक ने अपने भेजे गये पत्र में आगे कहा कि इसी तरह कांशीराम एक भारतीय राजनीतिक और सच्चे समाज सुधारक थे। जिनका जन्म पंजाब में 15 मार्च 1934 को हुआ था। वह पुणे में विस्फोटक अनुसंधान कार्यालय में कार्यरत थे। वे जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए 1964 में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दर्शन से प्रभावित होकर वह एक दलित कार्यकर्ता बनकर कार्य करने लगे और 1971 में अखिल भारतीय एससी-एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यक कर्मचारी संघ की स्थापना की जो बाद में चलकर बामसेफ बना। इसके बाद कांशीराम ने 1981 में एक और सामाजिक संगठन बनाया, जिसे दलित शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएसएसएस) या बीएस4 के नाम से जाना जाता है।

कांग्रेस चुनाव समिति की पहली बैठक आज, प्रभारी भी रहेंगे मौजूद

PHOTON NEWS RANCHI : नवगठित झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की पहली बैठक 12 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई है। रविवार को प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर करेंगे। सोनाल शांति ने बताया कि बैठक के बाद चुनाव समिति के सदस्य विभिन्न लोकसभा के इच्छुक प्रत्याशियों से भी मुलाकात करेंगे। चुनाव समिति में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर,विधायक दल नेता आलमगीर आलम, डॉ. अजय कुमार,डॉ. रामेश्वर उरांव ,सुबोध कांत सहाय, प्रदीप बालमुचू, सुखदेव भगत, गीता कोड़ा, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, फुरकान अंसारी, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख,श्री प्रदीप यादव, प्रणव झा, दीपिका पांडे सिंह, काली चरण मुंडा, केशव महतो कमलेश, बृजेंद्र सिंह, रमा खलको, अशोक चौधरी, भीम कुमार, सुल्तान अहमद, बिमला कुमारी, मणि शंकर, निरंजन पासवान, अमूल्य नीरज खलको,सतीश रजक प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज, गुंजन सिंह,आमिर हाशमी, नेली नाथन शामिल है। शांति ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया जाएगा तथा लोकसभा चुनाव में पार्टी के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एक पूरी रूपरेखा तय की जाएगी।

हेमंत से मिलने कल्पना सोरेन पहुंचीं ईडी ऑफिस

करीब आधे घंटे तक हुई दोनों की मुलाकात

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ईडी कार्यालय पहुंचीं। जहां दोनों की एक दूसरे से मुलाकात हुई। हेमंत सोरेन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और ईडी उन्हें रिमांड पर लेकर रांची जमीन घोटाला मामले में पूछताछ कर रही है। कल्पना सोरेन रविवार सुबह अपने पति से मिलने ईडी दफ्तर पहुंचीं। कल्पना करीब आधे घंटे तक ईडी दफ्तर में रहीं। जहां उन्होंने अपने पति हेमंत सोरेन का हालचाल लिया। हालांकि, ईडी दफ्तर से बाहर आने के बाद कल्पना ने किसी से बात नहीं की, वह सीधे अपनी गाड़ी से वापस लौट गईं। इससे पहले कल्पना सोरेन ने अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर एजेंसी के दफ्तर में हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। गौरतलब है कि 31 जनवरी को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रांची जमीन घोटाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विशेष ईडी कोर्ट में पेश किया गया। जिसके बाद पहली बार कोर्ट ने हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए ईडी को 5 दिनों की रिमांड तय की थी। 5 दिनों की पूछताछ के बाद ईडी ने हेमंत सोरेन को कोर्ट में पेश किया था।

मोरहाबादी में जुटेगी हजारों महिलाएं, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

RANCHI : मोरहाबादी मैदान में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा झारखंड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के एक्सपोजर व क्षमता संवर्द्धन तथा समूह की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का एक्सपोजर व क्षमता संवर्द्धन शिविर सह महिला महासम्मेलन का आयोजन होगा। यह राज्य स्तर और सभी प्रमंडल स्तर पर किया जाना है। कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से महिला समूह संभावित 30 से 35 हजार ही संख्या में बस से आकर मोरहाबादी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसे देखते हुए राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शहर में सुबह आठ बजे से लेकर रात आठ बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगा।

विभिन्न रूपों को अंतिम रूप देने में जोर-शोर से जुटे हुए हैं मूर्तिकार

शिल्पकारों ने तैयार की मां सरस्वती की आकर्षक मूर्तियां

PHOTON NEWS RANCHI : सरस्वती पूजा को लेकर शहर में तैयारी आखिरी चरण में है। पूजा को लेकर मूर्तिकार मां सरस्वती के विभिन्न रूपों को अंतिम रूप देने में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। कोलकाता से आए कारीगर और मूर्तिकारों ने बताया कि मूर्ति बनाने के लिए वह पिछले दो महीने से शहर में डेरा डाले हुए हैं और दिन-रात एक कर मूर्तियों को तैयार करने में लगे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांती इस वर्ष भी मूर्तियों की मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद थी, लेकिन इस बार परिस्थिति विपरित है। मांग में वृद्धि की बजाय कमी आयी है। मूर्ति निर्माण में आई कठिनाइयों के बारे में कलाकारों ने अपनी व्यथा साझा की। उन्होंने बताया कि महंगाई की वजह से इस बार निर्माण में 25 प्रतिशत की आधिक लागत आई है। मां सरस्वती के श्रृंगार सामग्री जैसे साड़ी, कपड़ा, मुकुट और आभूणण का खर्च पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़ गया है। वहीं मिट्टी ढुलाई की लागत भी पहले की तुलना में अधिक बढ़ गयी है।

आकर्षक व दिव्य मूर्तियां बनकर तैयार

कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब में मां सरस्वती की कुल 150 मनमोहक और दिव्य मूर्तियां बनकर तैयार हैं। चार मूर्तिकारों ने 60 दिनों से दिन-रात एक कर सभी मूर्तियां तैयार की है। कोलकाता के मूर्तिकार धनेश्वर पाल ने बताया कि 3 फीट से लेकर 9 फीट तक मां सरस्वती की कई आकर्षक मूर्तियां तैयार की गई है। अब तक 80 मूर्तियां बिक चुकी हैं। उम्मीद है बाकी मूर्तियां भी आने वाले दिनों में बिक जाएंगी। वहीं भारत माता चौक के समीप मूर्ति बना रहे कोलकाता के आनंद बाजार से आए कलाकार मनोज पाल ने भी कुछ ऐसी ही दास्तां बयां की। उन्होंने बताया कि बनाए गए कुल 70 मूर्तियों में से केवल 35 मूर्ति ही बिकी है। वहीं मूर्तियों के मूल्यों की बात करें तो बाजार में ढाई हजार से लेकर 16000 तक की मूर्ति उपलब्ध है।

शिल्पकारों को सरकार से मदद की उम्मीद : मूर्तिकार राजा राम ने बताया कि सरकार अगर शिल्पकारों को मूर्ति बनाने के लिए जगह मुहैया कराने के साथ आर्थिक सहायता और प्रोत्साहन राशि जैसी मदद करे तो हम अपने साथ दो-चार और लोगों को जोड़ेंगे। इससे लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही, इससे हमारा काम-काज बढ़ेगा और इस शिल्प कला को बढ़ावा मिलेगा।

BRIEF NEWS

दो सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत, दो घायल

ROURKELA : राउरकेला के पास चंडीपोष थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 143 पर दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में 2 महिलाओं की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर हैं। एक घटना में ट्रक से कुचलकर एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घटना में राउरकेला आ रही एक कार को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को राउरकेला भेज दिया गया है।

बस पलटने से 25 यात्री घायल

ROURKELA : राउरकेला। राउरकेला के ब्राह्मणी तरंग थाना अंतर्गत कलूंगा साप्ताहिक बाजार चौक के पास राउरकेला-गुरुंडिया 'बिटु' बस पलटने से 25 लोग घायल हो गए। बस एक कार से टकराने के बाद पलट गई। रविवार दोपहर कलुंगा बजार चौक के पास एक कार से टकराने के बाद राउरकेला-गुरुंडिया 'बिट्टू' बस पलट गई, जिससे 25 यात्री घायल हो गए। गंभीर हालत में घायल यात्रियों को राउरकेला सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

हॉकी प्रो लीग आज से पांच देशों की महिला हॉकी टीम पहुंची शहर

ROURKELA : हॉकी प्रो लीग सोमवार से राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में शुरू होगा। इसे लेकर शहर के खेल प्रेमी काफी उत्साहित हैं, क्योंकि आज 5 देशों की महिला हॉकी टीमें शहर में पहुंची हैं। भारत, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, चीन की टीमें झारसुगुड़ा पहुंचने के बाद बस से राउरकेला पहुंचीं। राज्य सड़क निगम की 5 बसों से मे फेयर खेल गांव पहुंचने पर खिलाड़ियों का फूलों और बिगुलों से स्वागत किया गया। खिलाड़ियों ने आज से बिरसा मुंडा स्टेडियम में अपना अभ्यास शुरू कर दिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

ROURKELA : जिले के ब्राह्मणी तरंग थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के साथ मोहल्ले के ही 25 वर्षीय युवक विकास बारला ने दुष्कर्म कर हत्या कर दी। नाबालिग लड़की की हत्या करने के बाद विकास ने लड़की को फांसी पर लटकाकर घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। लड़की के माता-पिता के शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी विकास को बलात्कार के बाद लड़की की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

पति ने पीट-पीटकर की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

ROURKELA : राउरकेला। राउरकेला सरकारी अस्पताल की स्टाफ नर्स ममता बेहरा को टांगरपाली पुलिस सीमा के तहत आईडीएल कॉलोनी के उनके पति शशि भूषण पलाई ने पीट-पीटकर मार डाला। ममता को गंभीर हालत में शुक्रवार को आरजीएच में भर्ती कराया गया था और शनिवार शाम को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आरोपी पति शशि भूषण जो कि आरजीएच में लैब टेक्नीशियन है। पुलिस ने शशि भूषण को गिरफ्तार कर लिया है। टांगरपाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दलमा में मिले पुराने दुर्लभ व औषधीय पेड़-पौधे

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के दलमा वन क्षेत्र में मिले पुराने, दुर्लभ व औषधीय पेड़-पौधों को संरक्षित किया जायेगा। ऐसे पेड़-पौधों को संरक्षित करने के लिए उसकी पहचान के साथ-साथ उनके नाम का टैग भी लगाया जायेगा, ताकि पर्यटकों को इसकी पहचान हो सके। पिछले दिनों कराये गये सर्वे में यह बातें सामने आयी थी कि दलमा में कई ऐसे पेड़-पौधे हैं, जो दुर्लभ हैं और ये देश के दूसरे हिस्से में नहीं मिलते हैं।

दलमा में मिले ये दुर्लभ प्लांट

अरब, फीलीपिंस और दक्षिण पूर्व एशिया में पाये जाने वाली हेमिग्राफिस यहां मिला है। वहीं, चीन, अफगानिस्तान और भूटान जैसे देशों में पाये जाने वाले डिक्लिप्टेरिसिया प्लांट भी यहां मिले हैं। ये प्लांट हिमालय क्षेत्र में पाये जाते हैं। बन कपास (थेसपेसिया लैंपस), राक्स्बयूरघियाना बवहिया समेत अन्य प्लांट भी यहां पाये गये हैं।

औषधीय गुण वाले पौधे भी हैं

करीब 194 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैले दलमा वन क्षेत्र में कई तरह के औषधीय पौधे पाये गये हैं। इनमें कालमेघ, गुलर, अर्जुन, इमली, पीपल, काला शीशम, बीजाशाल, बरगद, आंवला, चिरयता, हर्रे, बहेरा जैसे कई औषधीय गुण वाले पौधे हैं। काला शीशम के कई पेड़ हैं, जिसे भारत सरकार ने इंडिया फॉरेस्ट एक्ट 1972 के तहत संरक्षित घोषित किया है और इसका व्यापार गैर कानूनी है।

पेड़-पौधों को संरक्षण के लिए दी जाएगी ट्रेनिंग

दलमा डीएफओ डॉ अभिषेक कुमार ने कहा कि दलमा वन क्षेत्र में कई ऐसे पुराने और बहुमूल्य व औषधीय पेड़-पौधे मिले हैं। सर्वे में इनसे संबंधित जानकारी मिली है। इसके लिए लोगों को ट्रेनिंग दिलायी जायेगी कि किस तरह से ऐसे पेड़-पौधों को संरक्षित किया जा सकता है।

जमशेदपुर : नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 49 विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र से पहली बार जिला पुलिस मुख्यालय पहुंचे स्कूली बच्चों ने जिला कार्यालय सहित अन्य कई जगहों को देखा। शैक्षणिक भ्रमण पर पहली बार जिला पुलिस मुख्यालय पहुंचे स्कूली बच्चों में उत्साह था। इस दौरान बच्चों को पुलिस की कार्यशैली के बारे में भी बताया गया वहीं जमशेदपुर के जुबली पार्क, चिड़ियाघर और अन्य स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। बच्चों को शहर बहुत ही पसंद आया और उन्होंने भविष्य में आने की इच्छा जाहिर की। पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांदा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित ग्राम नक्सल प्रभावित क्षेत्र कुड़ियान के उत्क्रमित मध्य

विद्यालय के 49 छात्र-छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण पर जिला मुख्यालय पहुंचे।

आंठवी कक्षा की मुनी मुंडा और उसके पिता रतन मुंडा पहली बार शहर आए है। वहीं आंठवीं की छात्रा मालती मुंडा ने बताया कि वे सभी पहली बार जमशेदपुर आए हैं और यहां आकर उन्हें अच्छा लग रहा है। यहां आकर उन्होंने जिला पुलिस कार्यालय, जिला समाहरणालय और चिड़ियाघर देखा। छात्रों ने बताया कि उन्हें कभी जिला मुख्यालय आने का अवसर नहीं मिला था लेकिन शैक्षणिक भ्रमण के तहत वे अपने शिक्षकों के साथ आए हैं और यहां आकर कई नई बातें और चीजे जानने को मिली। इस दौरान बच्चों के बीच खेल-कूद सामग्री भी वितरित की गई।

मौके पर एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि पूर्व में जिला पुलिस की ओर से कुड़ियान में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत एक कार्यक्रम किया गया था जहां बच्चों ने शहर आने की इच्छा जाहिर की थी। इसी को लेकर आज सभी बच्चों को शहर भ्रमण के लिए लाया गया है जहां बच्चों को कई तरह की जानकारियां दी जा रही है।

अग्निशमन विभाग की ओर से किया गया मॉक ड्रिल

कर्मियों ने आग लगने पर बाहर निकलने और लोगों की जान बचाने की सीखे गुर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के मानगो डिमना रोड स्थित सिटी स्टाइल में रविवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब लोगों ने दमकल को देखा। हालांकि उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यहां कोई आग नहीं लगी है बल्कि अग्निशमन विभाग की ओर से मॉक ड्रिल की जा रही है। मॉक ड्रिल लगभग आधे घंटे तक चली। इस मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग के ब्रज प्रकाश ने मॉल कर्मियों को बताया कि आग लगने की स्थिति में सबसे पहले क्या करना चाहिए और कैसे खुद को बचाते हुए लोगों की जान भी बचानी चाहिए। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूरत में कैसे एग्जिट प्वाइंच से बाहर

मॉक ड्रिल में शामिल कर्मी। ● फोटोन न्यूज

निकले। वहीं मॉल के बाहर आग लगाकर कर्मियों को अग्निशामक यंत्र के उपयोग के बारे में भी बताया गया।

मौके पर मौजूद स्टोर मैनेजक सुभाष सिंह ने बताया कि अग्निशामक विभाग को ओर से मॉक ड्रिल का आग बुझाने के बारे में जानकारी दी गई जो की भविष्य में उपयोगी साबित हो सकती है। कर्मियों ने आग बुझाने के कई तरिके भी सीखे जिससे की आग लगने के समय वो खुद की और लोगों की भी जान बचा सके। मौके पर विभाग की ओर से ब्रज किशोर, दिलीप साहू, अजय कुमार और दिलीप कुमार यादव मौजूद थे।

वाहन चोर गिरोह के मुख्य सरगना समेत पांच गिरफ्तार

एक मास्टर चाबी सहित चोरी के 19 वाहन बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के साकची पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया किया है वहीं 19 चोरी के वाहन को भी भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सरगना बमार्माइंस राजीव भगत उर्फ आडू, राजन दास, टेल्को महानंद बस्ती निवासी रोनित दीप उर्फ पोलियो, विशाल दास और शंभू पासवान शामिल है। आरोपियों के पास से पुलिस ने

बरामद बाइक के साथ पुलिस अधिकारी व कर्मी। ● फोटोन न्यूज

एक मास्टर चाबी भी बरामद की है जिसे चोरी करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

जानकारी देते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि बीते दिनों साकची से एक स्कूटी की चोरी कर ली गई थी जिसे गाड़ाबासा के पास से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से राजीव को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने अन्य लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जानकारी मिली कि बाइक चोरी करने के बाद सभी विशाल, रोनित और शंभू के पास तीन से पांच हजार में गिरवी रख देते थे। इसी बीच विशाल, रोनित और शंभू चोरी के वाहन को ज्यादा दामों में बेचकर रुपए को आपस में बांट लेते थे। अब तक 30 से 40 बाइक को बेच दिया गया है।

एलआईजी हाउसिंग कॉलोनी में सिवरेज ड्रेनेज जीणोर्धार कार्य का हुआ शिलान्यास

शिलान्यास करते जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जिला परिषद निधि से गोविंदपुर स्थित एलआईजी हाउसिंग कॉलोनी में रविवार को सीवरेज ड्रेनेज के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास हुआ। स्थानीय जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह ने विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर डॉ परितोष ने कहा कि हाउसिंग कॉलोनी की स्थापना 50 वर्ष पूर्व हुई थी। एलआईजी के 40 ड्रेनेज पीट जर्जर अवस्था में थे।

उन्होंने कहा कि इन पीटो का जीर्णोद्धार कर ड्रेनेज लाइन बनाने के कार्य का शिलान्यास संपन्न हुआ। यहां के लोगों की यह वर्षों पुरानी मांग थी। गंदगी के चलते बीमारियों का भय बना रहता था, जिसे आज पूरा किया गया है। इस अवसर पर मुखिया गिरिबाला लोहरा, पंचायत समिति सदस्य सतबीर सिंह बग्गा, जिम्मी भास्कर, शशि भूषण सिंह, वार्ड सदस्य रीता सिंह, सुमन सिंह, बबलू सिंह, दिनेश सिंह, प्रशांत चौधरी, विजय कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

टाटा वर्कर्स यूनियन में चुनाव के बाद पदाधिकारियों में तनातनी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा वर्कर्स यूनियन का चुनाव संपन्न हो चुका है, लेकिन नए चुने गये पदाधिकारियों में फिलहाल तनातनी चल रही है। इसकी वजह चुनाव के रिजल्ट में हुई उलटफेर बतायी जा रही है। दरअसल, इस बार टीम टुन्नू में पदाधिकारी के तीन प्रत्याशी चुनाव हार गये। कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार हरिशंकर सिंह कमेटी मेंबर का ही चुनाव हार गये। इसके बाद टीम टुन्नू ने कोषाध्यक्ष के पद पर पूर्व चुनाव पदाधिकारी संतोष सिंह को प्रत्याशी बनाया, लेकिन वह भी चुनाव हार गये। इस तरह आमोद दुबे कोषाध्यक्ष चुने गये। इसी तरह निरंजन कुमार को उपाध्यक्ष के खाली पद पर टीम टुन्नू ने प्रत्याशी

टाटा वर्कर्स यूनियन कार्यालय। ● फोटोन न्यूज

बनाया था, लेकिन वे भी चुनाव हार गये। इसी तरह सहायक सचिव के पद पर सरोज सिंह को हार का मुंह देखने पड़ा था।

महामंत्री पद पर सतीश सिंह किसी तरह चुनाव जीत पाये थे। डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह भी मुश्किल से जीत पाये। वहीं अध्यक्ष पद पर संजीव चौधरी टुन्नू निर्विरोध रहे। अब आपसी जोड़-घटाव से यह मामला सामने आ रहा है कि क्रॉस वोटिंग की गयी। इसकी वजह से महामंत्री सतीश सिंह को कम वोट पड़े। चुनाव बाद आकलन से उपजी तनतनी की वजह से अभी टीम पूरी तरह से लय में नहीं आ पायी है।

कदमा में मंदिर का ताला तोड़ दान पेटी की चोरी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत भाटिया बस्ती काली मंदिर के दान पेटी चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। चोरों ने मंदिर के मुख्य गेट में लगा ताला तोड़ा और परिसर में रखे दान पेटी की चोरी कर ली। दान पेटी घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर स्थित वर्कर्स फ्लैट परिसर में मिली। मंदिर के पुजारी बबलू पंडित को घटना की जानकारी तब हुई जब वे रविवार सुबह मंदिर पहुंचे। उन्होंने पाया कि मंदिर के दरवाजे में लगा ताला टूटा हुआ है और मंदिर में रखा दानपेटी गायब है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाते ही कदमा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को क्षेत्र में पेट्रोलिंग नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में नशेड़ियों की संख्या बढती जा रही है जिससे इस तरह की घटनाएं भी बढ गई है।

दान पेटी में 90 हजार होने का अनुमान : मामले को लेकर मंदिर के पुजारी बबलू पंडित ने बताया कि वे सुबह मंदिर खोलने पहुंचे थे तभी इस घटना की जानकारी हुई। बबलू पंडित ने बताया कि दानपेटी को एक साल से नहीं खोला गया था। दान पेटी में 90 हजार रुपये होने का अनुमान है। इधर, शिकायत मिलते हुए कदमा पुलिस हरकत में आई और आस-पास लगे सीसीटीवी फूटेज की जांच की।

चार सूत्री मांगों को लेकर पशु चिकित्सकों का आंदोलन जारी, जानवरों का इलाज प्रभावित

PHOTON NEWS ROURKELA : राज्य में पिछले 25 दिनों से पशु चिकित्सकों का आंदोलन जारी है। इससे पशु-पक्षियों का जीवन खतरें में है। पशुचिकित्सक 4 सूत्री मांगों को लेकर 25 दिनों से धरना दे रहे हैं। सभी पशु चिकित्सालयों में ताले लटके हुए हैं। जहां राज्य के सभी पशु चिकित्सक आंदोलन में हैं, वहीं इसका असर सुंदरगढ़ जिले पर भी पड़ा है।

धरने पर बैठे पशु चिकित्सक। ● फोटोन न्यूज

आंदोलन का असर पानपोसा उपजिला के नुआगांव, बिश्रा, कुआरमुंडा, लाठीकटा आदि ब्लॉकों में व्यापक रूप से देखा जा रहा है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से खेती योग्य है। इसलिए किसान गायें और मवेशी पालते हैं। लेकिन पशु चिकित्सकों के आंदोलन के कारण इनका इलाज सरकारी पशु अस्पतालों में नहीं हो पा रहा है। परिणामस्वरूप, घर पर अभ्यास करने वाले पशुचिकित्सकों पर अधिक दबाव है। पशु चिकित्सकों ने मांग की है कि सरकार पशु चिकित्सकों की मांगों पर विचार कर जल्द इस पर कार्रवाई करे।

निगम क्षेत्र में फूट सेफ्टी का हुआ निरीक्षण

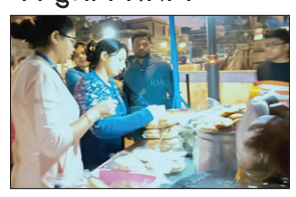

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम के खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सिविल टाउनशिप और पानपोष क्षेत्र में विभिन्न खाद्य इकाइयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिसमें खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) को स्वच्छता और एफईएफओ रखरखाव के संबंध में सख्त निर्देश दिए गए। गैर-अनुपालन इकाइयों पर का जुमार्ना लगाया गया। धारा 69 के तहत 3500 और बिना लाइसेंस वाली इकाइयों को नोटिस जारी किए गए।

आगामी चुनाव को लेकर बीजू जनता दल का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : बीजू जनता दल ने आगामी आम चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया है। इस बैठक में कुमारमुंडा प्रखंड बीजद अध्यक्ष राजेश हासदा, प्रखंड अध्यक्ष ज्योती टेटे, कुमारमुंडा ख जोन जिला परिषद राजेंद्र कुजूर, प्रखंड उपध्यक्ष सुनीता अहिर, नेबेल केरकेटा समेत सभी पंचायतों के बीजद अध्यक्ष उपस्थित थे।

बैठक में शामिल कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

ब्लॉक अध्यक्ष ने पूर्व से मान्यता प्राप्त ₹आमो ओडिशा नवीन ओडिशा₹ के विकास कार्यों की समीक्षा करने और नया मान्यता प्राप्त विशेष विकास परिषद के तहत कार्य का जल्द से जल्द काम शुरू करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने 'घर-घर शंख' कार्यक्रम में तेजी लाने और वार्ड कमिटी बनाने पर जोर दिया।

वीर शहीद तिलका मांझी की जयंती पर तिलकागढ़ गांव में भव्य समारोह का किया गया आयोजन

महिलाओं ने रखा उपवास, शहीद को किया याद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वीर शहीद तिलका मांझी की स्मृति में उनकी जयंती के अवसर पर झारखंड के जमशेदपुर के तिलकागढ़ गांव में भव्य समारोह का आयोजन किया गया और बाबा तिलका मांझी के अमूल्य योगदान को याद किया गया। गांव की महिलाओं ने उपवास रखकर उनकी पूजा-अर्चना की। गोन के पुजारी बाबा नाइकी बाबा ने नारियल और धूप-दीप व धुना दिखाकर पारंपरिक तरीके से उनकी पूजा की। गांव की महिलाएं पारंपरिक साड़ी पहनी हुई थीं। पूजा-अर्चना के बाद

शहीद तिलका मांझी को श्रद्धासुमन अर्पित करते लोग। ● फोटोन न्यूज

सभी ने बाबा तिलका मांझी के जयकारे लगाए। तिलकागढ़ गांव बाबा तिलका मांझी के नाम पर ही रखा गया है। इस वजह से यहां उनकी जयंती पर अलग ही माहौल रहता है। गांव में बाबा तिलका मांझी को भगवान की तरह ही पूजा जाता है।

स्वतंत्रता संग्राम का फूंका था बिगुल : आजादी के सात दशक बाद भी हमारे देश के शहीदों को समाज में उचित सम्मान नहीं मिल सका है। अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने एवं अजादी की लड़ाई में इन्होंने हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। इन्हीं वीर शहीदों में से एक थे बाबा तिलका मांझी। भागलपुर से 1784 में इन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम बिगुल फूंका था और अंग्रेजी सम्राज्य के खिलाफ संघर्ष करते हुए हंसते-हंसते उन्होंने अपने प्राण की आहुति दे दी। भागलपुर में वटवृक्ष पर इन्हें फांसी दे दी गयी थी।

बाबा तिलका मांझी के नाम पर है इस गांव का नाम तिलकागढ़ : यह तिलकागढ़ गांव बाबा तिलका मांझी के नाम पर ही रखा गया है। इस वजह से यहां उनकी जयंती पर अलग ही माहौल रहता है। गांव में बाबा तिलका मांझी को भगवान की तरह ही पूजा जाता है। लौह नगरी जमशेदपुर में दर्जनों जगहों पर बाबा तिलका मांझी की जयंती का आयोजन किया गया। इसके अलावा विभिन्न शहरों एवं कस्बों में भी उनकी जयंती का आयोजन कर उनके बलिदान को याद किया गया।

गांव चलो अभियान कार्यक्रम के तहत भाजपा ने दी योजनाओं की जानकारी

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : दिरीबुरु पंचायत में गांव चलो अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव चलो अभियान कार्यक्रम बूथ संख्या 66 और 69 में किया गया।जिसमें भाजपा के कार्यकर्ता एवं जिला संयोजक साहू पूर्ति एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद सदस्य शंभू हाजरा पासवान के दिशा निर्देशन में प्रधानमंत्री विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

साथ ही योजनाओं का लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। इस दौरान गांव चलो अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत मंडल संयोजक मधुसूदन तुबिद, जिला कार्य समिति सदस्य अजीत सिंह, संजीव राय, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रफुल्लों महाकुड़, 66 बूथ के सचिन आपट, 69 बूथ के तुषार बारिक, तपन बारिक, धनपत चातोम्बा, कालीचरण चाम्पिया, पदमालोचन आपट सहित ग्रामीण मौजूद थे।

पूर्णिया में 4 बच्चे के पिता की हत्या, पूरी रात धड़ खोजती रही डॉग स्क्वॉयड की टीम

एजेंसी

पूर्णिया में एक युवक का कटा हुआ सिर मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सिर से ही मृतक की शिनाख्त की गई और उसकी हत्या का राज खुला। मृतक की पहचान 35 साल के जोगेश्वर शर्मा के रूप में हुई है। उसकी 12 साल पहले शादी हुई थी। उसके 4 बच्चे भी हैं। बताया जा रहा है कि मृतक जोगेश्वर का अपने ही मालिक कालीचरण की पत्नी से अफेयर चल रहा था। कालीचरण इसी बात से काफी नाराज था। मृतक की परिजनों ने अफेयर के चलते ही उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई है। घटना के बाद से ही कालीचरण और इस हत्याकांड से जुड़े लोग फरार हैं। मृतक का सिर उसके घर से करीब 300 मीटर की दूरी पर नदी किनारे मक्के के खेत में मिट्टी के नीचे दफन मिला। हालांकि, सिर के नीचे का हिस्सा (धड़) अभी तक नहीं मिल पाया है। बायसी पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम पूरी रात धड़ खोजती रही, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक कुछ नहीं लगा है। बायसी डीएसपी आदित्य कुमार का कहना है कि पुलिस हत्याकांड में शामिल फरार मालिक कालीचरण और इस वारदात से जुड़े सभी लोगों को जल्द ढूंढ निकालेगी। धड़ कहां है, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी है। जोगेश्वर बायसी थाना क्षेत्र के मीनापुर पंचायत के वार्ड 17 डुमराह टोला के फूलभाषा गांव में अपने परिवार के साथ रहता था। मृतक की पत्नी गौमी ने अपने पति जोगेश्वर शर्मा की हत्या का आरोप उसके मालिक पर ही लगाया है।

पत्नी ने बताया कि उसके पति गांव में ही रहकर अपने मालिक कालीचरण की ट्रैक्टर चलाते थे। वह दो साल तक ट्रैक्टर चलाते रहे। इसी दौरान मालिक की पत्नी से उनका अफेयर हो गया। इस मामले को लेकर कालीचरण से पति की गहरी दुश्मनी चल रही थी। कई बार पंचायत भी बैठा। इसके बाद मालिक ने पति को जान से मारने की धमकी दी थी। बाद में उन्होंने काम छोड़ दिया था और वे सूरत चले गए थे और वहीं काम करने लगे। गौमी ने बताया है कि उसका पति 15 दिन पहले ही छुट्टी पर घर आए थे। उसकी छुट्टियां खत्म हो चुकी थी। वारदात वाले ही दिन उन्हें लौटना था। मृतक की पत्नी ने बताया कि 8 फरवरी को उनके खेत में धान की बुआई की जा रही थी। इसके लिए वह आंख खुलते ही अपने पति के साथ खेत में आ गई थीं। खेत से काम कर दोनों देर दोपहर करीब 1.30 बजे खाना खाने घर लौट चुके थे। इसके ठीक आधे घंटे बाद ही पति के मोबाइल फोन पर किसी का कॉल आया था। इसके बाद वह घर से निकले, लेकिन लौट कर वापस नहीं आए। उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर गांव, सगे-संबंधी और आस पास के गांव में भी ढूंढा। खेत पर भी गई, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चल सका। खोजबीन के क्रम में शनिवार को उनके घर से करीब 300 मीटर की दूरी पर नदी किनारे मक्के के खेत में पति के चप्पल, टोपी और मोबाइल मिला। वहीं, कुछ दूर आगे जाने पर खून से सना एक चाकू फेंका हुआ था। आगे बढ़ने पर उनकी नजर खेत के उस हिस्से में पड़ी, जहां कुछ हिस्से में नई मिट्टी डाली गई थी। ऐसा लग रहा था कि मिट्टी खोदकर उसमें कुछ डाला गया है और फिर नदी किनारे की बलुआ मिट्टी से उसे भर दिया गया है। ये बात उन्होंने गांव वालों को बताई। बायसी थाना की पुलिस को भी फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी हटाई तो मृतक का सिर दिखने लगा। जिसे देखकर उसकी पत्नी और गांव वाले चौंक गए।

इसके बाद बायसी पुलिस ने फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम बुलाई। मौके पर बायसी अध्यक्ष सुशील कुमार के अलावा बायसी एसडीपीओ आदित्य कुमार भी पहुंचे। मिट्टी के अंदर से दफन सिर को बाहर निकाला। जिसके बाद मृतक की पत्नी ने शख्स की शिनाख्त की।

संक्षिप्त डायरी

नौकरी की तलाश में गया था, रेलवे ट्रैक पर मिली लाश सिर में लगी गोली

एजेंसी

बिहार के भोजपुर से नौकरी की तलाश में उत्तराखंड के हल्द्वानी गए एक युवक का शव मिला है। हल्द्वानी में रेलवे ट्रैक पर भोजपुर के प्रकाश कुमार (24) का शव बरामद किया गया। परिवार को शक है कि बेटे की मौत हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई हिंसा के दौरान हुई है। प्रकाश के सिर में गोली लगने का निशान है। वो 7 फरवरी को काम की तलाश में हल्द्वानी गया था, लेकिन 10 फरवरी को परिजनों को उसकी मौत की सूचना मिली। 24 साल का आकाश बड़हरा थाना क्षेत्र स्थित छीने गांव का रहने वाला था। उसके पिता का नाम श्याम देव सिंह है। प्रकाश कुमार का शव रेलवे ट्रैक से बरामद हुआ है। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने युवक की शिनाख्त कर सूचना बिहार में उनके परिजनों को दी। बेटे की हल्द्वानी में मौत की सूचना मिलने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रकाश कुमार की अभी शादी नहीं हुई थी। प्रकाश कुमार की बड़ी बहन मधु कुमारी ने बताया कि 7 फरवरी को उनके भाई नौकरी की तलाश में हल्द्वानी गए थे, लेकिन उनका मोबाइल बंद आ रहा था। 10 फरवरी को हल्द्वानी थाने से मैसेज आया कि आपके रिश्तेदार का एक्सीडेंट हो गया है। इसके बाद हम लोगों ने दिल्ली में रह रहे एक बहनोई को सूचना दी। वो दिल्ली से हल्द्वानी पहुंचे। जहां उन्होंने देखा और हमें बताया कि प्रकाश के सिर में गोली लगी है और उनकी मौत हो गई है। बहन मधु कुमारी ने बताया कि प्रकाश कुमार घर में लड़कों में सबसे बड़े थे। घर की सारी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। उन्होंने सरकार से गुजारिश की है कि सरकार को घर के लोगों के भरण पोषण के लिए मुआवजा देना चाहिए। क्योंकि प्रकाश कुमार घर के इकलौते कमाने वाले व्यक्ति थे। उनके कंधों पर मां-बाप, भाई-बहन और अपनी दो भांजी को पढ़ाने की जिम्मेदारी थी। प्रकाश अपने पांच बहन नर्गिश, मोना, प्रीति, तृप्ति, सुरभि और भाई आकाश से छठे स्थान पर था। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जॉब की तलाश कर रहा था। उत्तराखंड के नैनीताल जिले का हल्द्वानी 8 फरवरी को सांप्रदायिक हिंसा में सुलग उठा था। यहां वनभूलपुरा इलाके में सरकारी जमीन पर बनी मजार और मदरसा तोड़ने पहुंची पुलिस व प्रशासन की टीम पर भीड़ ने जमकर पत्थर फेंके। उपद्रवियों ने पुलिस पर फायर किया। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें 6 लोग मारे गए। इसमें 30 पुलिसकर्मियों समेत 100 लोग घायल हो गए। भीड़ ने 100 से ज्यादा गाड़ियां और वनभूलपुरा थाना भी फूंक दिया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और कई राउंड फायर भी किए। चार घंटे तक उपद्रव के बाद वनभूलपुरा थाना क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया।

दो दुश्मनों ने मिलकर किया मर्डर लव मैरिज से नाराज था भाई

एजेंसी

जमुई में 6 फरवरी को एक ई-रिक्शा चालक का शव पुलिस ने बरामद किया था। इस घटना का पुलिस ने शनिवार 10 फरवरी को खुलासा करते हुए 2 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी ने अपने दुश्मन के साथ मिलकर अपने ही जीजा अमन (20) की हत्या की थी। मृत युवक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहारी मोहल्ले निवासी विनोद कुमार सिंह का बेटा अमन कुमार के रूप में की गई। सदर एसडीपीओ सतीश सुमन के मुताबिक हत्या बदला लेने के लिए की गई थी। बता दें कि डेढ़ साल पहले मुख्य आरोपी की बहन ने जमुई के युवक अमन से लव मैरिज की थी। यह रिश्ता महज 6 महीने तक चला। इसके बाद लड़की के परिजनों ने उसकी शादी कहीं और कर दी। इधर, अमन लड़की की शादी के बाद भी उससे मिलता रहता था। गिरफ्तार आरोपी रामप्रवेश (मृतक का साला) ने पुलिस को बताया कि डेढ़ साल पहले अमन ने उसकी बहन से शादी की थी। लेकिन इस शादी को अमन के घरवालों ने स्वीकार नहीं किया। मेरी बहन को घर से बाहर निकाल दिया था। लड़की की दूसरी शादी के बावजूद अमन उसकी बहन को छोड़ नहीं रहा था। शादी के बाद जब भी उसकी बहन अपने घर सतगामा आती तो अमन उससे मिलने घर पहुंच जाता था। यह लड़की के परिजनों को पसंद नहीं था। वहीं, पुलिस ने इस हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त मो.रियाज मियां उर्फ मो.आशिक खलीफा और मृतक की पूर्व पत्नी के भाई रामप्रवेश कुमार उर्फ सूरज राम पिता नंदकिशोर राम को टाउन थाना क्षेत्र के सतगामा इलाके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रुढ्ढड सतीश सुमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले की जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा चालक का शव 6 फरवरी को मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। वह 3 फरवरी को घर से ई-रिक्शा लेकर निकला था। जब वह 4 फरवरी तक घर नहीं लौटा तो अमन की लापता होने की सूचना उसके भाई सुमन ने 5 फरवरी को मलयपुर थाना में आवेदन देकर भाई को खोजने की गुहार लगाई थी। 6 फरवरी को खैरमा स्थित निमिया घाट से सिरकटा शव बरामद किया गया था।

पीड़ित ने कहा- रंगदारी नहीं देने पर बदमाशों ने किया गया हमला

एजेंसी

समस्तीपुर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धर्मपुर मिडिल स्कूल के पास रविवार सुबह रंगदारी नहीं देने पर बदमाशों ने जेसीबी संचालक और उनके मित्र के साथ मारपीट कर उन्हें जख्मी कर दिया। इस दौरान उनके साथ लूटपाट भी किया गया। बाद में हल्ला होने पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ही चकनूर वार्ड दो निवासी प्रमोद कुमार बताए गए हैं। घटना की सूचना पर मुफस्सिल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के मामले में पीड़ित जेसीबी कारोबारी प्रमोद कुमार ने बताया कि सुबह वह अपने मित्र के साथ चकनूर से धर्मपुर के रास्ते शहर आ रहे थे। इसी दौरान धर्मपुर मिडिल स्कूल के पास पूर्व से घात लगाए धर्मपुर निवासी मोहम्मद दिलशाद, मोहम्मद चांद के अलावे 5-6 की संख्या में लोगों ने उन्हें घेर लिया और उनसे रंगदारी स्वरूप 50 हजार रुपए की मांग की। प्रमोद ने आरोप लगाया कि इन दिनों लगातार दिलशाद उनसे रंगदारी की मांग कर रहा है। जबकि वह रंगदारी देने को तैयार नहीं है। सुबह भी उक्त लोगों ने पहले रंगदारी की राशि की मांग की। जब उन्होंने इसका प्रतिरोध किया तो लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। कारोबारी का आरोप है कि मारपीट के दौरान लोगों ने उनके जेब से 22 हजार रुपए के अलावा उनकी सोने की चैन भी छीन ली। इस दौरान घटना की सूचना पर जब उनके घर के लोगों की भीड़ जुटी तो सभी बदमाश वहां से फरार हो गए। बाद में लोगों ने प्रमोद को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पिंकी प्रसाद ने बताया कि मारपीट की जानकारी मिली है।

भाजपा नेता ने पूर्व उपमुख्यमंत्री पर साधा निशाना

एजेंसी

बक्सर पहुंचे बिहार भाजपा के प्रदेश मंत्री संतोष रंजन राय ने तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि खेला होने के चलते अपने घरों में विधायकों का मेला लगाया है। उन्होंने विधायकों को उनके घर जाने से मोबाइल से दूर करते हुए घर में बंद कर लिया है। क्योंकि अधिकांश विधायक एनडीए में आना चाहते हैं जिससे वे डर गए हैं। उन्होंने कहा कि कल विधानसभा में सरकार का फ्लोर टेस्ट होना है। एनडीए के

सभी नेता नीतीश कुमार के पक्ष में एकजुट हैं। बताया गया कि आरजेडी के विधायकों की तेजस्वी यादव के आवास पर शनिवार को एक बैठक बुलाई गई थी। सभी विधायकों को वहीं रोक लिया गया जिसके बाद से ही भाजपा नेता आरजेडी पर हमलावर हो रही है। कहा जा रहा है कि तेजस्वी ने एक तरह से उन्हें अपने आवास पर ही नजरबंद कर लिया। बता दें कि बिहार सरकार के लिए 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होना है। बिहार के राजद, जदयू, भाजपा, कांग्रेस राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर हमलावर होते हुए अपनी एकजुटता का भी दावा कर रही हैं। साथ ही पूरे देश की नजर भी बिहार की राजनीतिक गतिविधियों पर टिकी हैं। इधर, नीतीश सरकार को विधानसभा में बहुमत साबित करने की चुनौती है। एनडीए के घटक दल भले ही ये दावा कर रहे हैं कि उनकी सरकार सुरक्षित है, लेकिन एक डर जरूर बना हुआ है। जब नीतीश कुमार ने राजद का साथ छोड़ा और ठऊअ का दामन थाम कर सरकार बनाई

तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर आ रहे थे

एजेंसी

नवादा के रूपो गांव से एक बाइक पर सवार होकर शेखपुरा के कसार थाना क्षेत्र अंतर्गत ससबहना गांव स्थित अपना घर वापस लौटने के दौरान बाइक दुर्घटना में 3 युवक बुरी तरह घायल हो गए। परिवार वालों ने आनन-फानन में रविवार को इलाज के लिए सदर अस्पताल शेखपुरा में भर्ती कराया। जहां घायलों की पहचान ससबहना गांव निवासी मकसूदन प्रसाद(19), राजहंश कुमार, अनुज कुमार(22) का बेटा विनीत कुमार और अविनाश कुमार का नाम शामिल है। घायलों में 2 की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों के परिवार

वालों ने बताया कि तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर एक शादी समारोह में भाग लेने नवादा जिला गया था।

समारोह में शामिल होकर रविवार सुबह वापस लौटने के दौरान रास्ते में सामने से आ रहे एक वाहन से चकमा खा जाने के बाद बाइक चला रहा युवक संतुलन खो बैठा। साथ ही बाइक सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इसमें तीनों बुरी तरह घायल हो गए।

घायलों में अविनाश कुमार मामूली रूप से घायल होने के कारण चिकित्सकों ने उसे इलाज के उपरांत छुट्टी दे दी। जबकि दो का इलाज चल रहा है। घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस मामले में कसार थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को नहीं है। इस संबंध में लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

बाइक से भी टकराई गाड़ी, रिश्तेदार के घर से लौट रहा था परिवार

एजेंसी

गोपालगंज के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास अनियंत्रित स्कॉर्पियो सड़क किनारे पलट गई, जिसमें सवार महिला समेत चार लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोग भी जख्मी हो गए। फिलहाल सभी जख्मियों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। जबकि अन्य जख्मियों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। स्कॉर्पियो सवार मोतिहारी के नेसार आलम के डेढ़

वर्षीय बेटे अरहम बाबू, पत्नी शाइस्ता परवीन, तुफैल अहमद की पत्नी असगरी परवीन, मोबिन आलम के बेटा शाहिद और बेटी खुशी प्रवीण शामिल हैं। जख्मियों ने बताया कि सभी लोग स्कॉर्पियो पर सवार होकर असगरी परवीन की बेटी की शादी को लेकर छेका के लिए कुचायकोट प्रखंड के रामपुर गांव जा रहे थे। इसी बीच जैसे ही स्कॉर्पियो सवार मंगलपुर पुल के पास पहुंचे ही थे तभी स्कॉर्पियो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। आसपास से होकर गुजर रहे बाइक सवार दंपत्ति इसकी चपेट में आ गए जिससे दोनों भी जख्मी हो गए। जख्मी बाइक सवार की पहचान बेतिया जिले के कुमारबाग ओपी अंतर्गत बनुआ टोला निवासी इकबाल यादव ऊर्फ ठाकुर यादव और उनकी पत्नी शारदा देवी के रूप में की गई। बताया जाता है कि दंपती बाइक से श्यामपुर में इलाज कराने आये थे। वहां से शीतल बरदाहा कुचायकोट में रिश्तेदार के घर में रात में ही रह गए। इसके बाद रविवार को घर लौट रहे थे, लेकिन स्कॉर्पियो पलटते हुए बाइक में टक्कर मार दी।

बहन के साथ छेड़खानी हुई थी

एजेंसी

जहानाबाद में बहन के साथ छेड़खानी के मामले को लेकर भाई छेड़खानी करने वाले परिवार को चेतावनी देने पहुंचा था। इसी दौरान उसके साथ आरोपी परिवार ने मारपीट की। वह घायल हो गया। घटना काको थाना क्षेत्र की बरबट्टा गांव की है। बृजेश कुमार नामक युवक का बहन शौच करने के लिए अपने घर से बाहर गई थी, तभी बुलाकी बीघा के युवक ने उससे छेड़खानी करने लगा। लड़की दौड़े-दौड़े अपने घर पहुंचि। इस बात की सूचना अपने परिवार को दी तभी बृजेश कुमार इसकी शिकायत लेकर उसके घर पहुंच गया। जैसे ही इस बात की शिकायत उसके

परिवार वालों से किया परिवार वालों आग बबूला हो गए और लाठी डंडे से मार कर उसे घायल कर दिया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुनील कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति द्वारा अभी किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया है। जब आवेदन दिया जाएगा तो उसकी जांच की जाएगी जांच के बाद जो भी उचित कार्रवाई होगा की जाएगी।

रामनगर लौरिया मेन रोड पर हुआ हादसा

एजेंसी

बगहा के रामनगर में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। घटना रामनगर लौरिया मुख्य मार्ग पकड़ी चौक के पास की है। बताया जा रहा कि अनियंत्रित मोटरसाइकिल चालक ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दिया। घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा है। साथ ही बाइक को जब्त कर लिया गया है। मृतक की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के बेलवा मोड़ निवासी सुरेश गिरी के पुत्र अकलेश गिरी (25) के रूप में हुई है। रामनगर थाना अध्यक्ष अनंत राम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले की जांच की जा रही है। दूसरी घटना

रामनगर के अंबेडकर चौक की है। ट्रॉली का चक्का टूट कर एक दुकान में घुस गया, जिसमें दुकान में रखा सारा सामान टूट गया। घटना में कई लोग बाल-बाल बच गए।व्यवसायी ने बताया कि वह हर दिन की तरह आज भी अपना दुकान लगाई थी तभी ट्रैक्टर ट्रॉली से चक्का निकलकर मेरी दुकान की तरफ आया और मेरे ठेला से टकरा गया। मेरा सारा सामग्री बर्बाद हो गया, हालांकि दोनों पक्षों ने आपसी समझौता का मामले को सलटा लिया है।

गया से विधायकों को 2 बसों में पटना लाया जाएगा, 3 MLA नहीं पहुंचे

एजेंसी

बिहार में नीतीश सरकार का फ्लोर टेस्ट है। इससे पहले यहां सियासी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी के तीन विधायक गया के प्रशिक्षण शिविर में नहीं पहुंचे। नरकटियागंज विधायक रश्मि वर्मा के बारे में बताया जा रहा है कि उनकी सास बीमार हैं। अलीनगर विधायक मिश्रीलाल यादव के बारे में अभी कोई सूचना नहीं है। रामनगर की विधायक भागीरथी देवी एक दिन पहले विधायकों के साथ थीं, लेकिन आज प्रशिक्षण में शामिल नहीं हुईं।गया के होटल में बीजेपी विधायकों को 2 बसों में पटना लाया जाएगा। विधायक डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के आवास पर रहेंगे। विधायकों के साथ बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद हैं। कल होने वाले फ्लोर टेस्ट से पहले अमित शाह ने गया में चल रही बीजेपी विधायकों की वर्कशॉप को शाह ने वर्चुअली संबोधित किया। इससे पहले रात में ही डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पटना रवाना हो गए। इधर, फ्लोर टेस्ट से पहले राजभवन में लीगल एडवाइजर की पूरी टीम को बदल दिया गया है। इधर, पटना में जगह-जगह तेजस्वी के समर्थन में पोस्टर लगे हैं। जिनमें में लिखा है- बिहार की है मंजूरी, तेजस्वी हैं जरूरी। अपने विधायक टूटें नहीं, इसके लिए आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस और भाजपा ने बाड़ेबंदी की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और राबड़ी देवी तेजस्वी यादव पहुंचे। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने पार्टी के सभी विधायकों को शनिवार 10 फरवरी को अपने आवास पर ठहराया हुआ है तो वहीं बीजेपी अपने विधायकों को ट्रेनिंग के बहाने बोधगया ले गई है। वहीं,

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के 5 विधायक मंत्री श्रवण कुमार के घर पर आयोजित लंच में नहीं पहुंचे, जिसके बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कांग्रेस के विधायक फ्लोर टेस्ट के लिए आज शाम तक हैदराबाद से पटना पहुंचेंगे और एयरपोर्ट से सीधे तेजस्वी आवास जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, फ्लोर टेस्ट से पहले बिहार में जांच एजेंसी एऊ और इनकम टैक्स की एक्टिव हो गई है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच पैसों के संदिग्ध लेन-देन के मद्देनजर नजर रखी जा रही है। तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों को कल की बैठक के बाद से अपने बंगले पर रखा हुआ है। वहीं पर विधायकों के नाश्ते, खाने और मनोरंजन की व्यवस्था की गई है। सीपीआई (माले) समेत वाम पार्टियों के सभी 16 विधायक सुबह तेजस्वी आवास पर पहुंचे। यहां सभी ने ब्रेकफास्ट किया। देर रात म्यूजिक प्रोग्राम भी चला। चौधरी यूसुफ कैसर, चेतन आनंद ने गाना सुनाकर विधायकों को एंटरटेन किया। यहां से ये 12 फरवरी को विधानसभा बजट सत्र में जाएंगे। आरजेडी ने अपने विधायकों के लिए व्हिप भी जारी कर दिया है। तेजस्वी रविवार दोपहर बाद अपने विधायकों के साथ क्रिकेट भी खेलेंगे। दो विधायक क्यों नहीं आए: पटना की विधायक बाहर हैं। उनके बारे में कहा जा रहा है कि सत्ता पक्ष के तरफ से उन्हें लोकसभा का ऑफर है। सीवान के विधायक जिले में मुस्लिम राजनीति के चलते नेतृत्व से नाराज चल रहे हैं। बीजेपी ने अपने 78 विधायकों को बोधगया में रखा हुआ है। रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक यहां वर्कशॉप चलेगा। ये विधायक कल सीधे फ्लोर टेस्ट के लिए पटना पहुंचेंगे। वर्कशॉप में दरभंगा जिला के एक विधायक और पश्चिमी चंपारण की एक विधायक अनुपस्थित रहे। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा- प्रशिक्षण में सदस्यों को सदन की जानकारी दी जा रही है। क्यों नहीं आए: दरभंगा जिले के विधायक अपने क्षेत्र समीकरण के चलते परेशान हैं। वहीं, पश्चिम चंपारण की विधायक पार्टी के साथ हैं, पर उनकी तरफ से नहीं आने की कोई स्पष्ट जानकारी भाजपा नेतृत्व को नहीं मिल पाई। जेडीयू के विधायकों की भी बैठक रविवार शाम को मंत्री विजय चौधरी के आवास पर होने वाली है। इसको लेकर जेडीयू ने शनिवार को व्हिप जारी कर दिया था।इससे पहले मंत्री श्रवण कुमार के सरकारी आवास पर शनिवार को सभी 45 विधायकों को डिनर पर बुलाया गया था।

अब राजस्थान में खेती-किसानी को मिलेगा बूस्ट

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का अंतरिम बजट प्रस्तुत खेती-किसानी को बूस्ट देने वाला है। राज्य की उपमुख्यमंत्री व वित्तमंत्री दीया कुमारी ने इसे केवल तीन-चार माह के सरकार चलाने के खर्चों को पारित कराने तक ही सीमित नहीं रखकर सर्वस्पर्शी अंतरिम बजट प्रस्ताव प्रस्तुत कर साफ संदेश दे दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं और विकास का रोडमेप सामने रखा है। केन्द्र सरकार की तरह ही यह अंतरिम बजट युवा, महिला, गरीब और किसान केन्द्रित है। लगभग सभी पक्षों को लेकर राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को सामने रख दिया गया है। इसमें खेती- किसानी पर खास जोर दिया गया है। वित्तमंत्री दीया कुमारी ने बजट प्रस्तावों को पीएम किसान सम्मान निधि को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रहकर कृषि क्षेत्र में अल्पकालीन और दीर्घकालीन विकास का रोड़मेप सामने रखा है। इनसे निश्चित रूप से अल्पकालीन नहीं अपितु खेती किसानी में दीर्घकालीन सुधार होगा वहीं किसानों को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होगा। अर्थशास्त्रियों व विशेषज्ञों द्वारा जिस बात पर जोर दिया जाता रहा है लगता है उस पर कोई सरकार पहली बार इतनी गंभीर नजर आ रही है। भजनलाल सरकार के पहले अंतरिम बजट में श्री अन्न योजना को लेकर सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है। सरकार ने 12 लाख किसानों को मक्का बीज, 8 लाख काश्तकारों को बाजरा व एक लाख काश्तकारों को ज्वार के उन्नत गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने की घोषणा की है। तिलहन और दलहन को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह की प्रतिबद्धता को ही ध्यान में रखते हुए सात लाख काश्तकारों को सरसों और चार लाख किसानों को मूंग व एक लाख किसानों को मोठ के उन्नत बीज उपलब्ध कराने की घोषणा की है। अब इससे साफ हो जाता है कि इससे किसान, खेती ओर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ही सीधा-सीधा लाभ मिलेगा। बीज वितरण होगा तो वह खेती में ही काम आयेगा। उन्नत बीज होगा और उससे बाजरा, मक्का, ज्वार, सरसों, मूंग मोठ आदि का उत्पादन बढ़ेगा और इसका लाभ भी किसान और साथ-साथ देश और प्रदेश को मिलेगा। मेरा आरंभ से ही मानना रहा है कि किसानों को ऋण माफी या नकद अनुदान के स्थान पर उतनी राशि का कुछ अंश भी यदि इनपुट यानी कि खाद-बीज के रुप में दिया जाये तो सही मायने में यह काश्तकार की सहायता है। दरअसल अनुदान के रूप में नकद राशि मिलना चाहे वह ऋण माफी हो या अन्य तो उसका उत्पादकता से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं रहता और इससे काश्तकार को जो लाभ पहुंचाने की सरकार की मंशा होती है वह पूरी भी नहीं हो सकती। भले ही ऋण माफी या नकद राशि से किसान खुश हो जाए पर जो खेती-किसानी को वास्तविक लाभ इनपुट वितरण से हो सकता है वह किसी दूसरे विकल्प से नहीं। अच्छी बात यह है कि दीया कुमारी ने अंतरिम बजट में खेती-किसानी के लिए आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को भी उतना ही महत्व दिया है जितना प्रमाणित गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने पर दिया है। राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रा मिशन के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसमें पानी के संरक्षण हेतु 20 हजार फार्म पॉन्ड, 10 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन, 50 हजार किसानों को तारबंदी हेतु सहायता, 5 हजार वर्मी कंपोस्ट के साथ ही कृषि प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने जैसे प्रावधान शामिल हैं। इसके अलावा 500 कस्टम हायरिंग सेंटर में ड्रोन जैसी सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे जहां एक और पानी की एक-एक बूंद सहेजी जा सकेगी और खेती में सिंचाई के पानी की छीजत को कम किया जा सकेगा। वहीं वर्मी कंपोस्ट से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा और ड्रोन जैसी तकनीक हायरिंग आधार पर किसान प्राप्त कर सकेंगे। दीया कुमारी ने पीएम किसान सम्मान निधि भी 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने की घोषणा की है। गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की बात भी कही है। डेयरी के साथ ही पशुपालन को भी उतना ही महत्व दिया गया है। यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब खेती के साथ पशुपालन एक दूसरे के पूरक हुआ करते थे। हालांकि कृषि में उपकरणों/यंत्रों के उपयोग के कारण पशुपालन प्रभावित हुआ है पर पशुपालन ही किसान की आर्थिक उन्नति का प्रमुख माध्यम बन सकता है। यही कारण है कि 5 लाख गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी करने का प्रावधान करते हुए एक-एक लाख रुपये का ब्याजमुक्त ऋण देने का प्रस्ताव है। निश्चित रूप से इससे पशुपालन को प्रोत्साहन मिलेगा। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यदि कोई सरकार खेती-किसानी का वास्तविक भला चाहती है तो उसे खेती के क्षेत्र में दी जाने वाली सहायता राशि का उपयोग उन्नत प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराने में कराने में करना चाहिए। इससे केवल किसान ही नहीं अपितु देश ओर प्रदेश को समग्र रूप से मिल सकता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कृषि उत्पादन में कमी या बढ़ोतरी अर्थ व्यवस्था की सीधे-सीधे प्रभावित करती है। कोरोनाकाल हमारे सामने उदाहरण है तो रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध आदि इसके जीते जागते उदाहरण है। खाद बीज की सहज उपलब्धता के साथ ही यदि किसानों को उनकी पैदावार का पूरा पैसा मिलने लगे तो निश्चित रूप से किसान समृद्ध होंगे और इसका लाभ सामाजिक -आर्थिक विकास में प्राप्त हो सकेगा।

जन जातीय जन-मन कल्याण के प्रेरक प्रधानमंत्री मोदी

ANALYSIS

डॉ मोहन यादव

11 फरवरी का दिन विशिष्ट था। आज पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि है, जो समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। उनका एकात्म मानववाद का दर्शन ही हमारे लिए पाथेय है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर समाज और सरकार को कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाले पं. दीनदयाल जी उपाध्याय का पूरा जीवन समर्पण का प्रतीक था। यह ऐतिहासिक संयोग है कि 11 फरवरी के ही दिन संथाल परगने में क्रांतिकारी जनजातीय नायक वीर तिलका मांझी का जन्म हुआ था। जनजातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का स्नेह, समर्पण और सम्मान हम सब जानते हैं। उन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार किया और झाबुआ आने पर सहमति दी। झाबुआ साधारण क्षेत्र नहीं है। पराधीनता का सल्तनत काल हो या अंग्रेजीराज, इस क्षेत्र के वनवासी बंधुओं ने निरंतर संघर्ष भी किया और यहां आने वाले प्रत्येक क्रांतिवीर को संरक्षण भी दिया। यह क्षेत्र क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जन्मभूमि रही है।

आज मध्यप्रदेश हर्षित है, उत्साहित है। देश के लोकप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झाबुआ में आयोजित जन जातीय सम्मेलन को संबोधित करने पधार रहे हैं। 11 फरवरी का दिन विशिष्ट था। आज पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि है, जो समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। उनका एकात्म मानववाद का दर्शन ही हमारे लिए पाथेय है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर समाज और सरकार को कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाले पं. दीनदयाल जी उपाध्याय का पूरा जीवन समर्पण का प्रतीक था। यह ऐतिहासिक संयोग है कि 11 फरवरी के ही दिन संथाल परगने में क्रांतिकारी जनजातीय नायक वीर तिलका मांझी का जन्म हुआ था। जनजातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का स्नेह, समर्पण और सम्मान हम सब जानते हैं। उन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार किया और झाबुआ आने पर सहमति दी। झाबुआ साधारण क्षेत्र नहीं है। पराधीनता का सल्तनत काल हो या अंग्रेजीराज, इस क्षेत्र के वनवासी बंधुओं ने निरंतर संघर्ष भी किया और यहां आने वाले प्रत्येक क्रांतिवीर को संरक्षण भी दिया। यह क्षेत्र क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जन्मभूमि रही है। आज प्रधानमंत्री जी के झाबुआ आगमन परमध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि जनजातीय समाज के जल, जंगल और जमीन पर आंच न आये तथा उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जाये। उन्होंने देश के 11 करोड़ से अधिक जनजातीय बंधुओं के हितों को संरक्षण प्रदान किया है। इसीलिए आज जनजातीय समाज

स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के चार ₹अमृत स्तंभ₹ जीवायएएन अर्थात् जी से गरीब, वाय से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री का ज्ञान का सम्मान मंत्र है। प्रधानमंत्री के जनजातीय कल्याण के संकल्प की सिद्धि और विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ विगत दिनों निकाली गई ₹विकसित भारत संकल्प यात्रा₹ के सुखद परिणाम सामने आए हैं। यात्रा के दौरान केन्द्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत 50 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास के प्रतिमान स्थापित कर रहा है। हम रामराज्य की परिकल्पना और विकसित भारत निर्माण दोनों को ही आकार लेते देख रहे हैं। चित्रकूट तथा ओरछा सहित प्रदेश की सीमाओं में संपूर्ण रामवनगमन पथ के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री जी ने ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ नारा दिया है। उनके मार्गदर्शन में हर गरीब और वंचित को सुविधाएं पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सब मिलकर सबके लिये कार्य करें, उनके इसी मंत्र को आत्मसात कर मध्यप्रदेश में हम काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में केन-बेतवा परियोजना की तरह पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की स्वीकृति दी गई है, जो प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय वर्ग के विकास के लिए अनेक पहल की हैं। उन्होंने श्रीअन्न के उपयोग पर जोर दिया, इससे समूची दुनिया में श्रीअन्न का प्रचलन बढ़ा। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की। इसमें कोदो-कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि के उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपये की अतिरिक्त राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाएगी। प्रदेश के 14 जनजातीय बाहुल्य जिलों में जहां बैगा, भारिया और सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग निवासरत हैं, वहां आहार अनुदान योजना से लगभग 29 करोड़ 11 लाख रुपये का लाभ दिया है। देश की 75 विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना आरंभ की है। इससे बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियों के जीवन में बदलाव लाने का कार्य होगा। प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखण्डों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में ग्राम स्तर तक राशन पहुंचाने के लिए ₹मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम₹ योजना लागू की गई है। सिकलसेल रोग की रोकथाम के लिए हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन लागू कर सिकल सेल स्क्रीनिंग, रोकथाम, प्रबंधन, जैनेटिक काउंसलिंग एवं जन-जागरुकता का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री जी ने जनजातियों के स्वत्व, स्वाभिमान और स्वराज रक्षक भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को ₹जनजातीय गौरव दिवस₹ के रूप में घोषित कर जनजातीय समुदाय का मान बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में जनजातीय जननायकों की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिए स्मारक और संग्रहालय बन रहे हैं। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति, पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम टंट्या मामा के नाम पर रखा गया है। इन्दौर में भंवरकुआं चौराहे पर टंट्या मामा की मूर्ति स्थापित की गई। साथ ही इस चौराहे का नामकरण भी टंट्या मामा के नाम पर किया गया। छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय का नामकरण राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय और मंडला मेडिकल कॉलेज का नामकरण राजा राजा हृदय शाहमेडिकल कॉलेज किया गया है। यह नामकरण स्वाधीनता और जनजातीय चेतना का प्रमाण है। इसी क्रम मेंसंत शिरोमणि पूज्य रविदास जी की पावन स्मृति में प्रदेश के 30 अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों में संत रविदास स्मारक-सह-सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है। जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये समर्पित प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से मध्यप्रदेश में जनजातियों के उत्थान के लिये कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। नई शिक्षा नीति लागू करने में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। जनजातीय युवाओं को स्व-रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करवाने के लिये प्रदेश में भगवान बिरसा मुण्डा स्व-रोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना आदि लागू की गई है। इसी के साथ प्रदेश में जनजातीय युवाओं के कौशल विकास के लिए निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था है। प्रदेश में गौण वनोपजों के प्रबंधन का अधिकार अब ग्राम सभा को सौंपा गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3000 रुपये प्रति बोरा से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रति बोरा किया गया। इससे 35 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 165 करोड़ रुपये का लाभ होगा। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए ₹देवारण्य योजना₹ लागू की गई है। पेसा अधिनियम से प्रदेश में जल, जंगल, जमीन के अधिकार देने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मध्यप्रदेश सरकार जो निर्णय ले रही है, वह भविष्य के संकल्पों को पूरा करने के लिए मोदी जी की गारंटी है। मोदी जी के मन में मध्यप्रदेश है, इसीलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि जब भारत विश्व का विकसित राष्ट्र बनेगा तब मध्यप्रदेश भारत के प्रांतों में अग्रणी होगा। आइए, अमृतकाल में अमृतपथ पर आगे बढ़ते हुए हम सभी विकसित भारत निर्माण के लिए विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लें।

लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

आओ वसंत...लहको, महको और महकाओ दिग्दिगंत

ऋतुराज वसंत आ गए। सुस्वागतम! आओ वसंत। लहको, महको, महकाओ। दिग्दिगंत। भारतीय सौन्दर्यबोध के ऋतुराज को नमस्कार है। प्रकृति आपकी प्रियतमा है। वह अधीर प्रतीक्षा में थी। प्रकृति ने अपने अरूण तरूण अंग खोले। रूप रूप प्रतिरूप और बहुरूप सौन्दर्य चरम परम होते गये। अपना सारा रूप रस गंध उड़ेल दिया उसने। कलियां चटकीं, फूल खिले। वायु गंध आपूरित हैं। अनेक छन्दों में स्तुतियां है। ऋग्वेद का प्रख्यात छन्द गायत्री और साम का ह्यवृहत्सामह्न। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को इन्हीं दोनो छन्दों में अपनी व्याप्ति बताई थी और अंत में कहा था-ऋतुओं में मैं वसंत हूं। प्रकृति वसंत की अगवानी में पुलकित है। अपनी वीणा के तार छेड़ चुकी है। प्रकृति का सृजन मधुमय और रसमय है। सोम ओम की प्राकृतिक मस्ती है। रस रस प्रीति। रस घनत्व से धरती अंतरिक्ष आच्छादित हैं। लेकिन भारत के कुछ लोग विदेशी वेलेन्टाइनी शीर्षासन में हैं। वे ऋतुराज और प्रकृति का प्रेम रस छोड़कर विदेशी वेलेन्टाइनी मुद्रा में हैं। श्लील अश्लील हो रहा है। वसंत उनके लिए बस-अंत है। वसंत बौद्धिक समस्या भी है। प्रश्न है कि विश्व मानवता से वसंत का प्रथम परिचय कब हुआ? प्रकृति के हरेक जीव को मदमस्त करने वाले ऋतुराज कब पहचाने गये? ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम अभिलेख है। यहां सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को पुरुष रूप में कल्पित किया गया हैझारों सिर और हजारों पैरों वाला यह पुरुष मजेदार है। यह पुरुष समय का अतिक्रमण करता है। ऋषि के अनुसार जो हो चुका है और जो होगा वह सब पुरुष ही है। इसके एक भाग में यह विश्व है शेष तीन भाग अनंत दिव्यलोक हैं। यह ब्रह्माण्ड से भी विराट है।" सृष्टि सृजन एक पवित्र यज्ञ है। इसी सूक्त में कहते हैं "सृजन यज्ञ में यही पुरुष हवि (अग्नि में अर्पित सामग्री) बना और वसंत बना घृत-वसन्तो अस्यासी दाज्यं।" वसंत ऋग्वेद में है। इतना तय है कि वसंत ऋग्वेद के पुरुष सूक्त से प्राचीन है। पुरुष गहन दार्शनिक अनुभूति है। भारत की वसंत अनुभूति अतिपुरातन है। इसका मुख्य कारण है-प्रकृति के प्रति हमारे पूर्वजों की गहन प्रीति। इस प्रीति का कारण रूपों को ध्यान से देखने की द्रष्टा प्रवृत्ति है। द्रष्टाभाव से उगे सौन्दर्यबोध का चरम परम वसंत है। प्रकृति के रूप रम्य हैं। भारतीय द्रष्टा भाव और भी रम्य है। ऋग्वेद के ऋषि को वसंत सृजन यज्ञ कार्य में घी जैसा जान पड़ता है। वसंत भावोत्तेजक है। घी वैदिक ऋषियों का प्रिय रस है। रस का सम्बंध स्वाद से है। जिह्वा रस लेती है इसीलिए वह रसना है। ऋषियों के भावबोध में अग्नि घृत प्रिय हैं। अग्नि की अन्य अनेक विशेषताएं भी हैं। सबसे मजेदार बात है कि वे कवि भी हैं और उनकी जीभ मधुमती है। ऋषि स्वयं कवि हैं स्वाभाविक ही उनके प्रिय देवता भी कवि हैं। प्रकृति को देखने के लिए गीता वाले दिव्य चक्षु की जरूरत नहीं पड़ती। कृष्ण ने अर्जुन को विराट रूप दिखाने के पहले दिव्य चक्षु दिए थे। प्रकृति और हम अंगांगी हैं। हम प्रकृति में हैं, प्रकृति के हैं और प्रकृति हम में हैं। हम सब मधुप्रिय हैं। ऋषि भी मधुप्रिय हैं। वे प्रकृति के सभी रूपों को मधुमय देखने के अभिलाषी हैं। बार-बार गुनगुनाने लायक एक मंत्र (ऋ0 1.90) में कहते हैं "हवाएं मधु आपूरित हों। प्रकृति चक्र मधुमय हो। नदियों के जल मधुमय हों। औषधियां, वनस्पतियां मधुर हों। पृथ्वी की धूलि और सूर्य की किरणें भी मधुर हों।" वसंत मधु अनुभूति का दर्शन दिग्दर्शन है। ऋग्वेद और उसके पहले से ही यह अनुभूति लोकजीवन को रस आपूरित करती आई हैं। रस का यह स्रोत कभी रीता नहीं हुआ। तैत्तिरीय ब्राह्मण में वसंत आगमन पर देवता भी आनंदमगन बताए गये हैं। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी वसंत स्वागत की मुहूर्त है। यही वाग्देवी सरस्वती के उदय होने की वेला है। भारतीय प्रज्ञा की आराध्य हैं सरस्वती। वे हंसवाहिनी हैं। वीणावादिनी हैं। ऋग्वेद व अथर्ववेद में वे एक नदी हैं। ऋग्वेद के ऋषियों की नदीतमा। उन्हीं की गोद में और उनका जल रस पीते भारतीय दर्शन ने अपनी काया और कान्ति पाई। इन्हीं के तट पर गायत्री जैसे अनेक मंत्र उगे। वैदिक ऋषियों ने सरस्वती को मां जाना। यहीं यज्ञ चले, यज्ञ अग्नि से साक्षात्कार हुए ऋषियों के। सरस्वती पुत्रों को ह्यभरतजनह्न नाम मिला सरस्वती तट पर। यहीं इसी तट पर अग्निधर्मा सत्य अभीप्सा ह्यभारतह्न कहलाई-तस्माद् अग्निर्भारत। फिर यही सरस्वती नदी रूप में विलुप्त हो गयीं। वैलेन्टाइनी सरस्वती को कल्पना मानते थे। अब सरस्वती का अस्तित्व सिद्ध हो चुका है। सरस्वती ने भारत के मन को नीर-क्षीर विवेकी बनाया। वाग्देवी सरस्वती विवेक की अधिष्ठात्री बनी। वसंत की मस्ती में विवेक का अनुशासन जरूरी है। सोम मस्ती है और ओम् जागरण। परम्परा में दोनो हैं। वसंत के साथ सरस्वती का भी उगना सकारण है। वसंत अप्रतिम सौन्दर्यबोध है तो सरस्वती अप्रतिम आत्मबोध। जगत में रस आपूरण है। इस रस का अजर अमर और अक्षय रस स्रोत महारस है। तैत्तिरीय के ऋषि ने उसे ह्यरसो वे सःह्न गाया है। वसंत वैदिक मंत्रों में है। परवर्ती साहित्य में है। कालिदास के सृजन में प्रकृति की यह तरुणाई मोहक है। हिरणी हिरण की पीठ सींग से खुजलाती है। वसंत विह्वल नायिका इरावती नायक अग्निमित्र को पुष्प गुच्छ भेजती है। तुलसीदास संत थे। वसंत ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। तुलसी की अनुभूति में वसंत प्रभाव मुर्दो को भी हिला देता है-"जागे मनोभव मुएंहु मन वन सुभगता न परे कही।" श्रीराम मंगल भवन हैं, अमंगलहारी हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम भी हैं। लेकिन कविता में वे भी वसंत खेलते हैं-खेलत वसंत राजाधिराज। सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला हमारे गांव के पड़ोस के। उनकी वसंत अनुभूति का क्या कहना? गाया है "वर्ण गंध धर मधुमरन्द भर तरू-उर की अरूणिमा तरूणतर।" कालिदास, जैसी वसंत अनुभूति को आज हम सोच भी नहीं सकते।

Social Media Corner

सच के हक में...

पिछले 10 वर्षों के दौरान हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए समर्पित रही है। मध्य प्रदेश के झाबुआ में जनजातीय महासभा को संबोधित कर रहा हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ नहीं दे रही केंद्र सरकार ना तो पेंशन के लिए सहयोग करती है, ना ही राशन के लिए... इसलिए हमें सर्वजन पेंशन योजना और ग्रीन कार्ड लाना पड़ा। पीएम आवास पर जब उन्होंने मना कर दिया तो हमें अबुआ आवास योजना लाना पड़ा। राज्य की जनता के हक एवं अधिकार के लिए, विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का अभियान जारी रहेगा।

(सीएम चंपाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर विकास की मुख्य धारा धारा से वंचित आदिवासी समाज के कल्याण का कार्य किया जा रहा है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बनती जा रही है विकसित भारत की डगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में अपने संबोधन में कहा कि विगत 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गयी है। अब आगामी पांच वर्ष विकसित भारत की बुनियाद के होंगे। स्टार्टअप, पेटेंट और सेमीकंडक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत का परचम दुनिया में फहराते हुए दिखेगा। गौरतलब है कि इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भी एकमत से कहा जा रहा कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बन सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट ह्यद इंडियन इकोनॉमी- ए रिव्यूह्न में कहा गया है कि अगले तीन साल में भारतीय अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर की हो जायेगी और भारत आर्थिक आकार के लिहाज से अमेरिका व चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि पिछले एक दशक में सरकार के साहसिक आर्थिक निर्णयों ने देश की आर्थिक बुनियाद को मजबूत बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकता हुआ सितारा है और जिस तरह आर्थिक सुधारों की डगर पर आगे बढ़ रहा है, वह 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार कर सकता है। पिछले दिनों चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित आलेख में कहा गया है कि भारत तेज आर्थिक विकास के साथ एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। दुनिया की प्रमुख रेटिंग एजेंसियां एकमत से कह रही हैं कि भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत के पास टिकाऊ विकास के अभूतपूर्व अवसर हैं। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत, अमेरिका और रूस से मित्रता, बढ़ते भारतीय बाजार के कारण कई देशों की भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते की ललक, प्रवासी भारतीयों द्वारा 2023 में 125 अरब डॉलर से अधिक धन देश को भेजने के साथ नये आर्थिक तकनीकी विकास के लिए बढ़ते कदम, चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नये वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में उभरा है। इसके साथ मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान, शेयर बाजार का सबसे तेजी से बढ़ना, सबसे बड़ी युवा आबादी, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, बड़े पैमाने पर पूंजीगत खर्च, गैर जरूरी आयात में कटौती और अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता टिकाऊ विकास की बुनियाद बन सकती हैं। यह भी अहम है कि भारत द्वारा जी-20 की सफल अध्यक्षता से नये आर्थिक लाभों की ऐसी अभूतपूर्व संभावनाएं मिली हैं, जिससे निर्यात, विदेशी निवेश, विदेशी पर्यटन और डिजिटल विकास का नया क्षितिज उभर रहा है। अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने इन देशों से नये आर्थिक लाभों की उम्मीदों को बढ़ाया है। इससे अब भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़ेगा। वैश्विक स्तर पर ऐसे निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत सर्वाधिक निवेश पाने वाले 20 देशों की सूची में आठवें पायदान पर रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 616 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है। भारतीय शेयर बाजार भी बड़ी बढ़त पर है। दो फरवरी को सेंसेक्स 72,000 को पार कर गया था, जो आम चुनाव के पहले 80,000 हजार तक जा सकता है। साथ ही अब कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, ट्रांसपोर्ट, ऑटोमोबाइल, फॉर्मा, फुड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, साइबर सिक्योरिटी, आईटी, रिटेल ट्रेड, हॉस्पिटेलिटी आदि क्षेत्र अच्छा करते दिखेंगे। भारत नये मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की राह पर बढ़ता दिखाई देगा।

विवेक बाकी है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने और समायोजन को वापस लेने के अपने रुख पर कायम रहते हुए मुद्रास्फीति को उत्तरोत्तर लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित रखने के अपने मकसद पर अटल रहने का विवेकपूर्ण विकल्प चुना है। निर्णायक 5-1 के बहुमत के साथ, समिति मौद्रिक नीति को स्पष्ट रूप से अवस्फीतिकारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाओं को नियंत्रित रखा जा सके। खासकर ऐसे समय में, जब ह्यबड़े और दोहराव वाले महंगाई के झटके अवस्फीति की रफ्तार को बाधित कर रहे हैंह्न। लगातार छठी बैठक के लिए रेपो दर को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने के औचित्य के सवाल पर, गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि घरेलू आर्थिक रफ्तार जहां मजबूत बनी हुई है, वहीं खाद्य पदार्थों की कीमतों में छाई अनिश्चितताएं हेडलाइन मुद्रास्फीति की राह में रोड़ा बन रही हैं। उन्होंने साफ किया कि विचार-विमर्श के केन्द्र में यह वास्तविक जोखिम था कि खाद्य कीमतों का दबाव ज्यादा सर्वव्यापी न हो जाए और व्यापक हेडलाइन मुद्रास्फीति को प्रभावित न करने लगे। एमपीसी के बहुमत को मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई को प्राथमिकता देने पर एकजुट होने को खुदरा मुद्रास्फीति के हालिया रुझानों की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। हेडलाइन खुदरा मुद्रास्फीति, जो जुलाई के 7.4 फीसदी के 15 महीने के उच्चतम स्तर से कम होकर अक्टूबर में 4.87 फीसदी हो गई थी, वह दिसंबर में फिर से उछलकर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.69 फीसदी पर पहुंच गई और उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक के हिसाब से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़कर 9.53 फीसदी पर जा पहुंची, जोकि अक्टूबर महीने के 6.61 फीसदी से 292 आधार अंक ज्यादा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

खुदरा महंगाई आंकड़े, एफआईआई से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार बरकरार रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह जनवरी की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह जनवरी की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले है। साथ ही कोल इंडिया, एचएएल, एनएचपीसी, सेल, भेल, हिंडाल्को, आईआरसीटीसी, एमटीएनएल और ओआईएल समेत कई दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाले हैं। इस सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की अहम भूमिका रहेगी। इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और एफआईआई के निवेश रुख पर भी बाजार की नजर रहेगी।

एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 फरवरी को जारी होंगे। वहीं थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े 14 फरवरी को आएंगे। अमेरिका के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 13 फरवरी तथा खुदरा बिक्री के आंकड़े 15 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। इन आंकड़ों के बीच अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल तथा डॉलर सूचकांक में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान एनएचपीसी, सेल, बीएचईएल, हिंदुस्तान कॉपर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अन्य कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

लेडी दानवीर कर्ण मैकेंजी स्कॉट ने अब तक दान किए 1.32 लाख करोड़

- अब भी 3 लाख करोड़ की मालकिन, पूर्व पति से मिली थी दौलत

सैन फ्रांसिस्को ।

यहां एक ऐसी महिला की बात की जा रही है जिन्हें लेडी दानवीर कर्ण कहा जाए तो यह गलत नहीं होगा। वह दानवीर होने के मामले में कर्ण की बराबरी तो नहीं कर पाएंगी लेकिन आज के समय में वह इस मामले में कई महिलाओं से आगे हैं। हम बात कर रहे हैं मैकेंजी स्कॉट की।

मैकेंजी स्कॉट अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी हैं। उन्हें बेजोस से अलग होने के बाद अमेजन में 4 फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। 2021 में उनकी नेटवर्थ 51 अरब डॉलर से अधिक हो गई थी। हालांकि उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति दान देने की बात कुछ साल पहले कही थी और तब से वह ऐसा कर भी कर रही हैं।

उन्होंने पिछले साल अमेजन के 10 अरब डॉलर के शेयर बेच दिए. इस राशि का वह क्या करेंगी यह तो अभी साफ नहीं है लेकिन काफी अधिक संभावनाएं हैं इसका इस्तेमाल भी वह चैरिटी के लिए कर सकती हैं। मैकेंजी स्कॉट ने गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर किये हैं। इसे दुनियाभर के कई बड़े रईसों ने साइन किया है। इसके तहत इन लोगों ने अपनी अधिकांश संपत्ति दान करने का प्रण लिया है। मैकेंजी अब तक 16 अरब डॉलर दान कर चुकी हैं। यह भारतीय करेंसी में 1.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। संभवतः अभी वह और काफी दौलत दान करेंगी। उनका और जेफ बेजोस का तलाक दुनिया के सबसे महंगे तलाकों में से एक रहा था।

उन्हें इसके बदले अमेजन में 4 फीसदी शेयर मिले थे। इसकी वैल्यू 2019 में करीब 36 अरब डॉलर थी जो बाद काफी बढ़ गई। फोर्ब्स के मुताबिक शेयर बेचने के बावजूद अब भी उनकी कुल नेटवर्थ 37 अरब डॉलर है। भारतीय करेंसी में यह 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मैकेंजी एक लेखिका भी हैं। उन्होंने पहला उपन्यास 2005 में लिखा था। इसका नाम द टेस्टिंग ऑफ लूथर अलब्राइट था। इसके लिए उन्हें 2006 में अमेरिकन बुक अवॉर्ड मिला था। वह फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सूची में 13वें स्थान पर हैं। मैकेंजी न सिर्फ जेफ बेजोस की पत्नी थी बल्कि वह अमेजन के शुरुआती सदस्यों में से एक थीं। उनकी शादी 1993 में हुई थी और 2019 में दोनों का तलाक हो गया था।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी नजर आ रही है। रविवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 76.84 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे और डीजल में 41 पैसे की गिरावट है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 30 और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। हरियाणा, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। दूसरी ओर हिमाचल में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र और केरल में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपये और डीजल 94.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

देश का सबसे बड़ा गैस आयात सौदा है कतर से एलएनजी खरीद का अनुबंध

नई दिल्ली ।

पेट्रोनेट द्वारा 2029 से 20 साल के लिए कतर से सालाना 75 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीद अनुबंध का नवीकरण संभवतः दुनिया में इस ईंधन की खरीद का सबसे बड़ा सौदा है। इससे भारत को स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने यह बात कही है। पेट्रोनेट के वे रिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि मूल 25-वर्षीय समझौते पर 1999 में हस्ताक्षर किए गए थे और इसमें आपूर्ति 2004 में शुरू हुई थी। तब से कतर ने कभी एक भी खेप में चूक नहीं की है और न ही उसने दाम काफी ऊंचे होने के दौरान भारतीय कंपनी द्वारा आपूर्ति नहीं लेने की वजह से खरीदों या भुगतान करो प्रावधान के तहत कोई जुर्माना लगाया है। विस्तारित अनुबंध के तहत आपूर्ति पेट्रोनेट द्वारा उन 52 खेप (कार्गो) की डिलिवरी लेने के बाद शुरू होगी जो वह 2015-16 में कीमतों में उछाल की वजह से लेने में विफल रही थी। हालांकि अनुबंध की मात्रा कभी नहीं बदली है, लेकिन कीमत

में चार बार बदलाव हुआ है। इसमें ताजा मामला भी शामिल है, जिसमें अनुबंध विस्तार पर नए सिरे से बातचीत हुई है। इसके अलावा जिस गैस की आपूर्ति का वादा किया गया था उसकी संरचना भी बदल गई है। रासगैस जिसे अब कतर एनर्जी के नाम से जाना जाता है, ने मूल रूप से ईथेन और प्रोपेन तत्वों वाली रिच गैस की आपूर्ति के लिए अनुबंध किया था, जिसका इस्तेमाल पेट्रोरसायन परिसरों में किया जाता है। इसने सालाना 50 लाख टन (एमटी) एलएनजी की आपूर्ति की है जिसमें मीथेन के साथ-साथ ईथेन और प्रोपेन युक्त गैस की आपूर्ति शामिल है।

देश के तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

- कच्चा पामतेल और पामोलीन तेल के दाम पूर्व स्तर पर ही बंद हुए

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में कल गिरावट दर्ज की गई। महंगा होने के कारण मूंगफली तेल तिलहन और विदेशों से आपूर्ति कम होने के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल पूर्व स्तर पर ही बंद हुए। हाजिर बाजार में सीपीओ की आपूर्ति बहुत कम है। शिकॉगो एक्सचेंज शे निवार रात 1.5 प्रतिशत मंदा बंद हुआ था। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद है। मंगलवार को सीपीओ और पामोलीन का रुख स्पष्ट होगा। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौसम खुलने के साथ मंडियों में सरसों का दवाब बढ़ना चालू हो गया है। मंडियों में सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 10-12 प्रतिशत नीचे बिक रहा है। मौसम खुलने के साथ आगे सरसों की आवक बढ़ेगी और दाम आगे भी टूटने के आसार हैं। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,400-5,450 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,150-6,225 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,165-2,440 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,675 -1,775 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,675 -1,780 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-8,150 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,200 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,275 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 8,550 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,700-4,730 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,510-4,550 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का) 4,050 रुपये प्रति क्विंटल।

5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग वाली पंच ग्राहकों को आ रही पसंद

मुंबई। भारतीय बाजार में 7-8 लाख रुपये के बजट में लोगों को टाटा पंच खूब भा रही है। हाल ही में कंपनी ने पंच को सीएनजी वैरिएंट में सनरूफ के साथ लांच किया है। सीएनजी के वजह से पंच को चलाना और भी किफायती हो गया है। टाटा की ये 5-सीटर एसयूवी 5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। जनवरी 2024 में इंडियन मार्केट यह कार 14,383 यूनिट्स बिकी है जो कि एक नई कार के लिए अच्छा आंकड़ा है। पंच की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होकर 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इसमें 366 लीटर का बूटस्पेस मिलता है। पंच बाजार में अपना दबदबा बना चुकी है लगातार ब्रेजा, बलेनो और डिजायर जैसी मारुति की टॉप सेलिंग कारों को टक्कर दे रही है। कॉम्पैक्ट साइज होने के बावजूद पंच में 5 लोगों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह मिलती है। इतना ही नहीं टाटा पंच में 366 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। टाटा पंच में कंपनी 1.2 लीटर 3 सिलेंडर पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल कर रही है। यह इंजन 88 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 115 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

पेटीएम ने एम दामोदरन की अगुवाई में बनाई ग्रुप एडवाइजरी कमेटी

नई दिल्ली । पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अपनी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर की गई कार्रवाई के बीच सेबी के पूर्व चेयरमैन एम दामोदरन की अध्यक्षता में एक ग्रुप एडवाइजरी कमिटी का गठन करने की घोषणा की। वन97 कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि यह कमेटी रेगुलेटरी मामलों पर कंपनी को सलाह देगी।सेबी के पूर्व प्रमुख दामोदरन इस समिति के प्रमुख बनाए गए हैं। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एमएम चितले और आंध्रा बैंक के पूर्व चेयरमैम और मैनेजिंग डायरेक्टर आर रामचंद्रन भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि ग्रुप एडवाइजरी कमेटी निदेशक मंडल के साथ मिलकर काम करेगी और जरूरत होने पर अतिरिक्त सदस्यों को शामिल करने का फैसला करेगी। इस समिति की स्थापना ऐसे समय में हुई है जब पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा के स्वामित्व वाला पेटीएम पेमेंट्स बैंक आरबीआई की जांच के दायरे में आ गया है। रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी को एक निर्देश में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी के बाद ग्राहक अकाउंट्स, वॉलेट, फास्टैग और अन्य इंस्ट्रूमेंट में जमा या टॉप-अप स्वीकार करना बंद करने को कहा था।

लाल सागर संकट से लागत हो सकती है प्रभावितः मारुति

- कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था

नई दिल्ली । लाल सागर संकट के कारण जहाजों के मार्ग बदलने से देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की लागत कुछ बढ़ सकती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि कंपनी ने कहा है कि उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह उल्लेखनीय नहीं होगी। उन्होंने कहा कि माल निर्यात के समय में कुछ बदलाव हो सकता है। इससे जहाजों के आने और निर्यात के लिए वाहनों के उठाव में कुछ अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। भारती ने कहा कि यह एक छोटा मुद्दा है, लेकिन निर्यात कारोबार में एक सामान्य बात है। लाल सागर जलडमरू मध्य वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत का लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार इसी मार्ग से होता है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी ने इस दशक के ओ खिर तक कम से कम 7.5 लाख वाहनों के निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका एक अच्छा बाजार बनता जा रहा है और कई कारणों से पश्चिम एशिया क्षेत्र ने हाल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सरकार कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर रही है, जिसमें कंपनी को शुल्क में कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मारुति इस साल बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) का उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.18 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी और एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 2,18,598.29 करोड़ रुपये बढ़ गया। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 1,06,631.39 करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 86,146.47 करोड़ रुपये बढ़कर ,83,637.38 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान एसबीआई की बाजार हैसियत 65,908.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,46,365.02 करोड़ रुपये हो गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 61,435.47 करोड़ रुपये बढ़कर 15,12,743.31 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 5,108.09 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 19,77,136.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,963.94 करोड़ रुपये घटकर 10,65,808.71 करोड़ रुपये रह

गया। आईटीसी का मूल्यांकन 30,698.62 करोड़ रुपये घटकर 5,18,632.02 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 16,132.15 करोड़ रुपये घटकर 6,31,044.50 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,044.09 करोड़ रुपये कम होकर 6,92,980.35 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 9,779.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,09,254.77 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,013.53 करोड़ रुपये घटकर 5,69,587.91 करोड़ रुपये रह गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

गोल्ड प्लस ग्लास ने सेबी के पास जमा किए आईपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली । गोल्ड प्लस ग्लास इंडस्ट्री लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए राशि एकत्रित करने के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा कर दिए हैं। दस्तावेजों के मुताबिक फ्लोट ग्लास विनिर्माता कंपनी आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी। इस के अलावा प्रवर्तक और निवेशक शेयरधारकों की ओर से 1.56 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में सुरेश त्यागी, जिमी त्यागी, पीआई अपॉर्चुनिटीज फंड-एक और कोटक स्पेशल सिचुएशंस फंड शामिल हैं। दिल्ली की यह कंपनी 100 करोड़ रुपये के आईपीओ पूर्व नियोजन पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर निर्गम का आकार घट जाएगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि में से 400 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज का भुगतातन करने में करेगी। इसके एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कंपनी कामकाज में किया जाएगा। गोल्ड प्लस देश की प्रमुख फ्लोट ग्लास विनिर्माताओं में से है। सितंबर, 2023 तक विनिर्माण क्षमता में इसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत थी।

ईरान के सेब ने गिराए हिमाचली सेब के भाव

- बागवानों को 800 रुपये प्रति पेटी का नुकसान

शिमला ।

अवैध रूप से भारत पहुंच रहे ईरान के सेब ने हिमाचली सेब के दाम गिरा दिए हैं। विदेशी सेब सस्ता होने के कारण हिमाचल को अच्छे दाम नहीं मिल पा रहे हैं। हालात यह है कि जुलाई-अगस्त में सीजन के दौरान जो सेब 2000 रुपये बॉक्स बिका था, वह सेब कोल्ड स्टोर से निकालने के बाद अब 1500 रुपये पेटी बिक रहा है। दाम गिरने से बागवानों को प्रति पेटी करीब 800 रुपये का नुकसान हो रहा है। बता दें कि सेब को स्टोर रखने का करीब 300 रुपये प्रति बॉक्स खर्च देना पड़ता है। हर साल हिमाचल का करीब एक करोड़ पेटी सेब स्टोर होता है। ईरानी सेब अफगानिस्तान के रास्ते अवैध रूप से भारत पहुंच रहा है। साफ्ता (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया) के चलते बिना शुल्क चुकाए ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। खर्चा कम होने के कारण यह सस्ता है। जानकारी के मुताबिक ईरानी सेब का एक बॉक्स 1,000 से 1,200 रुपये में बिक रहा है। सस्ता होने के कारण हिमाचली सेब को उचित दाम नहीं मिल रहे। दिल्ली की आजादपुर मंडी में रोज ईरानी सेब के 15 से 20 एसी कंटेनर पहुंच रहे हैं। दक्षिण भारत की मंडियों में भी ईरानी सेब की आमद बहुत अधिक है। खरीदारों को ईरानी सेब सस्ता मिल रहा है।

हालांकि, मंडियों में निजी कंपनियों के प्रीमियम सेब को अच्छे दाम मिल रहे हैं। अदाणी, बीजा, देवभूमि सहित अन्य कंपनियों ने सीजन में बागवानों से प्रीमियम सेब की किलो के हिसाब से खरीद की थी। अब सेब के अच्छे दाम मिल रहे हैं। बिना आयात शुल्क चुकाए अवैध रूप से कम खर्चे में ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। ईरानी सेब का अवैध आयात बंद करने की मांग केंद्र सरकार से पहले भी कई बार की है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यूरोपियन देशों में ईरानी सेब प्रतिबंधित है।

एआई से उत्पन्न होने वाले खतरों से सचेत रहें बैंकः आरबीआई के डिप्टी गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से उत्पन्न होने वाले कानूनी, साइबर जोखिमों और कौशल की कमी जैसे जोखिमों के प्रति सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई और जेनएआई को अपनाने के साथ कानूनों को फिर से परिभाषित किया जाना है। उद्योग को यह ध्यान देना चाहिए कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के नियम जल्द ही आने वाले हैं और हो सकता है कि बैंक इनमें से कुछ का उल्लंघन कर दें। इसलिए तैयारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुंबई में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के द्वारा आयोजित 19वें वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी सम्मेलन में कहा कि बैंकों को ग्राहक सुविधा के बारे में सोचने और उसके अनुसार सेवाएं देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जब नियम बनाते हैं, तो हमें इसे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक बनाने के बारे में सोचना चाहिए और इसमें लगातार सुधार करना चाहिए। डिप्टी गवर्नर शंकर ने कहा कि हर नई तकनीक ने कुछ नौकरियां खत्म की हैं लेकिन नई नौकरियां पैदा भी की हैं। ऐसे में कार्यबल को प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

बीते सप्ताह माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक रहा

न्यूयॉर्क । माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण सप्ताह के ओ खिर में 3.125 ट्रिलियन डॉलर का रहा, जो अब तक किसी भी कंपनी के लिए सबसे अधिक है। कंपनी का मार्केट कैप एप्पल द्वारा निर्धारित पिछले रिकॉर्ड में सबसे ऊपर है, जो जुलाई में 3.09 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। एप्पल का 2.916 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ समाप्त हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) के साथ बंद होने वाली पहली अमेरिकी कंपनी भी है। माइक्रोसॉफ्ट का स्टॉक सप्ताह के ओ खिर में 420.55 डॉलर पर बंद हुआ। पिछले 12 महीनों में, इसके शेयरों में 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर को लेकर उत्साह है। कंपनी ने पिछले महीने वॉल स्ट्रीट के पूर्वानुमानों से पहले तिमाही राजस्व और लाभ की सूचना दी और प्रबंधन ने कंपनी के एआई लाभ पर ध्यान दिया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने उस समय एक बयान में कहा था कि हम एआई के बारे में बात करने से लेकर एआई को बड़े पैमाने पर लागू करने की ओर बढ़ गए हैं।

अध्यात्म के जरिए भारत को जोड़ा शंकराचार्य ने

आठ वर्ष की आयु में शंकर ने जब अपना शैक्षिक अध्ययन समाप्त किया तो रुचि जगी कि वह साधु बनकर संसार की वास्तविकता का ज्ञान अर्जित करे और साथ ही साथ स्वयं को भी पहचाने कि जीवन का लक्ष्य क्या है। मां से नाना प्रकार के जटिल प्रश्न जब भी वह पूछता तो माता का भयभीत होना स्वाभाविक था क्योंकि वही उसकी आंखों का तारा था।

आदिगुरु शंकराचार्य का जन्म केरल प्रांत की आलबाई नदी के किनारे बसे एक गांव कालटी में 788 ई. में नम्बूदरी ब्राम्हण परिवार में हुआ था। उनकी मां का नाम सुभद्रा और पिता को लोग शिवगुरु कहकर बुलात थे। दोनों पति-पत्नी उच्च आदर्शों एवं विचारों के थे। पिता अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति के होने के कारण नित्य पूजा?पाठ, धर्म?कर्म में विशेष रुचि लेते थे। विवाह के काफी समय बाद शिवगुरु के घर शंकर का जन्म हुआ किन्तु उनकी 3 वर्ष की अल्पायु में ही उनके पिता का देहावसान हो गया। संभवतः भाग्य में ऐसा ही लिखा था कि संतान यदि हुई तो वह पिता का सुख नहीं भोगेगी।

घर का सारा बोझ बेसहारा मां पर आ पड़ा। मां को उनके पालन?पोषण में कठिनाई भी हुई उनका एक ही लक्ष्य था? शंकर शिक्षित हो। तीन वर्ष की अल्पायु में ही जब शंकर ने अक्षराभ्यास प्रारम्भ किया तो उसके गुरु बालक की कुशाग्र बुद्धि देखकर आश्चर्यचकित हो गये। वह जो भी सुनता एकाग्र हो कर सुनता और सुने हुए को तत्काल ही सुनाने में सक्षम था। उसकी प्रतिभा से सभी प्रभावित थे। पांच वर्ष की आयु में उसने लौकिक साहित्य का अध्ययन समाप्त कर जब वेद-वेदांगों के निमित्त गुरुकुल में प्रवेश लिया तो वेद मंत्रों को कंठस्थ करते ही उनके गूढ़ अर्थ अपने सहपाठियों को समझाया करता। उसी अल्पायु में जब बालक शंकर ने अपनी विलक्षण बुद्धि से बाल बोध संग्रह की रचना कर डाली तो सभी दंग रह गये। मां उसे स्नेह से दुलारतीं क्योंकि वे उसी पर जीवन की शेष आशाएं केंद्रित किए बैठी थीं।

आठ वर्ष की आयु में शंकर ने जब अपना शैक्षिक अध्ययन समाप्त किया तो रुचि जगी कि वह साधु बनकर संसार की वास्तविकता का ज्ञान अर्जित करे और साथ ही साथ स्वयं को भी पहचाने कि जीवन का लक्ष्य क्या है। मां से नाना प्रकार के जटिल प्रश्न जब भी वह पूछता तो माता का भयभीत होना स्वाभाविक था क्योंकि वही उसकी आंखों का तारा था। इस छोटी सी उम्र में संसार से विमुख हो संन्यासी बनने के सपने देखना जब मां को संदेहास्पद लगा तो उन्होंने चाहा कि शंकर का विवाह कर उसे बंधनों में जकड़ दिया जाए, पर शंकर न माना।

मां नित्य नदी में स्नान करने के पश्चात ही घर के अन्य कार्यों में हाथ लगाती इसलिए शंकर को भी गंगा स्नान करने का सौभाग्य प्रतिदिन प्राप्त हो जाता। एक दिन मां जब स्नान के पश्चात नदी के घाट पर अपने कपड़े बदल रही थी तो शंकर की चीतकार उनके कानों में पड़ी। उन्होंने देखा कि एक भयानक मगर ने शंकर की टांग जकड़ ली है। बालक और घड़ियाल के बीच भीषण संघर्ष का स्वर सुन अन्य लोग भी दौड़े चले आए। घड़ियाल की पकड़ से शंकर जैसे ही मुक्त हुआ मां ने उसे अपनी गोद में भर कर रोना शुरू कर दिया। सभी लोग बोले? शंकर का दूसर जन्म हुआ है, तुम्हारा किसी जन्म का पुण्य काम आ गया मां जी।

सांत्वना के स्वर में उस दिन घर पर मां को समझाते हुए शंकर बोले? मां अपने बेटे को अब तो संन्यासी बन जाने की आज्ञा दे दे। समझती क्यों नहीं, तेरे शंकर को मगर खा जाता तो क्या करती। मां ने शंकर से यह वचन लिया कि उनकी मृत्यु के समय वह उनके पास उपस्थित रहेंगे और उन्हें संन्यासी बनने की आज्ञा दे दी। इसके बाद शंकर श्रेष्ठ गुरु की खोज में त्याग कर उत्तर दिशा की ओर चले गये और घने जंगलों, उंचे पहाड़ों और गहरी नदियों को लांघते हुए नर्मदा के किनारे ओंकारेश्वर की एक गुफा में बैठे मुनि गोविन्दाचार्य के चरणों में बैठ कर उनसे दीक्षित होने का मन बना लिया। उनसे दीक्षा लेने के बाद शंकर वैदिक धर्म के प्रचार के लिए काशी चले गये। इसके बाद हरिद्वार में उन्होंने व्यासाश्रम में चार वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद 16 प्रसिद्ध ग्रंथों की भाष्य रचना की जिनमें ब्रम्हसूत्र, द्वादश-उपनिषद, भगवद्गीता, विष्णु सहस्र नाम और सनत्सुजातीय आदि उल्लेखनीय हैं। उन्होंने लोगों को पंच देवता की पूजा और पंच महायज्ञों के अनुष्ठान के लिए प्रेरित किया।

शंकराचार्य जी का कहना था कि मोक्ष के लिए ज्ञान साधना आवश्यक है। उन्होंने सहज सिद्धि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी साधना ऐसी होनी चाहिए जिससे चित्त क्षुब्ध न हो। चित्त ही सबका बीज रूप है क्योंकि भय और निर्वाण उसी से उपजते हैं। चित्त स्वभावतः शुद्ध होता है किंतु वह बंधन पाकर दौड़ता है और मुक्त होकर ही स्थिर रह सकता है। इस महान पथ प्रदर्शक ने 32 वर्ष की आयु में कैलाश में समाधि ले ली।

गो सेवा को माना परम धर्म

विभिन्न धर्मग्रंथों में वर्णित है कि गाय में सभी देवी-देवताओं का वास है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि गायों की सेवा के लिए समय-समय पर देश के विभिन्न भागों में गोशालाओं की स्थापना की जाती है।

हिसार जिले के गांव बुड़ाक में स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला भी गोसेवा की पर्याय बनी हुई है। इसमें गायों के स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। हरियाणा में 200 से भी अधिक गोशालाएं हैं जो गोभक्तों के सहयोग से सुचारु रूप से चल रही हैं। बुड़ाक में बनी श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला भी सदानंद महाराज व गोभक्तों के सहयोग से दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की पर है। अब इस गोशाला में 300 से भी अधिक गाय हैं। इस गोशाला के प्रांगण की साफ-सफाई देखते ही बनती है। लगभग नौ एकड़ भू-भाग पर बनी इस गोशाला में गायों की सेवा के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। यहां ट्रैक्टर-ट्राली के अलावा पानी का टैंकर, चारा ढोने के लिए बैलगाड़ी, जनरेटर, आटा चक्की मशीन व इन्वर्टर का भी प्रबंध किया गया है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले गोभक्तों के रहने के लिए कमरों की व्यवस्था की गई है। गोशाला में उचित व्यवस्था के लिए चार शेड बनाए गए हैं और गायों को गर्मी से बचाने के लिए हर शेड में पंखों की व्यवस्था की गई है। गांव बुड़ाक के निवासी गोशाला में समय-समय पर किए जाने वाले निर्माण कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। गांव बुड़ाक के निवासियों का कहना है कि वे गायों की सेवा को ही परम धर्म मानते हैं। बुड़ाकवासियों के मन में इस गोशाला के निर्माण का विचार गांव में लावारिस पशुओं की बढ़ती संख्या के कारण आया। ये लावारिस पशु फसलों में काफी नुकसान पहुंचाते थे। खेतों में फसलों की बिजाई के बाद गांव बुड़ाक के निवासियों ने खुली घूमती गायों को एक जगह इकट्ठा किया और उनके चारे का प्रबंध किया। ग्रामीणों ने फसल तैयार होने तक उन गायों को एक जगह रखा और उन्हें चारा व पानी देकर उनकी देखभाल की। इससे ग्रामीणों को फायदा हुआ और खेतों से काफी पैदावार मिली। इस तरह फायदा मिलने पर ग्रामीणों ने एक गोशाला का निर्माण करवाने का विचार किया जिसका प्रतिफल गांव बुड़ाक में स्थित गोशाला वर्तमान में गोसेवा के लिए दूर-दूर तक जानी जाती है।

इस गोशाला के निर्माण में स्वामी सदानंद महाराज का विशिष्ट सहयोग रहा है। ग्रामीण उनसे मिले तो उन्होंने गोशाला खोलने का आश्वासन दिया। उन्होंने पंचायत की जमीन में गोशाला की नींव रखी। गोभक्तों के सहयोग से धीरे-धीरे गोशाला की प्रसिद्धि दूर-दूर तक हुई।

श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला में गायों के लिए काफी सुविधाएं की गई हैं। छोटी तथा बड़ी गायों के लिए अलग-अलग शेड बनवाए गए हैं। दूध देने वाली गायों को अलग शेड में रखा गया है और जो गाय बीमारी के कारण कमजोर हो जाती हैं उनको अलग शेड में रखा जाता है। सभी शेड में पीने के पानी का विशेष प्रबंध किया गया है। समय-समय पर गायों को खेतों में चराने के लिए ले जाया जाता है।

श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला में गोअष्टमी धूमधाम से मनाई जाती है। इस अवसर पर असंख्य गोभक्त यहां आते हैं और गायों के लिए कुछ न कुछ दानस्वरूप अवश्य देकर जाते हैं। यहां साल में दो बार गुरु सदानंद महाराज भी पधारते हैं। इस अवसर पर गोशाला में भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। इस आयोजन में गोभक्तों की भीड़ देखते ही बनती है।

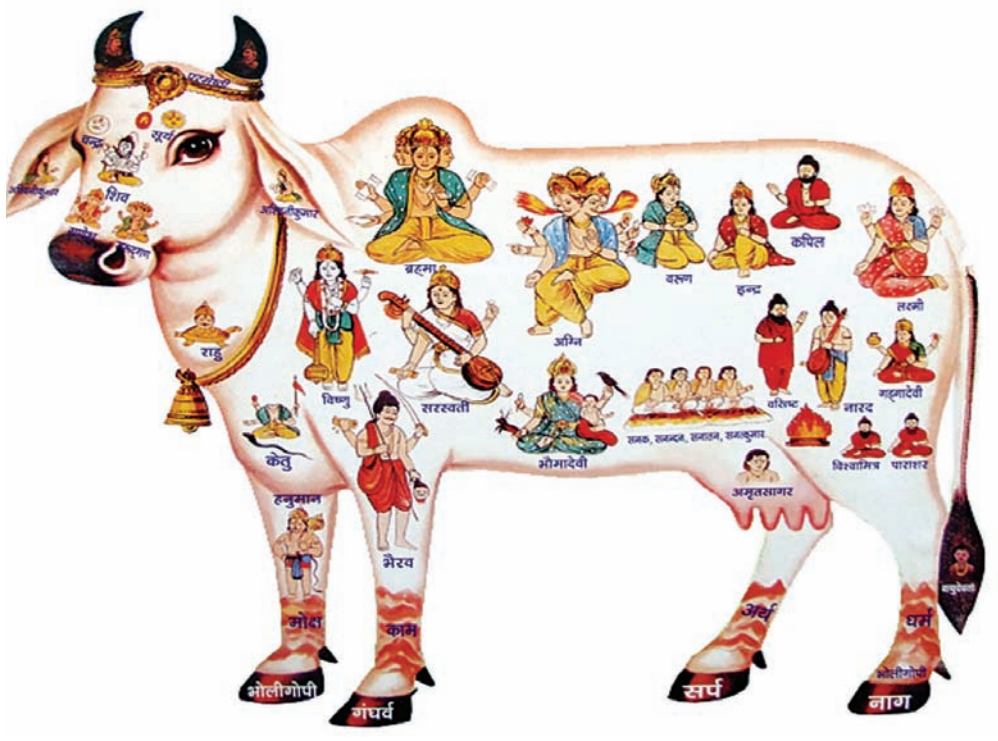

नूतन का नाद करता शंख

जब-जब हमारी संस्कृति में युग-परिवर्तन के क्षण आते हैं, तब-तब शंख अपने नाद से पूरी दुनिया को इसकी सूचना देता है। मान्यता है कि महाभारत में आततायी कौरवों के प्रति कृष्ण ने पांचजन्य और अर्जुन ने देवदत्त शंख फूंककर ही युग परिवर्तन लाने वाले युद्ध के आरंभ की घोषणा की थी।

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार, ईसा पूर्व में भी शंखों के व्यापार संबंधी साक्ष्य मिलते हैं। जापान के सम्राट हिरोहितो के पास शंखों का भंडार था। फ्रांस की क्त्रो मैग्नन गुफा से भी विभिन्न प्रकार के शंख प्राप्त किए गए हैं। डॉ. नेरिल मूर का भी कहना है कि शंख का मनोविज्ञान से गहरा संबंध है। शंखनाद के प्रभाव के संबंध में बर्लिन विश्वविद्यालय के एक शोध से ज्ञात हुआ है कि शंखनाद विषाणु नष्ट करने में बहुत कारगर सिद्ध होता है। चिकित्सा विज्ञानियों का भी मानना है कि शंख फूंकने वाले व्यक्ति के फेफड़े शक्तिशाली हो जाते हैं।

ओंकार स्वरूप स्वस्तिक

देव संस्कृति में गंगा का उद्व ही मानवमात्र के कल्याण के लिए हुआ है। संभवत- इसीलिए इसके मांगलिक प्रतीकों में स्वस्तिक का स्थान सर्वोच्च है। स्वस्तिक शब्द स्वस्ति से उपजा है, जो सु उपसर्ग एवं अस् धातु से बना है। सु का अर्थ है सुंदर अथवा मंगल तथा अस् का अर्थ है अस्तित्व या उपस्थिति। अर्थात सर्वमंगल होने की भावना इस प्रतीक में बसी है।

धर्मग्रंथों की मान्यता है कि सृष्टि की उत्पत्ति ओंकार नाद से हुई है और यह स्वर सूक्ष्म रूप में आज भी संपूर्ण ब्रांड में गुंजित हो रहा है। इसी को प्रारंभ में स्वस्तिक रूप में अंकित किया गया। लिपि विज्ञान से जुड़े विद्वान भी मानते हैं कि प्रारंभिक अक्षर गोल न होकर खड़ी पाइयों के रूप में थे। गणेश पुराण में भी स्वस्तिक, ओंकार और गणपति को एक कहा गया है।

स्वस्तिक का मनुष्य की विकास-यात्रा के साथ बहुत पुराना नाता है। मोहनजोदड़ो की एक मुद्रा पर स्वस्तिक के आगे झुके हुए हाथी का अंकन है। रामायण में एक ऐसे जहाज का वर्णन है, जिस पर स्वस्तिक सुशोभित था।

भारत की 'वंदे भारत' ट्रेनें अब विदेशी पटरियों पर भी दौड़ेंगी

नई दिल्ली । जल्दी ही भारत की 'वंदे भारत' ट्रेन अब विदेश की पटरियों पर भी दौड़ने वाली हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि है कि इन ट्रेनों के निर्यात की योजना पर काम हो रहा है। भारतीय रेलवे से 'वंदे भारत' के संबंध में चिली सहित अन्य कई देशों से जानकारी मांगी जा रही है। इस संबंध में रेल मंत्रालय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की इकाइयों के साथ स्वदेशी डिजाइन और क्षमता के साथ ट्रेन के लिए अपनी कार्यशालाओं में कई प्रकार के कलपुर्जे के निर्माण के लिए क्षमता विकसित कर रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हमारे देश में वंदे भारत को विकसित करना चुनौती थी। इंजीनियरों ने चुनौती को बहुत अच्छी तरह से लिया है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आने वाले वर्षों में हम इस ट्रेन का निर्यात शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर ट्रेनों की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने के प्रयासों के साथ वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि 31 जनवरी 2024 तक, देश भर में 82 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू हैं, जो राज्यों को ब्रॉड गेज (बीजी) विद्युतीकृत नेटवर्क से जोड़ती हैं। इसके अलावा, ट्रेन सेवाओं के ठहराव का प्रावधान और वंदे भारत सहित नई ट्रेन सेवाओं की शुरुआत, परिचालन व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधन उपलब्धता आदि प्रक्रियाएं चल रही हैं।

सीएपीएफ में कांस्टेबलों की भर्ती परीक्षा पहली बार 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भी होगी आयोजित

नई दिल्ली। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कांस्टेबलों की भर्ती के लिए पहली बार कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित होगी। यह परीक्षा देशभर के 128 शहरों में करीब 48 लाख उम्मीदवार के लिए 20 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जाएगी। गृह मंत्रालय के अनुसार कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा के प्रश्न पत्र अब हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किया जाएगा। इसमें असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 01 जनवरी 2024 से सीएपीएफ में भर्ती के लिए कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने का फैसला किया था। कांस्टेबल (जीडी) चयन परीक्षा, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित प्रमुख परीक्षाओं में से एक है जो देशभर से लाखों युवाओं को आकर्षित करती है। इसलिए गृह मंत्रालय और कर्मचारी चयन आयोग ने हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने की सुविधा के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तदनुसार एसएससी ने कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा 2024 को अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने के लिए अधिसूचना प्रकाशित की है। मंत्रालय का कहना है कि इस ऐतिहासिक निर्णय से देशभर के लाखों युवा अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में इस परीक्षा में भाग ले सकेंगे जिससे उनके चयन की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसके परिणामस्वरूप पूरे देश में परीक्षार्थियों के बीच इस परीक्षा की पहुंच बढ़ेगी और सभी को रोजगार का समान अवसर भी मिलेगा। केंद्र सरकार की इस पहल से देशभर के युवाओं को अपनी मातृभाषा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा में भाग लेने और देश सेवा में अपना करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है।

कांग्रेस की समराला रैली में नवजोत सिद्धू को नहीं बुलाया

लुधियाना। कांग्रेस ने नवजोत सिद्धू को पंजाब में होने वाली समराला रैली के लिए आमंत्रित नहीं किया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की ओर से समराला में 11 फरवरी को आयोजित रैली के लिए पार्टी के स्टार नेता नवजोत सिंह सिद्धू को अभी तक कोई न्योता नहीं मिला है। सिद्धू के करीबियों का कहना है कि बिना न्योता सिद्ध रैली में कभी नहीं जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर पार्टी की ओर से उन्हें नहीं बुलाया जाता है तो सिद्धू लाबी कुछ बड़ा धमाका कर सकती है। सिद्धू की गैरमौजूदगी का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि समराला से लुधियाना तक लगाए गए बैनर और होर्डिंग्स से नवजोत सिद्धू गायब हैं। दरअसल शनिवार को जब पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से नवजोत सिंह सिद्धू के समराला रैली में आने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उधर, यह भी चर्चा चल रही है कि सिद्धू के एक करीबी सांसद कांग्रेस का दामन छोड़ तरनतारन में आयोजित होने वाली आम आदमी पार्टी की रैली में आप का दामन भी थाम सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आईईडी विस्फोट, सीएएफ का एक जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए एक आईईडी में रविवार को विस्फोट हो जाने से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, जिले में डुमरीपालनर और तिमेनार गांवों के बीच स्थित विस्फोट स्थल से पांच किलोग्राम वजन वाले तीन 'प्रेशर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) भी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि यह विस्फोट सुबह करीब नौ बजे हुआ, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम इलाके में गश्त पर निकली थी। उन्होंने बताया कि सीएएफ का एक जवान आईईडी के संपर्क में आ गया, जिससे विस्फोट हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''विस्फोट में, जवान के पैर में चोट लगी और उसे नेलसनार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे दंतेवाड़ा जिला अस्पताल भेज दिया गया।'' उन्होंने कहा कि घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रायपुर ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने घटनास्थल से पांच किलोग्राम वजन वाली तीन आईईडी भी बरामद की और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। इलाके में खोजबीन अभियान चलाया जा रहा है।

अवैध रूप से रहने वाले दो बांग्लादेशी हुए गिरफ्तार

मुंबई। नवी मुंबई में अवैध रूप से रहने वाले दो बांग्लादेशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कथित तौर पर भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में यह कार्रवाई की है। जानकरी के अनुसार नवी मुंबई शहर से दो बांग्लादेशी नागरिकों को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपियों कि उम्र 24 वर्ष है, जिन्हें शुक्रवार को पनवेल के नादवे में खिदुकपाड़ा गांव से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि एटीएस के एक दस्ते ने खिदुकपाड़ा इलाके के निरीक्षण के दौरान दो व्यक्तियों को एक चॉल में रहते हुए पाया। पूछताछ के दौरान कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों के पास उनके नाम पर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस थे। उनके खिलाफ शनिवार को पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम-1950 और विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सिक्किम :भीड़ में घुसे टैंकर ने 20 लोगों को रौंदा, 3 की मौत

गंगटोक। जिले के रानीपूल में बीती शाम एक तम्बोला कार्यक्रम में ट्रक के अचानक घुस जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 लोग घायल भी हो गए, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंगटोक के जिला मजिस्ट्रेट तुषार निखारे ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट पर रानीपुर में तंबोला कार्यक्रम चल रहा था। तभी कार्यक्रम में एक ट्रक वहां घुस गया, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, सभी निगरानी में हैं।

पं. दीनदयाल की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी सहित अन्य बीजेपी नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज देशभर में श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। इसी क्रम में पीएम नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धंजलि देते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और विरासत की दम पर देश को आगे बढ़ाया है। पीएम मोदी के अलावा अन्य भाजपा नेताओं ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मिडिया एक्स पर पोस्ट किया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी पुण्यतिथि पर देशभर के अपने परिवारजनों की ओर से शत-शत नमन। उन्होंने भारतीय संस्कृति और विरासत को केंद्र में रखकर देश को आगे ले जाने का मार्ग दिखाया, जो विकसित भारत के निर्माण में भी प्रेरणास्रोत बना है। इस अवसर पर अन्य भाजपा नेताओं ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी सोशल मिडिया एक्स पर पोस्ट कर उनको याद किया साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उनके मूल्य हमेशा पार्टी के लिए मार्गदर्शक रहेंगे।

इधर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उपाध्याय का

जीवन राष्ट्र सेवा और उसके प्रति समर्पण का एक विशाल प्रतीक है। शाह ने ककि कि उनका मानना था कि कोई भी देश अपनी संस्कृति के मूलभूत मूल्यों की उपेक्षा करके प्रगति नहीं कर सकता। पीएम ने कहा कि उन्होंने जो मार्ग दिखाया वो विकसित भारत के निर्माण में भी प्रेरणास्रोत बना है। बता दें कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे उपाध्याय भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से थे। भारतीय जनसंघ से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन हुआ। मोदी दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' और 'एकात्म मानवतावाद' के विचारों को अपने शासन के मॉडल के लिए प्रेरणास्रोत मानते हैं।

इस अवसर पर भाजपा के अन्य नेताओं ने भी उपाध्याय को श्रद्धांजलि दी।

एनडीए के समर्थन पर बोले मांझी- मैं गरीब हूं पर बेईमान नहीं हूं

पटना(एजेंसी)। कल यानी सोमवार को बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार की अग्नि परीक्षा है। विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होने से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और एनडीए के सहयोगी जीतनराम मांझी को लेकर शंकाए व्यक्त की जा रहीं हैं। वजह ये है कि मांझी से मिलने भकपा माले के विधायक महबूब आलम मिलने पहुंचे थे। दोनों की तकरीबन आधे घंटे बातचीत की थी। इसके बाद बिहार की राजनीति में हलचल पैदा हो गई कि मांझी फ्लोर टेस्ट में एनडीए सरकार को गच्चा दे सकते हैं। शंका इसलिए भी बढ़ी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा प्रमुख जीतनराम मांझी एनडीए सरकार में एक मंत्री पद दिए जाने को लेकर कई बार मंचों पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। इन्ही सवालों के बीच मांझी ने दावा करते हुए कहा कि एनडीए को समर्थन कर रहा हूं,गरीब हूं पर बेईमान नहीं हूं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि हमने 10 फरवरी को ही व्हिप जारी किया है और सभी चार विधायकों एनडीए गठबंधन को वोट देंगे और विधानसभा सदन में हाजिर रहेंगे। सरकार के पक्ष में अपने बात रखेंगे, बोलेंगे भी और मतदान की स्थिति

में एनडीए के समर्थन में मतदान भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ये बिल्कुल साफ है। मुझे राजनीति में 43-44 साल हो गए बहुत लोग आते हैं, मिलते हैं, मैं उनसे मना तो नहीं करता। उन लोगों से मुलाकात मात्र से अगर कोई भ्रामक बातें करते है तो वो जीतनराम मांझी को नहीं समझा है। हम बहुत पहले से बोल चुके हैं कि हम गरीब हो सकते हैं, लेकिन बेईमान नहीं हो सकते। मैं जहां हूं, वहीं रहूंगा और अंतिम वक्त तक वहीं रहूंगा।

भकपा माले के विधायक महबूब आलम मुलाकात पर बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि उन्हें मिलने दीजिए, इससे क्या फर्क पड़ता है। हम सोच रहे हैं कि अगर वो भी एनडीए सरकार में शामिल हो जाएं तो अच्छा होगा, बेकार में वो जंगल राज में फंसे हुए हैं। मीडिया से बात करते हुए एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देखिए हमारे पास बहुमत है और अगर कोई विधायक आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है।बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार के गठन के बाद प्रदेश की पूरी राजनीति बदल गई है। अब एनडीए सरकार को 12 फरवरी को बहुमत साबित करते हुए फ्लोर टेस्ट पास करना होगा। फ्लोर टेस्ट से पहले राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है और सभी दलों में पार्टी व्हिप जारी कर सभी विधायकों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। इसी बीच बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने कहा कि मैं जहां हूं। वहीं रहूंगा। हम गरीब हो सकते हैं, लेकिन बेईमान नहीं हो सकते।

गृहमंत्री अमित शाह ने मैसुरु में मां चामुंडेश्वरी मंदिर में किए दर्शन पूजन

मैसुरु (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां चामुंडी हिल्स पहुंचे और मैसूरू की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन और पूजन किये। शाह के साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र भी थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शाह ने पुजारियों द्वारा संस्कृत श्लोकों के उच्चारण के बीच चामुंडेश्वरी की पूजा करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की, जिन्हें नाद देवता (राज्य देवता) भी माना जाता है। शाह ने पूजा-अर्चना के बाद मंदिर की प्रदक्षिणा की।

चामुंडी या दुर्गा के नाम से जानी जाने वाली देवी शक्ति का उग्र रूप है और उन्होंने राक्षसों चंड और मुंड और भैंस के सिर वाले राक्षस महिषासुर का वध किया था। गृहमंत्री शाह के दौरे के लिए मंदिर के आसपास और शहर से मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि 1,000 साल से अधिक पुराना यह मंदिर शुरू में एक छोटा मंदिर था और सदियां गुजरने के साथ ही इसका महत्व बढ़ गया और यह एक प्रमुख पूजा स्थल बन गया। उन्होंने कहा कि 1399 ईस्वी में मैसूरू महाराजाओं, वोडेयार के सत्ता में आने के बाद इसका महत्व बढ़ गया क्योंकि वे चामुंडेश्वरी के बड़े भक्त और उपासक थे।

केजरीवाल ने दिल्ली की सातों सीटों पर किया जीत का दावा

-लोगों ने कहा, क्या कांग्रेस संग नहीं होगा गठबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तरन तारन। लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की 7 सीटों पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेंगी या नहीं, इस पर संशय बरकरार है। आधिकारिक ऐलान नहीं होने के कारण महज कयास ही लगाए जा रहे हैं। ऐसे में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के तरनतारन में रैली के दौरान ऐलान किया कि दिल्ली के लोगों ने इस बार ठान लिया है कि दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें इस बार आम आदमी पार्टी को ही देंगे। इस बात के ये मायने निकाले जा रहे हैं कि दिल्ली में आप कांग्रेस से गठबंधन करने के मूड में नहीं है।

यहां आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को डर है कि केंद्र में आप की सरकार बन

जाएगी। आज की स्थिति में भाजपा सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी से ही डरती है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आम आदमी पार्टी तेजी से बढ़ी है। वैसे तो आप महज 10 साल का छोटा सा बच्चा है। इस छोटे बच्चे ने इतनी बड़ी पार्टी की नाक में दम कर रखा है। उन्होंने कहा कि आप उन्हें सोने नहीं देती। उन्हें नींद नहीं आ रही है। हम लोग उनके सपने में रात को भूत बनकर आते हैं। इसके साथ ही केजरीवाल ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पंजाब में हमें काम करने से रोका जा रहा है, और वहां दिल्ली में ये लोग हमें रोक रहे हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आप जैसी एक छोटी सी पार्टी ने 10 साल के अंदर पंजाब और दिल्ली में सरकार बना ली है। वहीं दूसरी तरफ गुजरात और गोवा में विधायक बने हैं। जहां भी पार्टी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं, वहां खूब सारे वोट उनके खाते में आते हैं। ऐसे में भाजपा को डर है कि यह पार्टी इसी तरह आगे बढ़ती रही तो एक दिन केंद्र में आम आदमी पार्टी की ही सरकार बन जाएगी। यहां केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की 30 साल से गुजरात में और 15 साल से मध्य प्रदेश में सरकार है, लेकिन एक भी स्कूल ठीक नहीं कर पाए हैं और ना ही बिजली व्यवस्था बेहतर कर पाए। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है तो वही काम करके दिखाएं. जो काम आम आदमी पार्टी करती है।

गांव चलो अभियान में सीएम धामी चंपावत के ठांटा गांव पहुंचे, लोगों से काम का फीडबैक लिया

चंपावत। उत्तराखंड में भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत दो दिवसीय दौरे पर सीएम धामी चंपावत के ठांटा गांव पहुंचे। यहां रात्रि विश्राम के बाद वह मॉर्निंग वॉक पर निकले। इस दौरन उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं के बारे में फीड बैक लिया। उन्होंने डेरी प्रोडक्ट प्रोसेसिंग यूनिट में कार्यरत स्थानीय महिलाओं से भी मिलकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी ली। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार स्थानीय उत्पादों को वोकल फॉर लोकल अभियान से दुनिया मे नई पहचान दे रही है। सीएम धामी ने कहा कि लोगों से मिले सुझाव और विशेषकर मातृशक्ति के चेहरों पर सरकार के कामकाज के प्रति दिखे संतुष्टि के भाव से नई ऊर्जा प्राप्त हुई है और उनसे मिले असीम स्नेह व आशीर्वाद से मन अभिभूत है। गौरतलब है कि प्रदेश भाजपा ने गांव चलो अभियान को लेकर मुख्यमंत्री समेत सरकार में मंत्रियों एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की थी। 29 पार्टी पदाधिकारियों की प्रवास के गांव तय किए गए थे। पार्टी के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदेश के 11729 बूथों पर 24 घंटे प्रवास कर रहे हैं। इस दौरान वे जनता के माध्यम केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी दे रहे हैं।

मोदी सरकार ने भारत रत्न देने में अटल सरकार का तोड़ा रिकॉर्ड

-15 दिनों में ही 5 लोगों को ?किया भारत रत्न देने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार ने चुनावी साल में भारत रत्न सम्मान के बांटे जाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लागातार हो रही घोषणाओं में बीते 15 दिन में पांच बड़ी हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजने का ऐलान किया है। सम्मान पाने वालों में दो पूर्व प्रधानमंत्री, एक पूर्व उप प्रधानमंत्री, एक पूर्व मुख्य मंत्री के साथ ही एक जाने माने कृषि विशेषज्ञ शामिल हैं। हालांकि इसमें चार को मरणोपरांत यह सम्मान दिया जा रहा है। इन पांचों नामों की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद की है। हाल ही में जिन पांच लोगों को भारत रत्न देने का ऐलान हुआ है, उनमें पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा हुई है। इससे पहले लाल कृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की थी।

यदि 1999 में अटल सरकार का जिक्र करें तो अटल सरकार ने 4 हस्तियों को भारत रत्न सम्मान दिया था। लेकिन सबसे खास बात ये है कि इस साल जिन लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा की गई है उनमें दो नेताओं का संबंध बाबरी मस्जिद- राम मंदिर विवाद से है तो वहीं दो नेताओं का संबंध किसान और ओबीसी समाज से है। जबकि इनमें से एक एमएस स्वामीनाथन बड़े कृषि वैज्ञानिक हैं। यहां गौरतलब है कि भारत रत्न सम्मान एक कैटेगरी में एक साथ तीन से ज्यादा शख्सियतों को नहीं दिया जा सकता। यह देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो किसी क्षेत्र में असाधारण और सर्वोच्च सेवा का प्रतीक है। भारत रत्न सम्मान राजनीति, कला, साहित्य, विज्ञान के क्षेत्र में किसी विचारक, वैज्ञानिक, उद्योगपति, लेखक और समाजसेवी को दिया जाता है।

बता दें कि भारत रत्न सम्मान की शुरूआत तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने दो जनवरी 1954 को की थी। उस समय स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वैज्ञानिक डॉक्टर चंद्रशेखर वेंकट रमन को 1954 में पहली बार इस सम्मान से नवाजा गया था।

अब जिनको भारत रत्न मिला, उनके बारे में.....

चौधरी चरण सिंह किसानों और जाटों के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं। एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में जन्में चौधरी चरण सिंह भारत के प्रधानमंत्री रहे हैं। वह 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक जनता पार्टी सरकार में लगभग 5 महीने प्रधानमंत्री रहे। जबक दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वह पहली बार 1937 में छपरौली से यूपी विधान सभा के लिए चुने गए थे। चौधरी चरण सिंह का निधन 29 मई 1987 को हुआ था कृषक समुदायों के साथ उनके आजीवन जुड़ाव के कारण नई दिल्ली में उनके स्मारक का नाम किसान घाट रखा गया था।

पी.वी. नरसिंम्हा राव का जन्म 28 जून 1921 को करीमनगर में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय, मुंबई विश्वविद्यालय एवं नागपुर विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की। पेशे से कृषि विशेषज्ञ एवं वकील श्री राव राजनीति में आए और आंध्र प्रदेश सरकार में अनेक विभागों में मंत्री रहने के बाद 1971 से 73 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वहीं केन्द्र सरकार में मंत्री रहने के बाद वह 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री बने रहे। राव संगीत, सिनेमा एवं नाटकशाला में रुचि रखते थे। भारतीय दर्शन एवं संस्कृति, कथा साहित्य एवं राजनीतिक टिप्पणी लिखने, भाषाएं सीखने, तेलुगू एवं हिंदी में कविताएं लिखने एवं साहित्य में उनकी विशेष रुचि थी।

महान वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। उन्होंने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों से 81

मानद डॉक्टरेट उपाधियां प्राप्त की थीं। उन्होंने देश के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों के साथ अपना योगदान दिया। वह 2007-13 की अवधि के लिए संसद (राज्य सभा) के सदस्य (नामांकित) हुए। स्वामीनाथन को मिले अन्य पुरस्कारों में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार, विश्व खाद्य पुरस्कार, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार, पद्म श्री (1967), पद्म भूषण (1972), पद्म विभूषण (1989) आदि शामिल हैं।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा- लोकसभा चुनाव में वोट पाने के लिए कर्पूरी ठाकुर को दिया भारत रत्न

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया है। शिवसेना के यहां एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जन संघ ने सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 26 प्रतिशत आरक्षण देने के ठाकुर के फैसले का विरोध किया था। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब भाजपा लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार से वोट हासिल करना चाहती है, इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है। मुझे खुशी है कि उनके (ठाकुर के) काम को इतने सालों के बाद मान्यता दी जा रही है।'' ठाकरे ने आगे कहा कि भाजपा ने डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन के

नाम को भारत रत्न के लिए नामित किया है लेकिन उनकी अध्यक्षता में गठित आयोग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए की गई सिफारिशों को लागू करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस खोखलेपन को देख रही है। केंद्र सरकार ने इस साल पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन, समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण अडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है।

मोदी सरकार की तारीफ करने से नहीं थक रहे कांग्रेस नेता पी चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम इन दिनों केंद्र की मोदी सरकार की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। जहां भी जाते हैं कुछ न कुछ सराहना जरुर करते हैं। हालांकि आखरी में संतुलन के लिए कुछ खामियां भी बता देते हैं। हाल ही

में कोलकाता में आयोजित लिटरेचर फेस्टिव में शामिल हुए कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि इस सरकार को अगर कुछ लागू करना होता है तो बहुत अच्छे से करती है। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि यह कहने में मुझे कोई दिक्कत नहीं। आपको बता दें कि चिदंबरम एक लिटरेचर फेस्टिव में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे थे, जहां उन्होंने ये बातें कही हैं।हालांकि, उन्होंने बाकी तमाम मुद्दों पर विरोध जताया है। चिदंबरम ने शनिवार को दावा किया कि पूरे देश पर डर हावी है और ये हालात लोकतंत्र के ठीक उलट हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले एक वर्ष से अधिक समय में उन्हें देश में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिला जो भय से मुक्त हो।उन्होंने कहा,'' पिछले 18 माह में मैं जहां भी गया,जिससे भी मैंने बात की मैंने पाया कि उनकी सोच पर भय हावी है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उनसे किसी कारोबारी, वकील, चिकित्सक या लघु उद्योग से जुड़े किसी व्यक्ति ने यह नहीं कहा कि वह जो चाहें बोल सकते हैं और कोई भी फिल्म बना सकते हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ''भारत में डर हावी है और यह लोकतंत्र के विपरीत है। जहां विचार भय रहित है, वहीं लोकतंत्र है।''

इस्तांबुल में चुनावी सभा के दौरान हमलावरों ने की गोलीबारी, एक घायल

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल शहर के आगामी नगर निकाय चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान हमलावरों ने एक कार्यक्रम में गोलीबारी की जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। तुर्किये की अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने यह जानकारी दी। अनाडोलू की खबर के मुताबिक शनिवार को यह हमला तब हुआ जब जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी या एकेपी के इस्तांबुल के कुकुकसेकेमेस जिले से महापौर उम्मीदवार अजीज येनिया एक महासंघ का दौरा कर रहे थे। खबर के मुताबिक 32 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और हमलावर एक वाहन में सवार होकर भाग गए। पुलिस ने कहा कि वे सुरक्षा कैमरे के फुटेज की जांच कर रहे हैं और उन्हें घटनास्थल पर कारतूस के 17 खोखे मिले हैं। तुर्किये में 31 मार्च को महापौर का चुनाव होगा।

चुनाव आयोग ने किया ऐलान, पाकिस्तान में फिर होंगे कई सीटों पर चुनाव

इस्लामाबाद । पाक चुनाव आयोग ने फिर से कई सीटों पर चुनाव कराने का ऐलान किया है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने मतदान सामग्री छीनने और उसे नुकसान पहुंचाने की शिकायतों की जांच के बाद देश भर में कई मतदान केंद्रों पर फिर से चुनाव कराने के आदेश दिए है। आयोग ने 15 फरवरी को कई मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान निर्धारित किया है। बता दें कि पाकिस्तान में तीन दिन से चल रही वोटों की गिनती अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। अभी तक आए नतीजों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। इस बीच पाक चुनाव आयोग ने फिर से कई सीटों पर चुनाव कराने का एलान किया है। दरअसल, आयोग ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदान सामग्री छीनने और क्षतिग्रस्त करने की घटनाओं के संबंध में देश के विभिन्न हिस्सों से शिकायतों का जवाब दिया, जिससे स्थानीय चुनाव अधिकारियों को मतदान प्रक्रियाओं को स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालिया घटनाक्रम में चुनाव आयोग ने 15 फरवरी को कई मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान निर्धारित किया है। इन मतदान केंद्रों के नतीजे पुनर्मतदान कार्यक्रम के पूरा होने पर घोषित किए जाएंगे। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने उन मतदान केंद्रों की सूची जारी की है जहां दौबारा मतदान का आदेश दिया गया है। ईसीपी ने खैबर पख्तूनख्वा के 25 मतदान केंद्रों पर चुनाव के दिन आतंकवादियों द्वारा मतदान सामग्री को पहुंचाए गए नुकसान के कारण पुनर्मतदान कराने का फैसला किया है। इस बीच, चुनाव आयोग ने क्षेत्रीय चुनाव आयुक्त को एनए-242 कराची केमारी, सिंध में एक मतदान केंद्र पर बर्बरता की शिकायतों के संबंध में तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इससे पहले कई पार्टियों ने देरी के बाद परिणामों की विश्वसनीयता के बारे में चिंता जाहिर की है।

गलती से मां ने बच्चे को 'ओवन' में रखा, हो गई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के मिजूरी में एक मां ने गलती से अपने बच्चे को ओवन में रख छोड़ा, बाद में उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से 'ओवन' में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। एक अभियोजक ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंसास सिटी की मारियाह थॉमस पर अपने बच्चे को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी। इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान में कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे और उसे मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया कि इस प्रकार की गलती कैसे हुई। जैक्सन काउंटी में अभियोजन पक्ष के वकील जीन पीटर्स बेकर ने एक बयान में कहा कि यह अत्यंत त्रासदीपूर्ण घटना हैं और हम एक अनमोल जीवन के खोने से दुखी हैं। हमें भरोसा है कि आपराधिक न्याय प्रणाली इस भयानक घटना को लेकर उचित कार्रवाई जरूर करेगी।

गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्यालय के नीचे मिलीं सुरंग

येरुसलम । गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्यालय के नीचे सुरंग मिलने के समाचार आए हैं। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के मुख्यालय के नीचे सुरंगें खोजी हैं, जिनका इस्तेमाल हमास के आतंकवादी बिजली आपूर्ति कक्ष के रूप में कर रहे थे। इजराइली सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल इडो ने कहा कि यह बिजली कक्ष है, आप चारों ओर बैटरियां और दीवारों पर बिजली उपकरण देख सकते हैं, सब कुछ इन्हीं से संचालित होता है। इन सुरंगों से उन्हें बिजली आपूर्ति होती है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी की संचार निदेशक जूलियट टौमा ने कहा कि एजेंसी इस बात से अनभिज्ञ थी कि मुख्यालय की इमारत के नीचे क्या है। टौमा ने कहा कि उन्होंने कई बार मुख्यालय का दौरा किया था और विद्युत कक्ष के बारे में पता नहीं चला था। अपने एक बयान में, टौमा ने कहा कि यूएनडब्ल्यूआरए ने सितंबर में सुविधा का नियमित त्रैमासिक निरीक्षण किया था। उन्होंने कहा ?कि यूएनआरडब्ल्यूए एक मानव विकास और मानवतावादी संगठन है जिसके पास न तो सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञता है, न ही इसके परिसर के अंतर्गत क्या है या क्या हो सकता है, इसका सैन्य निरीक्षण करने की उनके पास क्षमता है।

पेरू में भारी बारिश के कारण आपातकाल घोषित

लीमा । पेरू सरकार ने हाल के हफ्तों में भारी बारिश से हुए नुकसान के कारण देश के 15 क्षेत्रों के कम से कम 96 जिलों में श?निवार से आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। सरकार का यह निर्णय 60 दिनों तक लागू रहेगा। यह निर्णय उचित प्रतिक्रिया और पुनर्वास के लिए तत्काल और आवश्यक आपातकालीन उपायों और कार्यों के निष्पादन की अनुमति देता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भोजन दान और दान के परिवहन की सुविधा प्रदान करने वाला एक कानून सक्रिय किया गया है। इसी तरह कुछ सेवाएं नि :शुल्क प्रदान की जा सकती हैं, जैसे कि खानपान, चिकित्सा उपचार, परिवहन, प्रेषण रसद और कोई अन्य सेवा जो बारिश से प्रभावित लोगों की मदद कर सकती है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और जल विज्ञान सेवा ने पहाड़ों में 11 से 13 फरवरी तक मध्यम से भारी वर्षा और उत्तरी तट पर मध्यम से अत्यधिक वर्षा का अनुमान व्यक्त किया है।

सीरियाई शरणार्थियों को वापस भेजने का काम करेगा शुरू लेबनान

बेरूत। लेबनान के विस्थापित मंत्री इस्साम चराफेडीन ने कहा कि लेबनान जल्द ही सीरियाई शरणार्थियों को उनकी मातृभूमि में लौटाना फिर से शुरू करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बैठक के बाद कैबिनेट द्वारा जारी बयान के हवाले से बताया, 'चराफेडीन ने शनिवार को कहा कि लेबनान सरकार ने उन्हें सीरिया शरणार्थियों को वापस भेजने का काम सौंपा है।' मंत्री ने कहा, 'हमने संबंधित पक्षों, विशेषकर सीरिया में नए स्थानीय प्रशासन मंत्री के साथ सकारात्मक बैठकें कीं और वे इस मुद्दे पर प्रतिबद्ध हैं।' 2022 में, चराफेडीन ने हर महीने 15,000 सीरियाई शरणार्थियों को सीरिया वापस भेजने की एक सरकारी योजना की घोषणा की, जिसमें जोर देकर कहा गया कि युद्ध खत्म हो गया है और देश सुरक्षित हो गया है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी और यूरोपीय संसद के विरोध के बीच योजना को कभी भी पूरी तरह से लागू नहीं किया गया। वो मानते थे कि सीरिया में स्थिति वैसी नहीं है कि शरणार्थी वापसी कर सकें। लेबनान प्रति व्यक्ति शरणार्थियों की सबसे बड़ी संख्या की मेजबानी करने वाला देश बना हुआ है, सरकार का अनुमान है कि लगभग 20 लाख सीरियाई शरणार्थी हैं। लेबनानी अधिकारियों ने कई अवसरों पर सीरियाई शरणार्थियों को सीरिया लौटने के लिए कहा है क्योंकि लेबनान एक अभूतपूर्व वित्तीय संकट से पीड़ित है और अब उनकी उपस्थिति को सहन नहीं कर सकता है।

मिशेल ओबामा लड़ सकती हैं चुनाव

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल के आखिर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में एक सरप्राइज एंट्री हो सकती है। प्रेसिडेंट जो बाइडेन ऐन वक्त पर दावेदारी छोड़ सकते हैं और उनकी जगह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा डेमोक्रेटिक पार्टी से कैंडिडेट बनाई जा सकती हैं। दरअसल, हाल ही में स्पेशल काउंसिल रॉबर्ट हुर की एक रिपोर्ट सामने आई थी। इसमें साफ कहा गया है कि बाइडेन मेंटली और फिजिकली स्ट्रगल कर रहे हैं।

मिलान में विंटर ओलंपिक्स से पहले एक प्रदर्शनकारी बैनर लिए हुए जिसमें सवाल किया गया है कि बर्फ कहां है।

नवाज शरीफ और उनकी बेटी भी धांधली से जीते? अब मामला कोर्ट में

इस्लामाबाद । लाहौर की सीटों से हार का सामना करने वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित उम्मीदवार डॉ. यास्मीन राशिद ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 45 के बजाय फर्जी फॉर्म 47 के अनुसार उन्हें विजेता घोषित किया। फॉर्म 45 को आमतौर पर गणना का परिणाम फॉर्म कहा जाता है। यह पाकिस्तानी चुनावी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रिकॉर्ड होता है, जिसका उद्देश्य किसी विशेष मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया के नतीजों की पारदर्शिता और जवाबदेही को बनाए रखना है। ईसीपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई का चुनाव चिन्ह बल्ला रद्द कर दिया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में पीटीआई के उम्मीदवारों ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था। शरीफ ने एनए-130 से पीटीआई की उम्मीदवार डॉ. यास्मीन राशिद के खिलाफ जीत हासिल की है। शरीफ को 1,72,000 से अधिक वोट मिले, जबकि राशिद को 113,000 से अधिक मत मिले। शरीफ की 50 वर्षीय बेटी मरियम नवाज ने एनए-119 सीट पर पीटीआई के फारूक शहजाद के खिलाफ 83,000 से अधिक वोट पाकर जीत हासिल की। शहजाद को 68,000 से अधिक वोट मिले। लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर करने वालों में से एक यास्मीन ने कहा कि उन्होंने फॉर्म-45 के अनुसार शरीफ के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, ईसीपी ने फॉर्म-47 जारी कर पीएमएल-एन प्रमुख को विजेता घोषित कर दिया। इसी तरह, शहजाद ने कहा कि मरियम मतदान केंद्र के नतीजों (फॉर्म-45) के अनुसार सीट हार गई थीं, लेकिन फर्जी फॉर्म-47 के जरिए उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर की गारंटी-भारत यूएनएससी का बनेगा स्थाई सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता मिलेगी, लेकिन यह आसान नहीं होगा क्योंकि कई देश हमें रोकना चाहते हैं। जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो दिवसीय 'हिंद महासागर सम्मेलन' में भाग लेते हुए ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि जब वह विभिन्न देशों में जाते हैं तो उन्हें यह बदलाव नजर आता है कि अब दुनिया भारत को कितनी अलग नजर से देखती है। उन्होंने भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के उत्तर में कहा, हम वहां पहुंचेंगे। मुझे 100 फीसदी यकीन है कि हम वहां पहुंचेंगे लेकिन मैं आपको यह भी बताऊंगा कि ईमानदारी से कहूं तो हमें यह आसानी से हासिल नहीं होगा क्योंकि दुनिया प्रतिस्पर्धा से भरी है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए दुनिया के कई देशों ने भारत की वकालत की है।

मंत्री ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक पुराने 'क्लब' की तरह है जिसमें कुछ ऐसे सदस्य हैं जो अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहते और नहीं चाहते कि उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे।भारत, सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए वर्षों से किये जा रहे प्रयासों में सबसे आगे रहा है और उसका कहना है कि वह सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में जगह पाने का वास्तविक हकदार है, जो (यूएनएससी) अपने मौजूदा स्वरूप में 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता।वर्तमान में, यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्य हैं - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। स्थायी सदस्य के पास ही किसी भी प्रस्ताव पर 'वीटो' करने की शक्ति होती है।

जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग हमें रोकने की कोशिश करेंगे, रास्ते में बाधाएं उत्पन्न करेंगे..लेकिन मुझे विश्वास है कि हम वहां पहुंचेंगे और मैं पांच साल पहले या 10 साल पहले की तुलना में आज इसके (स्थायी सदस्यता) लिए अधिक आश्वस्त हूं।''उन्होंने कहा, ''जब मैं दुनिया भर में जाता हूं, तो अक्सर लोगों से यह सुनता हूं कि देखिये, आप वे बातें कह सकते हैं जो हम नहीं कह सकते। हम यह कहने के लिए आप पर भरोसा करते हैं क्योंकि हमारी अपनी सीमाएं हैं।'' उन्होंने यह रेखांकित किया कि भारत ने कैसे एक ऐसा रुख अपनाया है जो उन सभी के लिए एक सामूहिक रुख है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई मुद्दे हैं जिनमें कइयों के हित शामिल हैं लेकिन वैश्विक परिचर्चा पर कुछ ही लोगों का वर्चस्व है।जयशंकर ने कहा, ''यह ऊर्जा संकट के बारे में हो सकता है, कई देशों में आज कर्ज की स्थिति है। यह संस्कृति और विरासत के बारे में हो सकता है क्योंकि कोई भी दूसरों की संस्कृति से अभिभूत नहीं होना चाहता। एक तरह से, आज भारत भरोसेमंद है और उसके बारे में अच्छी राय है। ऐसे बहुत से देश हैं जो हमें वहां (यूएनएससी के स्थायी सदस्य के रूप में) देखना चाहते हैं।''

अमेरिका और ब्रिटेन की बमबारी में एक दर्जन से अधिक हूती लड़ाकों की मौत

वॉशिंगटन। यमन की राजधानी सना में हुए अंतिम संस्कार के बाद यमनी विद्रोही समूह ने मीडिया के जरिए बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटिश हमलों में 17 हूती लड़ाकों की मौत हुई हैं। हूती आधिकारिक मीडिया ने बताया कि अमेरिकी-ब्रिटिश बमबारी के बाद शहीद हुए हूती लड़ाकों को सना में दफनाया गया। इसके अलावा हूती मीडिया ने ये भी बताया कि मरने वालों की सूची जल्द ही जारी की जाएगी। इस मौके पर हजारों की तादाद में यमनी लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए और फिलिस्तीन के समर्थन में, जबकि अमेरिका और इजराइल के विरोध में नारे लगाए। लाल सागर में जहाजों पर हूती हमलों को रोकने के लिए अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जनवरी से ही हूती ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। लेकिन अभी तक अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम को कोई खासा कामयाबी नहीं मिली है। हूती संगठन को ईरान का समर्थन प्राप्त है और वे यमन के होदेइदाह बंदरगाह सहित युद्धग्रस्त यमन के अधिकांश हिस्से को कंट्रोल करते हैं। बता दें कि गाजा में हो रहे इजराइल के हमलों के जवाब में हूति इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक उन्होंने हूति के कई मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया है, जिनका इस्तेमाल लाल सागर में जहाजो और अमेरिकी युद्धपोतों के खिलाफ लॉन्च करने के लिए किया जाना था। हमलों में मारे गए हूती लड़ाकों के अंतिम संस्कार के लिए शनिवार को सना की अल-शाब मस्जिद में बड़ी तादाद में फिलिस्तीनी समर्थक इकट्ठा हुए। अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों में से एक अबू मोआताज़ गालिब ने बताया कि यहां आए हुए सभी लोग गाजा पर हूती के स्टैंड पर मजबूती से खड़े हैं।

भारी विरोध के बाद राष्ट्रपति को देना पड़ा इस्तीफा, फिर मानी अपनी गलती

बुडापेस्ट (एजेंसी)। नाबालिगों के यौन शोषण के मामले में आरोपी को हंगरी की राष्ट्रपति कैटलिन नोवाक ने माफ कर दिया था। इसके विरोध में पूरा देश एक जुट हुआ और प्रदर्शन शुरु हो गए। इसके बाद राष्ट्रपति ने अपनी गलती मानी और माफी मांगते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल, उन्होंने एक ऐसे शख्स को माफ कर दिया, जिसने 2022 में अपने बॉस द्वारा नाबालिगों के यौन शोषण की बात छिपाई थी। इसके बाद पूर देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और कैटलिन नोवाक को राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा।नोवाक ने शनिवार को कहा, राज्य के प्रमुख के रूप में, मैं आज आखिरी बार आपको संबोधित कर रही हूं। मैं राष्ट्रपति के कार्यालय से इस्तीफा दे रही हूं। जिन पीड़ितों को लगा होगा कि मैं उनके लिए खड़ी नहीं हो रही हूं। मैं बच्चों और परिवारों के साथ थी, हूं और हमेशा रहूंगी। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए जनता को अपना संदेश भी दिया। कैटलिन नोवाक कतर दौरे पर थीं, लेकिन विरोध बढ़ने के बाद वे तुरंत बुडापेस्ट लौटीं और हंगरी लौटते ही उन्होंने इस्तीफे का एलान कर दिया। राष्ट्रपति के इस्तीफे के तुरंत बाद हंगरी के कानून मंत्री जूडिथ वर्गा ने भी इस्तीफा दे दिया। जूडिथ ने ही दोषी की माफी को मंजूरी दी थी। हालांकि, विपक्ष अभी इस प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बेन के इस्तीफे की मांग पर भी अड़ा है।देश में सरकार के बढ़ते विरोध को शांत करने के लिए पीएम ओर्बेन ने हाल ही में कहा है कि वे संविधान में बाल यौन शोषण के दोषियों की सजा माफी के प्रावधान की फिर से समीक्षा कराएंगे। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने गुरुवार को फेसबुक पर कहा कि उन्होंने नाबालिगों के खिलाफ किए गए अपराधों के अपराधियों को माफी देने से रोकने के लिए सरकार की ओर से एक संवैधानिक संशोधन प्रस्तुत किया है। ओर्बन ने कहा, पीडोफाइल के लिए कोई दया नहीं होगी। बता दें कि नोवाक ने अप्रैल 2023 में एक बाल गृह के पूर्व उप निदेशक एंड्रे के. को माफ कर दिया था। खबरों के मुताबिक, इस माफी के बारे में खुलासा किया गया, जिसके बाद शुक्रवार को बुडापेस्ट में उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ। दरअसल, बीते साल अप्रैल में पोप फ्रांसिस ने बुडापेस्ट का दौरा किया था। उसी दौरान राष्ट्रपति रहते हुए कैटलिन नोवाक ने चिल्ड्रन होम के डिप्टी डायरेक्टर की सजा माफ कर दी थी।

रमजान से पहले इजरायल का खतरनाक प्लान, दहशत में लाखों की आबादी

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग अब और खतरनाक दौर में पहुंच गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पहले की तुलना में अधिक खतरनाक हो चुके हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को देखते हुए इजरायल के पास राफा में अपने ऑपरेशन को पूरा करने के लिए केवल एक महीना बचा है। आपको बता दें कि राफा ऑफरेशन के जरिए इजरायल गाजा में शेष बचे हमास के ऑपरेटिव बटालियनों को खत्म करना चाहता है। अब उन्होंने इसके लिए समय तय कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हाल ही में युद्ध में शामिल सैन्य अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में जारी ऑपरेशन को मुस्लिमों के पवित्र महीना रमजान के पहले पूरा करना होगा। आपको बता दें कि इस साल 10 मार्च से रमजान शुरू होने वाला है।

राफा ऑपरेशन पर चर्चा के दौरान आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ हर्जी हलेवी ने नेतन्याहू को बताया कि इजरायल रक्षा बल ऑपरेशन के लिए तैयार थे, लेकिन सरकार को पहले यह तय करने की आवश्यकता थी कि वह क्या करना चाहती है। विस्थापित गाजावासी वहां शरण लिए हुए हैं। इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में शुक्रवार देर रात गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में कम से कम 44 फलस्तीनी मारे गए। ये हमले इजरायल के प्रधानमंत्री के उस बयान के कुछ घंटों बाद किए गए, जिसमें उन्होंने जमीनी हमले से पहले दक्षिणी गाजा शहर से हजारों लोगों को निकालने के लिए सेना से योजना तैयार करने को कहा था। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वहां रह रहे लोगों के लिए कोई योजना बनाए बिना राफा में जमीनी हमला करने से बड़ी जनहानि होगी।

यमनी नेता ने नागरिक संघर्ष के राजनीतिक समाधान पर संयुक्त राष्ट्र दूत से की मुलाकात

अदन (यमन) (एजेंसी)। यमन के राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष राशद अल-अलीमी ने लंबे समय से चल रहे नागरिक संघर्ष को समाप्त करने, देश की राजनीतिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए अदन में यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रुंडबर्ग से मुलाकात की।

सरकारी सबा न्यूज एजेंसी ने शनिवार को खबर दी, 'बैठक में यमन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री अहमद अवद बिन मुबारक भी शामिल थे, इसमें ग्रुंडबर्ग की हालिया क्षेत्रीय वार्ता के नतीजे और सहयोगियों के साथ समन्वित प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य यमन में युद्ध को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली समावेशी राजनीतिक वार्ता को फिर से शुरू करना है।' अल-अलीमी ने शांति प्रयासों के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए होथी और उनके ईरानी समर्थकों की ओर से केवल शब्दों के बजाय ठोस कार्रवाइयों को प्राथमिकता देने वाले संयुक्त राष्ट्र मध्यस्थ

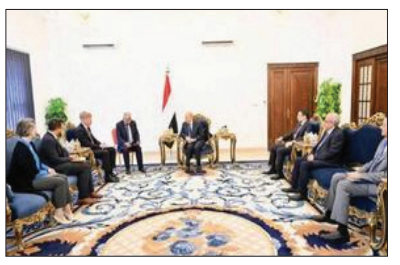

के महत्व पर प्रकाश डाला।

रिपोर्ट के अनुसार, 'इनमें ताइज पर हौथी घेराबंदी को समाप्त करना, फंड, माल और सिविल सेवकों के वेतन के प्रवाह में बाधाओं को दूर करना, सैन्य वृद्धि और नागरिक स्थलों पर हमलों को रोकना और पूरे यमन में मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकना शामिल है।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि यमनी सरकार ने वैध शासकीय संस्थानों को बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संकल्पों के तहत अपनी अनिवार्य जिम्मेदारियों को पूरा करने में संयुक्त राष्ट्र के दूत की सहायता के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करने की तत्परता भी व्यक्त की। अल-अलीमी के साथ अपनी मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए संयुक्त राष्ट्र दूत ने एक संक्षिप्त प्रेस बयान में कहा, 'उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तनाव को कम करने, यमन में हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने और राष्ट्रव्यापी युद्धविराम की दिशा में प्रगति जारी रखने और संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में राजनीतिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के तरीकों की खोज की।' यमन में रुकी हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने के लिए ग्रुंडबर्ग क्षेत्रीय हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। ईरान समर्थित हौथी समूह द्वारा 2014 में राजधानी सना से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को बाहर करने के बाद से यमन खूनी संघर्ष में फंस गया है, जबकि यमनी सरकार और हौथिस ने संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में शांति वार्ता के कई दौर में भाग लिया है।

इमरान की पार्टी पीटीआई 101 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे आगे

-चुनाव आयोग ने जारी कर दिए अंतिम नतीजे

-कोई दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान चुनाव के अंतिम परिणाम आज रविवार को आखिरकार जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही चुनाव परिणाम को लेकर जारी असमंजस की स्थिति अब समाप्त हो गई है। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने आधिकारिक रूप से घोषणा कर दिया है, जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा 101 सीटों पर जीत दर्ज की है। नवाज शरीफ की पार्टी ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की हैं। इस तरह किसी भी दल को सरकार बनाने वाले जादुई आंकड़े वाले नतीजे हासिल नहीं हुए हैं।

पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के बाद परिणामों को लेकर पिछले 4 दिनों से चल रही असमंजस की स्थित अब साफ हो गई। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम जारी कर दिए हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग की घोषणा के बाद किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ है। इससे मिली-जुली सरकार बनती नजर आ रही है। गौरतलब है कि इमरान की पार्टी पीटीआई के तमाम उम्मीदवारों ने निर्दलीय चुनाव लड़ा है। चुनाव आयोग की घोषणा अनुसार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। इसके विपरीत पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीटों पर जीत दर्ज की है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीटों पर जीत हासिल हुई हैं। इसके अलावा 12 सीटों पर छोटे दलों ने भी जीत दर्ज की है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने कुल 265 सीट में से 264 सीटों के परिणाम घोषित कर दिए हैं। चुनाव नतीजों में हो रही देरी के चलते कई दलों ने देश भर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन भी किया था। एक सीट का परिणाम रोक दिया गया है। दरअसल पंजाब प्रांत के खुशाब में एनए-88 सीट का परिणाम ईसीपी की शिकायतों के

कारण रोका गया है। शिकायत निवारण बाद इसकी घोषणा की जाएगी। एक सीट का चुनाव स्थगित भी किया गया था, क्योंकि यहां उम्मीदवार की मृत्यु हो गई थी। अंततः इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित 101 उम्मीदवारों जीते हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 133 है, जो किसी पार्टी को हासिल नहीं है।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने दूसरी बार जीता दक्षिण अफ्रीकी 20 खिताब

जोहांसर्ग (एजेंसी)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर दूसरी बार दक्षिण अफ्रीकी 20 खिताब जीता है। इस प्रकार लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। सनराइजर्स की जीत में मार्को यानसेन की अहम भूमिका रही। यानसेन ने खिताबी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 204 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन टीम 17 ओवर में 115 रन ही बना पायी। मुकाबले के दौरान तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया। उन्होंने लीग में सबसे ज्यादा 20 विकेट लिए।

इस मैच में सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया। कप्तान एडेन मार्कराम ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए तीन चौकों और दो छक्कों की सहायता से 42 रन बनाये जबकि प्लेयर आफ द मैच बने टॉम एबेल ने 55 रन बनाये। वहीं ट्रिस्टान स्टब्स ने 56 रनों की पारी खेली। वहीं डरबन की ओर से कप्तान केशव महाराज ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिये पर अन्य गेंदबाज विकेट नहीं ले पाये। सनराइजर्स की ओर से सलामी बल्लेबाज जोर्डन हर्नान ने 42 रन जबकि एबेल ने दूसरे विकेट के लिए साझेदारी करते हुए 90 रन बटोरे। । इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके तीन बल्लेबाज चौथे ओवर में ही आउट हो गये। क्विंटोन डिकॉक तीन रन ही बना पाये। वहीं मैथ्यू ब्रीज्के भी 18 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स को यानसेन ने पेवेलियन भेजा। डरबन की ओर से केवल तीन खिलाड़ी ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वियान मूल्डर ने सबसे अधिक 38 रन बनाये। वहीं ड्वेन प्रटोरियस ने 28 और जूनियर डाला ने 15 रन बनाये।

चेन्नई ओपन टेनिस में नागल और नारदी के बीच होगा खिताबी मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के सुमित नागल चेन्नई ओपन टेनिस के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंच गये हैं। सुमित ने सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के डेलिबोर स्विरसीना को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। ये मुकाबला करीब दो घंटे तक चला। अब खिताबी मुकाबले में नागल का सामना इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लुका नारदी से होगा।

वहीं एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में नारदी ने चीनी ताइपे के गैर वरीय खिलाड़ी चुन सीन त्सेंग को कड़े संघर्ष के बाद 6-4, 4-6, 7-6 (6) से हराया। ये मुकाबला करीब तीन घंटे तक चला। वहीं पुरुष युगल फाइनल में भारत के साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन ने जीत दर्ज की। इस जोड़ी ने फाइनल में ऋत्विक बोल्लिपल्ली और निकी पूनाचा को 3-6, 6-3, 10-5 से हराया।

ओटनील को टी20 विश्व कप टीम में शामिल करें : स्टेन

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने एसए 20 लीग में बेहतर प्रदर्शन के लिए ओटनील बार्टमैन की प्रशंसा की है। ओटनील ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए एसए 20 लीग के दूसरे सत्र के क्वालीफायर में डरबन के सुपर जाइंट्स के खिलाफ लगातार दो विकेट लिए थे। स्टेन ने कहा कि 2024 टी20 विश्व कप टीम में बार्टमैन को शामिल किया जान चाहिये। उन्होंने कहा कि कैरेबियाई हालातों में वह अहम भूमिका निभा सकता है। स्टेन ने कहा कि ओटनील , कसीगो रबाडा, एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे और अन्य के साथ किसी भी टीम पर हावी हो सकते हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को उस पर नजर रखनी चाहिए, वह दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इसके साथ ही डेथ ओवरों और पावरप्ले में भी गेंदबाज कर सकता है।

इसके अलावा स्टेन ने कहा कि जिस प्रकार वह गेंदबाजी करता है उससे वह भारतीय टीम के मो शमी जैसा नजर आता है। स्टेन से बार्टमैन की निरंतरता के बारे में पूछा गया तो वह हैरान रह गए और उन्होंने बार्टमैन की गेंदबाजी में सटीकता के कारण उनकी तुलना शमी से की। स्टेन ने कहा कि मैंने किसी अन्य दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज में ऐसी सीम पोजीशन कभी नहीं देखी, वह बिल्कुल शमी जैसा लगाता है। तेज गेंदबाजी का सबसे अहम हिस्सा आपकी कलाई की स्थिति है और आप गेंद की सीम को कहां गिरा रहे हैं, और जब मैं बार्टमैन को देखता हूं तो वह शमी के समान गेंदबाजी करता है। शमी सीम और कलाई के जरिये ही खेल पर नियंत्रण करता है। स्टेन ने कहा कि नॉर्टजे और कैगिसो रबाडा सभी अन्य महान गेंदबाजों के करीब हैं लेकिन जो बात बार्टमैन को अलग करती है वह उसकी सीम स्थिति और डिलीवरी की सटीक लंबाई है। जिस तरह से उन्होंने क्वॉलिफायर में क्वॉलिटी गेंदबाजी की वह बेहतरीन थी। ओटनील बार्टमैन ने एसए20 सीज़न 2 में केवल 7 मैचों में 12.18 की शानदार औसत से 16 विकेट अपने नाम किए हैं।

चौथे टेस्ट में बुमराह को मिल सकता है आराम

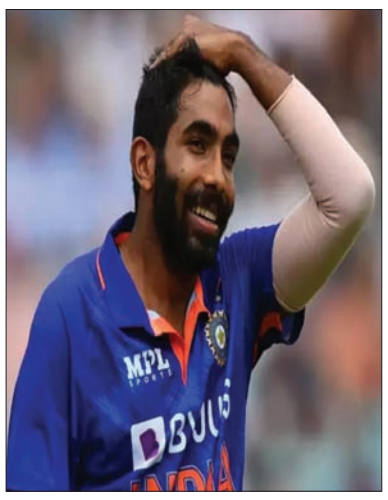

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन उन्हें आराम दे सकता है। बुमराह पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं। ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ये फैसला लिया जा सकता है। तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से गुजरात के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें वह खेलेंगे पहले कहा जा रहा था कि उन्हें तीसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनसार अनुसार बुमराह को चौथे टेस्ट के लिए ब्रेक दिया जा सकता है पर पांचवे और अंतिम टेस्ट में शामिल किया जा सकता है। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ने यह फैसला किया है कि बुमराह को रांची टेस्ट के लिए आराम दिया जाए। वह अगर चौथे टेस्ट में टीम से बार हुए तो मोहम्मद सिराज की टीम में वापसी हो सकती है। सिराज दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे।

बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में 9 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था। बुमराह की गेंदबाजी से ही भारतीय टीम को जीत हासिल करने में सहायता मिली थी।

आखिरी 3 टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

हरमनप्रीत के दो गोल, भारत ने स्पेन को 4-1 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग मैच में स्पेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। हरमनप्रीत ने सातवें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला और इसके बाद 20वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। अपना 199वां मैच खेल रहे हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कार्नर पर अपने गोल की संख्या 150 पर पहुंचा दी है। जुगराज सिंह ने भी अच्छा खेल दिखाया और उन्होंने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत की तरफ से तीसरा गोल किया। ललित कुमार उपाध्याय ने 50वें मिनट में गोल करके भारत की आसान जीत सुनिश्चित की। स्पेन की तरफ से एकमात्र गोल 34वें मिनट में मार्क मिरालेस ने पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। भारत अपना अगला मैच रविवार को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा।

डब्ल्यूपीएल या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में से कोई एक खेलें महिला क्रिकेटर : ईसीबी

लंदन । इंग्लैंड ओर वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि महिला क्रिकेटर डब्ल्यूपीएल 2024 और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में से कोई एक खेलें। इसका कारण है कि 23 फरवरी से शुरु हो रहे डब्ल्यूपीएल के नॉकआउट मैचों के दौरान इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के साथ टी20 सीरीज खेलनी है। ईसीबी के अनुसार डब्ल्यूपीएल के नॉकआउट मैचों के दौरान टीम को न्यूजीलैंड के साथ टी20 सीरीज खेलनी है जिसके लिए खिलाड़ियों का उपलब्ध होना जरुरी है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सीरीज या फ्रेंचाइजी क्रिकेट में से किसी एक का चयन खिलाड़ियों को करना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार ईसीबी ने कहा कि कि डब्ल्यूपीएल में खेलने वाली खिलाड़ियों के नाम पर न्यूजीलैंड में पहले तीन टी20 के लिए टीम चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। ईसीबी इस दौरे के लिए अगले हफ्ते टीम घोषित कर सकता है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला प्रीमियर लीग का कार्यक्रम घोषित किया था। डब्ल्यूपीएल 23 फरवरी से शुरु होगा। इसमें पहला मैच मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स में खेला जाएगा। ये मुकाबला मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जबकि फाइनल मुकाबला 17 मार्च को नई दिल्ली में होगा।

ENGLAND CRICKET

रुतुराज, कॉनवे जैसी सलामी जोड़ी का लाभ सीएसके को मिला : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास सलामी जोड़ी के रुप में रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। आईपीएल में रुतुराज और कॉनवे का शानदार काफी अच्छा रहा है। न्यूजीलैंड के कॉनवेने 16 मैचों में 139.70 की स्ट्राइक रेट से 672 रन बनाए हैं, वहीं रुतुराज ने 147.50 की स्ट्राइक रेट से 590 रन बनाए हैं। सीएसके की बल्लेबाजी की ताकत को लेकर गावस्कर ने कहा कि उसके पास हमेशा से ही बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उसके ये बल्लेबाज पहली ही गेंद से विरोधी टीम पर दबाव बनाने लगते हैं जिसका लाभ सीएसके को मिलता है। इसके अलावा उसके पास अच्छ फिनिशर भी हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे का बाएं और दाएं हाथ का संयोजन भी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। टीम के पास लीग में सबसे बेहतर सलामी जोड़ी है। इसी कारण टीम को हमेशा अच्छी शुरुआत मिलती रही है। इससे आने वाले खिलाड़ियों पर दबाव घटता रहा है। रुतुराज और कॉनवे ने कई अहम साझेदारियां की जिसका भी लाभ उसे मिला है। दिल्ली कैपिटल्स के सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उन्होंने 141 रन की साझेदारी की। गावस्कर ने साथ ही कहा कि सीएसके की बल्लेबाजी में गहराई होने के अलावा वह लक्ष्य का पीछा करने में भी माहिर है।

मैक्सवेल के शतक की बदौलत आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर जीती टी20 श्रृंखला

एडीलेड (एजेंसी)। आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 120 रन) के रिकॉर्ड बराबरी वाले शतक से आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे ट्वेंटी20 मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। मैक्सवेल ने 55 गेंद की पारी के दौरान आठ छक्के और 12 चौके जमाये। उन्होंने टिम डेविड (14 गेंद में 31 रन) के साथ 92 रन की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को चार विकेट पर 241 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। यह मैक्सवेल का पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक है जिससे उन्होंने भारतीय स्टार रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी की।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले सात ओवर में पांच विकेट गंवा दिये। कप्तान रोवमैन पावेल (36 गेंद में 63 रन) और आंद्रे रसेल (16 गेंद में 37 रन) ने उम्मीद जगायी। लेकिन लक्ष्य इतना पड़ा था कि टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी। मार्कस स्टोइनिस ने 36 रन देकर तीन और पदार्पण कर रहे स्पेंसर जॉनसन ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को होबार्ट में पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 11 रन से हराया था। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आस्ट्रेलिया का स्कोर भी हालांकि 6.4 ओवर के बाद तीन विकेट पर 64 रन था। पर मैक्सवेल ने स्टोइनिस (15 गेंद में 16 रन) के साथ 82 रन की भागीदारी निभाने के बाद टिम डेविस के साथ 92 रन जोड़े।

आंद्रे रसेल के अंतिम ओवर में 25 रन बने। मैक्सवेल ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया जो आस्ट्रेलिया में किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊ के 2022 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 52 गेंद में बनाये गये शतक के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा। श्रृंखला का तीसरा टी20 मैच मंगलवार को पर्थ में खेला जायेगा।

मैसी के नहीं खेलने से नाराज दर्शकों को टिकट की पचास फीसदी राशि लौटाएगी आयोजन समिति

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मैसी के हांगकांग में एक मैच में नहीं उतरने से विवाद गहरा गया है। इस मैच को देखने आये दर्शकों ने हंगामा कर दिया। जिसके बाद आयोजकों ने प्रशंसकों को टिकट की पचास फीसदी राशि वापस देने की पेशकश की है। हांगकांग में हुए इस फुटबॉल मैच के दौरान मैसी को देखने के लिए बड़ी तादाद में लोग आये थे पर उसे न पाकर से निराश हो गये। मेसी का मैच में उतरना था पर वह चोट के कारण पूरे समय तक बेंच पर बैठे रहे। इस मामले को लेकर आयोजकों ने सोशल मीडिया पर लोगों से माफी मांगी। इस मामले में आयोजकों ने मेसी से भी कहा था कि वह दर्शकों को समझाने का प्रयास करें। अनुबंध के अनुसार मेस्सी को 45 मिनट तक खेलना था पर वह चोटिल होने के कारण ऐसा नहीं कर पाये। आयोजक ने कहा, ''एक आयोजक ने कहा कि वह सरकार से चर्चा कर रहा है कि इस मामले को कैसे हल किया जाये और 50 फीसदी राशि वापस दी जाये। साथ ही कहा कि ये राशि अगले माह तक वापस देने की घोषणा हो जाएगी। आयोजक ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास नहीं कर रहे।

एथलीट निर्मला श्योराण का करियर हुआ समाप्त, डोपिंग मामले में लगा आठ साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। एथलीट निर्मला श्योराण पर डोपिंग मामले में दोषी साबित पाये जाने के बाद आठ साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। निर्मला को जांच में प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया गया था। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने उनपर ये प्रतिबंध लगाया है। इससे अब निर्मला का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। निर्मला पर इससे पहले भी 2018 में डोपिंग उल्लंघन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद इस खिलाड़ी ने पिछले साल जून में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप से वापसी की थी।

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अपने एक आदेश में निर्मला को सात अगस्त 2023 से आठ साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। नाडा से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें 'एनाबोलिक एंड्रोजेनिक स्टेराइड' और 'टेस्टोस्टेरोन' के सेवन का दोषी पाया गया था। निर्मला ने 2017 एशियाई चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था पर डोपिंग के बाद उनका स्वर्ण पदक वापस ले लिया गया था। । ऐसे में उसके निलंबन से खेल को नुकसान हुआ है। इस खिलाड़ी ने साल 2016 रियो ओलंपिक में 400 मीटर और महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में हिस्सा लिया था।

जल्द ही दर्शनों के लिए अयोध्या जाउंगा : केशव महाराज

केपटाउन । भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज ने कहा है कि जब भी वह भारत दौरे पर जाएंगे तो अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में दर्शनों के लिए जरुर जाएंगे। केशव महाराज अपने धर्म और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। इसी कारण जब भी वह मैदान पर पहुंचते हैं तो डीजे से 'राम सियाराम की धुनें बजने लगती हैं। यहां तक कि ये क्रिकेटर अपने बल्ले पर भी ओम का स्टिकर लगाते हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह जल्द ही अयोध्या जाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि धर्म और अध्यात्म से कठिन हालातों से निकलने में उन्हें सहायता मिलती है। केशव ने कहा कि मैं काफी धार्मिक और अध्यात्म में रूचि रखने वाले परिवार से हूं। धर्म और अध्यात्म मुझ पर थोपे नहीं गए पर मैं महसूस करता हूं कि कठिन हालात में यह मुझे मार्गदर्शन और एक दृष्टिकोण देते हैं। मैं अपनी आस्था से काफी जुड़ा हुआ हूं। गौरतलब है कि केशव के परदादा उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से साल 1874 में मजदूरी के लिए डरबन आए थे और उसके बाद वहीं बस गये। केशव ने कहा कि मैं घर पर सारे त्योहार मनाता हूं और सभी को संदेश देता हूं कि जीवन में कोई ना कोई आस्था जरूर होनी चाहिए। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से वह इतने उत्साहित थे कि उसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी उन्होने कई पोस्ट किये थे। उन्होंने कहा कि मैं भगवान राम का अनन्य भक्त हूं और वह खास दिन था। इतने बड़े पैमाने पर ऐसा कुछ होना बहुत विशेष था। दुनिया में हर जगह ऐसा नहीं होता और मुझे खुशी है कि यह हुआ।

धोनी से सीखना चाहते हैं उभरते क्रिकेटर अवनीश

-सीएसके से खेलने को लेकर हैं उत्साहित

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज अरावेली अवनीश राव कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं। अवनीश को पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में सीएसके ने 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा था। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे एक बार तो भरोसा ही नहीं हुआ था कि सीएसके ने मुझे शामिल किया है। मुझे पहले विश्वास करने में समय लगा। उन्होंने कहा कि अब मैं धोनी और सीएसके की ओर से बेहतर प्रदर्शन कर उसे गौरवान्वित करना चाहता हूं। साथ ही कहा कि सीएसके और धोनी सर की कप्तानी में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है। मेरे लिए यह सपना सच होने जैसा है। अवनीश ने कहा कि मैं बचपन से ही क्रिकेटर बनना चाहता था। शुरुआत से ही मैच देखते देखते मेरी रूचि इस खेल में बढ़ गई। वह अब जल्दी से सीएसके का हिस्सा बनकर धोनी से बहुत कुछ सीखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं दबाव के हालात में दृढ रहना उनसे सीखना चाहता हूं। जब टीम अच्छा नहीं खेल रही हो, ऐसे में वह कैसे टीम को संकट से निकालते हैं और मैच जिताते हैं ये मुझे उनसे सीखना है। विश्व कप 2011 की उनकी मैच विजेता पारी से काफी कुछ सीखने को मिला है। नवंबर में 4 देशों की श्रृंखला में 376 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 गेंद में 163 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले इस क्रिकेटर ने विजय हजारे ट्रॉफी के जरिए लिस्ट ए क्रिकेट में हैदराबाद के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने कहा कि मैं धोनी से स्पिनरों के सामने विकेटकीपिंग का कौशल भी सीखना चाहता हूं। इस क्रिकेटर के आदर्श हालांकि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट हैं जिनके वीडियो वह आम तौर पर देखते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पसंदीदा क्रिकेट गिलक्रिस्ट हैं। मैंने उनके वीडियो देखकर बहुत कुछ सीखा है। खेल की उनकी समझ और हर हालात में आत्मविश्वास बनाए रखना काबिले तारीफ है। मैं अवसर मिलने पर उनसे जरुर मिलना चाहूंगा।

जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को उत्सुक हैं ऋतिक

यशराज की स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म वॉर-2 है जिसके जरिये दक्षिण भारत के ख्यातनाम अभिनेता जूनियर एनटीआर हिन्दी सिनेमा में प्रवेश करने जा रहे हैं। वॉर-2 को निर्देशित करने की जिम्मेदारी आदित्य चोपड़ा ने ब्रह्मास्त्र बनाने वाले अयान मुखर्जी को सौंपी है, जो करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन से जुड़े हुए रहे हैं। यह पहला मौका होगा जब वे यशराज फिल्म्स की किसी फिल्म को निर्देशित करते नजर आएंगे। वॉर-2 आगामी वर्ष 2025 में प्रदर्शित होगी, जिसकी घोषणा पहले ही कर दी गई है। अब वॉर-2 को लेकर ऋतिक रोशन ने कुछ अपडेट मीडिया से साझा किए हैं, जो अपनी हालिया प्रदर्शित फाइटर को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ-साथ ऋतिक रोशन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी काफी लाइमलाइट में बने हुए हैं। फाइटर से पहले ऋतिक रोशन को 'वॉर' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ भी लीड रोल में नजर आए थे।'वॉर' एक एक्शन फिल्म थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन ने मेगा एक्शन वॉर के सीक्वल को लेकर और साउथ स्टार जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को लेकर बात की। ऋतिक ने कहा कि वॉर-2 एक सॉलिड एक्शन फिल्म होने वाली है, जिसकी स्क्रिप्ट बेहद शानदार है। ये एक बड़ी और एंटरटेनिंग फिल्म होगी। मैं बहुत एक्साइटेड हूं जूनियर एनटीआर के साथ काम करने के लिए। ऋतिक रोशन के मुताबिक वह फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। उनकी लगभग तैयारी हो गई है। जल्द ही वॉर को फ्लोर पर उतारा जाएगा। बहुत जल्द उनके पास सांस लेने का वक्त भी नहीं होगा, काफी कुछ ऐसा है जिसने उन्हें भर दिया है और मोटिवेट किया है। 'फाइटर' के लिए उनकी पीठ थपथपाई जा चुकी है और यह ऐसी चीज है जिसके लिए उनके मन में बहुत आभार है।

आर्टिकल 370 कश्मीर के बदलते हालात को बयां करती है

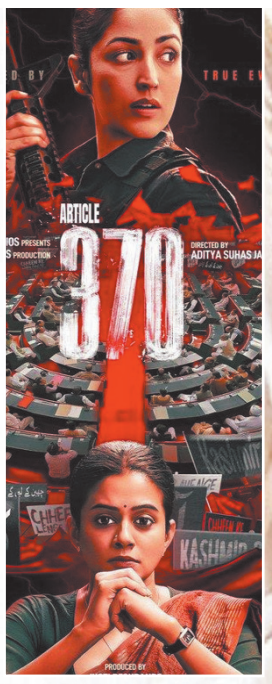

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर देखने के बाद यह साफ हो गया है कि यामी इस फिल्म के जरिए कश्मीर के उस माहौल को दिखाने की कोशिश कर रही हैं जो आर्टिकल 370 के हटने के बाद बना था। वह ट्रेलर में कश्मीर के बदलते हालात पर बात करती दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं, कश्मीर की पूरी कहानी बयां करती नजर आ रही हैं। यहां देखिए फिल्म का शानदार ट्रेलर। ट्रेलर की शुरुआत कश्मीर की सुंदर घाटी से होती है। फिर ब्लैकआउट होता है और यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है। यामी, प्रिया मणि से यह कहते हुए सुनाई देती हैं कि कश्मीर एक लॉस्ट केस है मैम। जब तक ये स्पेशल स्टेट्स है हम उन्हें हाथ भी नहीं लगा सकते हैं और वो लोग हमें आर्टिकल 370 को हाथ लगाने भी नहीं देंगे। 'आर्टिकल 370' पर बनी यामी की ये फिल्म 15 दिन बाद यानी 23 फरवरी के दिन रिलीज होगी। इस फिल्म में यामी के अलावा प्रिया मणि नजर आएंगे। वहीं अरुण गोविल, वैभव तत्ववादी, स्कंद ठाकुर और अश्विनी कौल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

नॉर्थ से ताल्लुक रखती हैं ये अभिनेत्रियां, असफल होकर किया दक्षिण सिनेमा का रुख

ग्लैमर की दुनिया चका चौंध से भरी होती है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर कलाकार इस इंडस्ट्री में आकर यहां अपनी पहचान बनाना चाहता है। हालांकि, इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों का खास दबदबा होता है। बॉलीवुड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित सिनेमा साउथ है। साउथ की फिल्में आज दुनियाभर में नाम कमा रही है। ऐसे में आज के इस लेख में हम आपको उन अभिनेत्रियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो नॉर्थ इंडिया से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन साउथ की फिल्मों में खूब नाम कमाया है।

हंसिका मोटवानी

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टीवी से अपना डेब्यू करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हंसिका साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। 2003 में हिंदी फिल्म हवा में भी बाल कलाकार की भूमिका निभाई। उसके बाद बतौर हीरोइन उन्होंने हिन्दी फिल्म आप का सुरूर में काम किया। लेकिन उन्हें जब हिन्दी सिनेमा में बहुत सफलता नहीं मिली, तो फिर साउथ की ओर रुख कर लिया। बता दें कि हंसिका मुंबई की रहने वाली हैं।

काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। काजल का ताल्लुक एक पंजाबी परिवार से है। अभिनेत्री अमृतसर की रहने वाली हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद काजल अभिनय की तरफ आकर्षित हुई थीं। अभिनेत्री अपने अभिनय करियर की पारी बॉलीवुड फिल्मों से शुरू की थी। हालांकि, उन्हें जल्द ही समझ आ गया कि हिन्दी फिल्मों में इतनी जल्दी सफलता नहीं मिलने वाली। काजल ने 2007 में तेलुगु फिल्म से दक्षिण सिनेमा का रुख किया।

श्रिया सरन

श्रिया सरन आज साउथ फिल्मों की अभिनेत्री के नाम से ही मशहूर हैं, लेकिन आपको बता दें कि अभिनेत्री का दक्षिण भारत से कोई ताल्लुक नहीं है। 2003 में, सरन पहली बार हिंदी फिल्म, तुझे मेरी कसम में नजर आईं, जिसमें रितेश देशमुख और जेनेलिया प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, बॉलीवुड में असफल होने के बाद अभिनेत्री ने साउथ फिल्मों का रुख किया और आज अभिनेत्री किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह साउथ की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं। इनके अलावा रकुल प्रीत सिंह साउथ की बड़ी हीरोइन हैं, जिनका ताल्लुक पंजाबी परिवार से है। साउथ की एक और बड़ी स्टार तमन्ना भाटिया हैं, जिनका महाराष्ट्र से ताल्लुक है। वह मूल रूप से सिंधी हैं।

जूनियर एनटीआर के बाद राम चरण संग इश्क फरमाएंगी जान्हवी कपूर

बुच्ची बाबू सना की आरसी 16 अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इस तेलुगु फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इससे अनुभवी कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इसकी मुख्य अभिनेत्री को लेकर भी बीते लंबे समय से कयासों का बाजार गर्म है। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि मूवी में राम चरण के अपोजिट सामंथा रुथ प्रभु नजर आएंगी, लेकिन यह रिपोर्ट महज कोरी अफवाह साबित हुई है। आरसी 16 से इस युवा बॉलीवुड अभिनेत्री का नाम जुड़ गया है। बहुत सारी अटकलों, अफवाहों के बाद, राम चरण की बहुचर्चित फिल्म आरसी16 की मुख्य अभिनेत्री से जुड़ा रहस्य आखिरकार सुलझता नजर आ रहा है। बुच्ची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फिल्म उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है। इसी बीच इसकी मुख्य अभिनेत्री को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जान्हवी कपूर इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। उम्मीद है कि यह खबर उन लगातार अफवाहों पर विराम लगाएगी जो मुख्य भूमिका के लिए सामंथा और राशा थडानी सहित विभिन्न नामों का सुझाव दे रही थीं। हालांकि, अभिनेत्री की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खबर है कि निर्देशक द्वारा कहानी सुनाए जाने के बाद वह आरसी16 का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गई हैं। जान्हवी कपूर फिलहाल जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म देवरा में काम कर रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री अपना तेलुगु डेब्यू करेंगी। वहीं, आरसी16 में उनकी भूमिका उन्हें तेलुगु सिनेमा में अपने कौशल को प्रदर्शित करने का एक और शानदार मौका देगी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही जान्हवी के फैंस इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए उत्साहित हो उठे हैं। राम चरण की आगामी फिल्म का अस्थाई शीर्षक 'आरसी 16' रखा गया है। हाल ही में जानकारी आई थी कि ए आर रहमान इसके लिए संगीत तैयार करेंगे। जानकारी के अनुसार, फिल्म की कहानी ग्रामीण खेल नाटक पर आधारित होगी। तमाम रिपोर्ट्स के बाद फैंस को इसके स्टारकास्ट की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

मेरी हर फिल्म की अफवाह चल रही है, ऐसा कुछ होगा तो मैं खुद अनाउंस करूंगा

गदर-2 की सफलता के बाद सनी देओल हिन्दी सिनेमा के सफलतम सितारों की सूची में शामिल हो गए हैं। मीडिया व सोशल मीडिया पर सनी देओल की कई ऐसी फिल्मों के दूसरे भाग की खबरें चल रही हैं जो वास्तविकता से दूर हैं। हाल ही में अपनी आने वाली फिल्मों के नामों में बॉर्डर-2, गदर-3, इंडियन-2 जैसे नाम सुनकर सनी देओल ने नाराजगी जाहिर की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनसे इन सरी फिल्मों के अगले पार्ट के बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा, जब से 'गदर 2' आई तबसे ऐसा हो रहा है कि ये पार्ट 2 कर रहा हूं वो पार्ट टू कर रहा हूं। अरे कितने पार्ट टू कर रहा हूं? हर चीज की अफवाह चल रही है। लोगों को अटकले लगाना अच्छा लगता है, ऐसा कुछ होगा तो मैं खुद अनाउंस करूंगा। आपको बता दें कि सनी इन फिल्मों के अगले पार्ट में नहीं, लेकिन फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आने वाले हैं। ये राजकुमार संतोषी की फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान करने वाले हैं। इस फिल्म का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि इस फिल्म को लेकर 15-17 साल से काम चल रहा है, लेकिन कुछ हो नहीं पाया था। 'गदर 2' की सफलता के बाद इस फिल्म को बनाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा सनी देओल फिल्म 'सफर' में भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग के एक सीन को लेकर सनी खूब चर्चा में रहे थे। सीन की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सनी शराब के नशे में धुत सड़क पर लड़खड़ाते हुए नजर आ रहे थे।

तैमूर को मिल रहे मीडिया अटेंशन से परेशान हैं सैफ अली खान!

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और करीना कपूर बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। फैंस उनके निजी जीवन और उनके दोनों बच्चों तैमूर और जेह के बारे में जानने के लिए बेताब रहते हैं। खासतौर पर उनके बड़े बेटे तैमुर के बारे में जानने के लिए फैंस अक्सर उत्सुक दिखाई देते हैं। तैमूर के जन्म के बाद से ही वह हमेशा लाइमलाइट में रहे हैं। यहां तक की फैंस तभी से उनके बॉलीवुड डेब्यू के बारे में भी बात करने लगे थे। सैफ ने हाल ही में स्टार किड्स के विषय में बात करते हुए कहा कि दर्शक ही स्टार किड्स बनाते हैं। सैफ अली खान ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, लोगों को स्टार किड्स में बहुत दिलचस्पी रहती है। उनकी लगातार तस्वीरें खींची जा रही हैं, लगातार उनका पीछा किया जा रहा है। मेरा मतलब है कि कल कोई उनमें से कोई फिल्म बनाना चाहेगा, तो यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसलिए, आपको यह तय करना होगा कि यह ध्यान क्यों और कहां से आता है।

मीडिया और दर्शक बनाते हैं स्टार किड

अभिनेता ने आगे कहा, तैमूर ताइक्वांडो खेल रहा था। तभी लोग उसकी तस्वीरें खींच रहे थे और रील बना रहे थे। हम उस तरह का अटेंशन नहीं चाहते हैं। सैफ ने कहा, इसलिए हम स्टार किड नहीं बनाते, स्टार किड बनाया जाता है। स्टार किड्स को जो बनाते हैं वह मीडिया और फिर फोटोग्राफर और फिर दर्शक हैं, जो शायद सिर्फ एक स्टार किड को देखना चाहते हैं।

देवरा की शूटिंग में बिजी हैं सैफ

सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर के साथ अपनी आगामी तेलुगु फिल्म देवरा की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा वह सिद्धार्थ आनंद की एक्शन फिल्म में भी दिखाई देंगे, जिसमें वह बचाव अभियान चलाने के लिए समय यात्रा करेंगे।

मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा दौर शादी के बाद शुरू हुआ

बीते सालों में शाहिद कपूर अदाकार ही नहीं बल्कि एक फैमिली मैन के रूप में भी संवरते-निखरते चले गए हैं। पिछले दिनों वेब सीरीज फर्जी में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया से।

दर्शक आपकी फिल्मों में आपके ग्रे और इंटेंस किरदारों को ज्यादा पसंद करते हैं, आप किस तरह की भूमिकाएं इंजॉय करते हैं?

मुझे लगता है एक्टर हमेशा से पावर ऑडियंस को देता है, मगर कहीं न कहीं पावर एक्टर के पास होती है। कई बार अदाकार ये भूल जाता है। अब अगर लोग मेरी इंटेंस या ग्रे भूमिकाओं को ज्यादा पसंद करते हैं तो इसका मतलब मैंने उन्हें वो उतनी शिद्दत से दिया है, इसलिए उन्हें याद है। अब जब तक मैं उन्हें उससे कुछ और ज्यादा दमदार नहीं दूंगा, तब तक वो उसी को प्यार करेंगे। मेरी कोशिश तो यही है कि मैं खुद को दोबारा खोजूं। मुझे इस पर अधिक समय नहीं जाया करना चाहिए कि आपको क्या पसंद आए। ये तो आप पर निर्भर करेगा। मुझे तो काम करते रहना होगा।

परिवार की बात करूं, तो शाहिद आपके लिए परिवार कितनी अहमियत रखता है?

परिवार मेरे लिए सब कुछ है। मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फेज मेरी शादी के बाद शुरू हुआ। पहले आपके जीवन में माता-पिता होते हैं और फिर आप बड़े हो जाते हो, तो काम पर जाने लगते हो, मगर शादी के बाद आपका परिवार, पत्नी बच्चे आपको जमीन से जोड़े रखते हैं। वही लोग हैं, जो आपको नॉर्मल और सेटल महसूस करवाते हैं। मैं स्टार्स की बात नहीं कर रहा, मुझे लगता है, आज आम आदमी भी नॉर्मल होना भूल रहा है। हम इंस्टाग्राम पर जी रहे हैं। मैं समझता हूं कि आपकी जिंदगी की नॉर्मलसी की एक खुशबू होती है। मुझे लगता है मेरे लिए मेरा परिवार ही सब कुछ है और मैं उसके लिए कुछ भी कर सकता हूं।

स्टार होने के नाते दिन-रात कैमरों, पैपराजी और लोगों द्वारा पीछा किया जाना कैसा लगता है? गेट के बाहर कई कैमरे की आंखें अभी भी आपके इंतजार में हैं।

सच कहूं, तो ये बहुत पेचीदा मामला है। जब एक एक्टर काम करता है, तो उसमें तीन-चार सौ यूनिट मेंबर भी शामिल होते हैं। जैसे मैं अपनी मेहनत की कमाई कर रहा हूं, वो भी अपनी मेहनत की कमाई कर रहे हैं। कई बार ये पीछा किया जाना ज्यादा हो जाता है, मगर अंततः वो भी अपना काम ही कर रहे हैं। ये ऐसा वाला रिश्ता है कि वो दो लोग ही मैनेज कर सकते हैं। उसे कितना अंदर आना है और मुझे उसे कहां तक रोकना है, वो रिश्ता अपोजिट साइड का है। उनकी जगह वो गलत नहीं हैं, मेरी जगह मैं गलत नहीं हूं, तो हमें हाथ मिलाना सीखना होगा। जब आप एक एक्टर को ज्यादा पुश करोगे, तो वो आपको शट डाउन कर देगा और आप एक एक्टर होने के नाते खुद को ज्यादा सरंक्षित रखोगे, तो वो दूर हो जाएंगे। इसमें आपको संतुलन बनाए रखना होगा।

फिल्म में कृति सेनन के साथ आपकी जोड़ी को फ्रेश कह कर काफी पसंद किया जा रहा है। कृति के साथ आपका काम करने का अनुभव कैसा रहा?

कृति बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं और वे दिन ब दिन संवरती जा रही हैं। उनकी ग्रोथ नजर आ रही है, तो मन तो था कि उनके साथ काम करने का मौका मिले और मिल भी गया। मुझे लगता है, इंडस्ट्री में हीरो तो काफी हैं, मगर हीरोइनों की कमी है, तो जब आप पहली बार किसी हीरोइन के साथ काम करते हैं, तो लगता है, वो जोड़ी अच्छी लगनी चाहिए ताकि आगे काम साथ में किया जा जा सके।

आपकी ताजातरीन फिल्म में आप रोबोट बनी कृति से प्यार करने लग जाते हैं। क्या आप असल जिंदगी में किसी रोबोट के प्यार में पड़ना चाहेंगे?

हमारी फिल्म इसी मुद्दे पर है। रोबोट को तो एक तरह से हमने एक फिजिकल एनटीटी का नाम दिया है, मगर दिन भर में आप अपने जिस फोन के साथ पांच घंटे बिताते हैं, वो इंसान तो नहीं है न? उसके साथ आपकी रिलेशनशिप तो हो ही गई है। चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं और हम 15 साल में कहां होंगे, किसी को पता नहीं। ये फिल्म इसी मुद्दे को दर्शाती है कि अगर ऐसा होगा, तो आप क्या करोगे? जिंदगी ऐसी बनती जा रही है की आपको हर चीज कस्टमाइज चाहिए। इसकी हमें आदत पड़ती जा रही है। आज के दौर में लोगों को प्यार में पड़ना और निभाना मुश्किल लगता जा रहा है, तो यदि दो लोग एक-दूसरे के साथ नहीं हो सकते, तो भविष्य में क्या होगा?